जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • गुरुवार • 26 सितम्बर 2024 • वर्ष 09 • अंक 141 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

तिरुपति लड्डू विवाद से सहमी ओडिशा सरकार

● पुरी के जगन्नाथ मंदिर पर उठाया बड़ा कदम,घी की होगी जांच

पुरी (एजेंसी)। तिरुपति लड्डू में जानवर की चर्बी पाए जाने के आरोपों के बीच ओडिशा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को ओडिशा सरकार ने जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करने का निर्णय लिया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में लड्डू बनाने में जानवर की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल के आरोपों के बाद यह फैसला लिया गया है। पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि हालांकि यहां ऐसे किसी आरोप का सामना नहीं करना पड़ा है, लेकिन प्रशासन कोठा भोग (देवताओं के लिए प्रसाद) और बराड़ी भोग (ऑर्डर पर प्रसाद) की तैयारी में उपयोग

किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि ओडिशा मिल्क फेडरेशन (ओमफेड) ही पुरी मंदिर के लिए घी का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, हालांकि, किसी भी प्रकार की मिलावट के डर को कम करने के लिए ओमफेड द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले घी की मानक की जांच करने का निर्णय लिया गया है। स्वैन ने कहा कि मंदिर में प्रसाद तैयार करने वाले सेवकों के साथ भी इसकी चर्चा भी की जाएगी।

सेवक जगन्नाथ स्वैन मोहापात्रा ने बताया कि पहले मंदिर परिसर में दीयों को जलाने के लिए मिलावट वाला घी उपयोग में लाया गया था। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब दीयों को जलाने के लिए शुद्ध घी का ही इस्तेमाल होता है। उन्होंने हम मंदिर के मुख्य प्रशासक से घी की पूरी जांच कराने का अनुरोध करेंगे।

केजरीवाल कुछ भी हो सकता है, चोर नहीं हो सकता

हरियाणा में मोदी सरकार पर जमकर बरसे एएपी संयोजक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी का प्रचार अभियान जारी है। जेल से बाहर आने के बाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अलग-अलग विधानसभाओं के दौरे पर हैं, वह लगातार रैलियां और जनसभाएं कर रहे हैं। आज पूर्व सीएम केजरीवाल मेहम विधानसभा पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया और अब दिल्ली के लोग तय करेंगे कि मैं ईमानदार हूं या नहीं। आम आदमी पार्टी हरियाणा की सभी 90 विधानसभाओं से चुनाव लड़ रही है। महम विधानभा सीट से कांग्रेस बलराम ढांगी को मैदान में उतारा है, उनके सामने बीजेपी ने दीपक हुड्डा को प्रत्याशी बनाया है। आम आदमी पार्टी ने विकास नेहरा को उम्मीदवार बनाया है। महम विधानसभा में विकास नेहरा के लिए प्रचार करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं आपको 5 गारंटी देता हूं। पहली, हम बिजली मुफ्त करेंगे। पेंडिंग पड़े बिजली बिल माफ किए जाएंगे। दूसरी हम अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे और मुफ्त चिकित्सा सेवाएं देंगे। तीसरी, हम आपके बच्चों के लिए बेहतरीन सरकारी स्कूल बनाएंगे। चौथी, 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये दिए जाएंगे। पांचवीं, हम युवाओं को रोजगार देंगे। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, बीजेपी ने हमारी पार्टी के सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। वे मेरी ईमानदारी पर हमला करना चाहते थे। उन्होंने झूठे आरोप लगाए, मुझे भ्रष्टाचारी और चोर कहा।

रेल दुर्घटना होने पर अब तुरंत मिलेगी सहायता

● रेलवे ने बनाया रेल रक्षक दल,टीम जल्द होगी ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने रेल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत एवं बचाव कार्रवाई के लिए रेल रक्षक दल का गठन किया है जो दुर्घटना राहत ट्रेन से पहले सड़क मार्ग से घटनास्थल पर पहुंच कर काम करने में सक्षम है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी इस टीम को राष्ट्रीय आपदा राहत बल ने प्रशिक्षित किया है और ज़ोन के चारों मंडलों में चार स्थानों – बांदीकुई, लालगढ़, उदयपुर एवं मेड़ता रोड पर तैनात किया है। रेल मंत्री वैष्णव ने जयपुर के गांधीनगर

स्टेशन पर पुनर्विकास के काम का निरीक्षण करने के साथ ही रेल रक्षक दल की दो टीमों को भी देखा। सूत्रों के अनुसार रेल मंत्री ने नवंबर, 2023 में एक बैठक में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से यात्रियों की तेजी से निकासी के मुद्दे पर काम करने की जरूरत व्यक्त की थी जिसके बाद रेलवे बोर्ड द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्वी तटीय रेलवे, भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान (आईआरआईडीएम) बेंगलुरु, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) और रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ) की एक समिति गठित की गई थी। समिति की सिफारिशों के अनुरूप रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कैरिएज एंड वैगन विभाग के इंजीनियरों की टीम बना कर एनडीआरएफ द्वारा एक माह का प्रशिक्षण दिलाया गया। रेलवे बोर्ड ने आपदा प्रबंधन को बढ़ाने के मद में 3.4 करोड़ की लागत का काम स्वीकृति दी थी।

भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान कहना गलत है

● सीजेआई ने कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की टिप्पणी पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने आज कर्नाटक हाई कोर्ट के जज के एक बयान पर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कोर्ट की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग होती है, इसलिए जजों को बोलते हुए सावधान रहना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने बेंगलुरु के एक इलाके को पाकिस्तान बता दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि यह बयान देश की संप्रभुता के खिलाफ है। बता दें कि कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने एक केस की सुनवाई के दौरान बेंगलुरु के मुस्लिम बहुल 'गोरी पाल्या' नाम के

इलाके को 'पाकिस्तान' कह दिया था। हालांकि इसको लेकर उन्होंने बाद में माफी भी मांगी थी लेकिन आज चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने इसको लेकर हाई कोर्ट के जज पर तल्ख टिप्पणी की और कहा कि यह ऐसी टिप्पणी भारत की संप्रभुता के खिलाफ है और कोई भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकता है। दरअसल, इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच कर रही थी, जिसमें सीजेआई चंद्रचूड़ भी शामिल थे। इसके अलावा बेंच में जस्टिव संजीव खन्ना, जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल थे। हालांकि हाई कोर्ट के जज द्वारा माफी मांगने का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सराहना भी की और कहा कि यह ही न्याय हित में था। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, कोई भी भारत के किसी भी हिस्से को 'पाकिस्तान' नहीं कह सकता। यह देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है।

सीमा पर तनाव के बीच चीन के साथ रिश्तों पर बोले जयशंकर

एजेंसी | नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत-चीन संबंध एशिया के भविष्य के लिए अहम है और इसका असर न केवल इस महाद्वीप बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों का समानांतर विकास आज की वैश्विक राजनीति में बहुत अनोखी समस्या पेश करता है। जयशंकर ने मंगलवार को यहां एशिया सोसायटी और एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'भारत, एशिया और विश्व' विषयक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि भारत-चीन संबंध एशिया के भविष्य के लिए अहम है। एक तरह से आप कह सकते हैं कि अगर दुनिया को बहु-ध्रुवीय बनाना है, तो एशिया को बहु-ध्रुवीय होना होगा। और इसलिए यह रिश्ता न केवल एशिया के भविष्य पर, बल्कि संभवतः दुनिया के भविष्य पर भी असर डालेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि अभी दोनों देशों के बीच रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और न्यूयॉर्क में मंगलवार को अपने वैश्विक समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। वह शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में हिस्सा लेंगे। एशिया सोसायटी के कार्यक्रम में चीन पर एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत का 1962 में युद्ध समेत चीन के साथ कठोर इतिहास है। उन्होंने कहा, ''आपके पास दो ऐसे देश हैं जो आपस में पड़ोसी हैं, वे इस दृष्टि से अनोखे भी हैं कि वे ही एक अरब से अधिक आबादी वाले देश भी हैं, दोनों वैश्विक व्यवस्था में उभर रहे हैं और उनकी सीमा अक्सर अस्पष्ट हैं तथा साथ ही उनकी एक साझा सीमा भी है। इसलिए यह बहुत जटिल मुद्दा है। मुझे लगता है कि अगर आप आज वैश्विक राजनीति में देखें तो भारत और चीन का समानांतर विकास बहुत, बहुत अनोखी समस्या है। जयशंकर ने हाल में कहा था कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी की लगभग 75 प्रतिशत समस्याओं को सुलझा लिया गया है। उनकी इस टिप्पणी का उल्लेख एशिया सोसायटी की बातचीत के दौरान किया गया। उन टिप्पणियों के संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा, ''जब मैं कहता हूं कि इसमें से 75 प्रतिशत समस्याओं को सुलझा लिया गया है तो यह केवल सैनिकों के पीछे हटने के संबंध में है। इसलिए यह समस्या का एक हिस्सा है। अभी मुख्य मुद्दा गश्त का है। आप जानते हैं कि हम दोनों कैसे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त लगाते हैं। जयशंकर ने कहा कि 2020 के बाद गश्त की व्यवस्था बाधित हुई है और इसे हल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''यह बड़ा मुद्दा है क्योंकि हम दोनों सीमा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को ले आये थे। इसलिए हम इसे सैनिकों की वापसी कहते हैं और फिर एक बड़ा, अगला कदम वास्तव में यह है कि आप बाकी के रिश्ते से कैसे निपटते हैं उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों और सीमा विवाद के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कहा, ''भारत और चीन के बीच पूरे 3,500 किलोमीटर का सीमा विवाद है। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सीमा शांतिपूर्ण हो ताकि रिश्ते में अन्य बातें आगे बढ़ सकें।'' उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो कि सीमा शांतिपूर्ण एवं स्थिर रहे। उन्होंने कहा, ''अब समस्या 2020 में पैदा हुई, हम सभी उस वक्त कोविड के दौर में थे लेकिन इन समझौतों का उल्लंघन करते हुए चीनियों ने बड़ी संख्या में सैनिकों को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर खड़ा कर दिया और हमने उसी तरह जवाब दिया।'' जयशंकर ने कहा, ''एक बार जब सैनिकों को बहुत करीब तैनात किया जाता है, जो ''बहुत खतरनाक'' है तो ऐसी आशंका होती है कि कोई दुर्घटना हो सकती है और ऐसा ही हुआ। उन्होंने 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के संदर्भ में कहा, ''इसलिए झड़प हुई और दोनों ओर के कई सैनिकों की जान गयी तथा तब से एक तरह से रिश्ते में खटास है। इसलिए जब तक हम सीमा पर शांति बहाल नहीं कर लेते और यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हस्ताक्षरित समझौतों का पालन किया जाए, तब तक बाकी संबंधों को आगे बढ़ाना स्पष्ट रूप से मुश्किल है।'' जयशंकर ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमारा ध्यान सबसे पहले सैनिकों को सीमा पर से हटाना है ताकि वे वापस उन सैन्य अड्डों पर चले जाएं, जहां से वे पारंपरिक रूप से काम करते हैं। उन्होंने कहा, ''क्योंकि अभी दोनों पक्षों ने अग्रिम चौकियों पर सैनिकों को तैनात किया हुआ है।

जब हाईकमान की भ्रष्टाचारी तो नीचे वालो को मिलता है खुला लाइसेंस

एजेंसी।

हरियाणा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों का प्रचार जोरों पर चल रहा है, पिछले कुछ दिन पहलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाएं भी शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने हरियाणा के सोहाना में एक रैली को संबोधित किया। उनके भाषण के केंद्र में हरियाणा का विकास, बीजेपी का बढ़ता जनसमर्थन और कांग्रेस का परिवारवाद रहा। उनकी तरफ से जम्मू-कश्मीर में हो रही वोटिंग पर भी बड़ा बयान दिया गया। पीएम मोदी ने संबोधन के दौरान जनता के सामने इस बात को स्वीकार किया कि हरियाणा का उनके सियासी जीवन में एक बड़ा योगदान रहा। वे जो भी कुछ आज बन पाए हैं, उसमें हरियाणा का एक बड़ा योगदान रहा। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि हर बीतते दिन के साथ बीजेपी के लिए इस चुनाव में समर्थन बढ़ता जा रहा है, वे मानकर चल रहे हैं कि तीसरी बार भी राज्य में बीजेपी की सरकार बनने वाली है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार में हरियाणा आज खेती और उद्योग दोनों मामलों में देश के टॉप राज्यों में अपनी जगह बना रहा है। जब औद्योगीकरण बढ़ता है तो इसका सबसे अधिक फायदा गरीब, किसान और दलित को होता है। पीएम ने इस बात पर भी जोर दिया कि जैसे-जैसे वोटिंग का दिन पास आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। हरियाणा में भाजपा के लिए समर्थन बढ़ता जा रहा है मैं गर्व से कहता हूं मैं जो कुछ हूं उसमें हरियाणा का भी बहुत बड़ा योगदान है। आज पूरा हरियाणा कह रहा है फिर एक बार भाजपा सरकार। अब प्रधानमंत्री ने हरियाणा में हुए विकास का जिक्र तो किया ही, साथ ही साथ उनकी तरफ से कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया गया। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि जिस पार्टी का हाईकमान ही भ्रष्टाचार में लिप्त होता है, नीचे वालों को तो खुला लाइसेंस मिल ही जाता है। जब 10 साल पहले हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी, ऐसे ही प्रदेश को लूटा जाता था। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर में हो रहे मतदान का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि 10 साल बाद हो रहे चुनाव में जनता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है।

आम आदमी गोली नहीं चला सकता, गड़बड़ी हुई है

एजेंसी | मुंबई। बदलापुर में दो बच्चियों से यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर बॉम्बें हाई कोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि यह पहली नजर में एनकाउंटर नहीं लगता है। कोई आम आदमी गोली नहीं चला सकता। इसके लिए अलावा तीन गोलियां चलने की बात कही जा रही है और एक ही लगी है तो फिर बाकी की दो गोलियां कहां हैं। यही नहीं बेंच ने कहा कि इस मामले में पिस्तौल पर उंगलियों के निशान की जांच की जानी चाहिए। अदालत ने साफ कहा कि इसे एनकाउंटर नहीं कहा जा सकता। एक बात यह भी बेंच ने पूछी कि आखिर 4 पुलिस वाले एक आरोपी पर काबू क्यों नहीं कर सके। एक कमजोर आदमी फायर नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि एक आम आदमी पुलिस की रिवॉल्वर को लोड ही नहीं कर सकता। कैसे एक आरोपी तीन राउंड गोलियां पुलिस वैन के अंदर ही चलाता है और उसे पुलिसकर्मी काबू नहीं कर पाते। यह समझ से परे है और इसी के चलते सवाल खड़े होते हैं। इस एनकाउंटर पर अक्षय शिंदे के परिवार ने सवाल उठाए थे और हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। परिवार का कहना था कि उनके बेटे को मार डाला गया है और उसे अब एनकाउंटर बताया जा रहा है। वहीं अक्षय का एनकाउंटर करने वाले इंस्पेक्टर संजय शिंदे अलग ही कहानी बता रहे हैं। संजय शिंदे का कहना है कि पुलिस वैन में ले जाए जाने के दौरान अक्षय शिंदे ने एक पुलिसकर्मी की पिस्तौल छीन ली थी। उसने पिस्तौल तानते हुए कहा कि मैं किसी को नहीं छोड़ूंगा। उसकी ओर से गोली चलाई गई और जवाबी ऐक्शन में वह मारा गया। यही नहीं संजय शिंदे की ओर से ही इस मामले में मुंब्रा पुलिस थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। संजय शिंदे ने इसे एनकाउंटर बताते हुए कहा कि उसकी हत्या आत्मरक्षा के दौरान हुई थी। बता दें कि सोमवार की शाम को अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से लेकर पुलिस निकली थी। उसे पत्नी की ओर से दायर केस की जांच के लिए ही निकाला गया था।

न्यूज बाइट्स

नदी में डूबने से वृद्ध की मौत

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के नारदीगंज बाजार के दक्षिणी यादव टोला निवासी एक वृद्ध की मौत नदी में डूबने से हो गया। मृतक की पहचान नारदीगंज बाजार निवासी स्व0 चंद्रिका सिंह के 74 वर्षीय पुत्र दीनानाथ सिंह बताया जा रहा है। घटना बुधवार के अहले सुबह की बताई जा रही है बताया जाता है कि मृतक सुबह उठने के बाद तिलैया नदी में शौच करने गया था। उसी दरम्यान पैर फिसल जाने के कारण नदी में बालू नकली गई गढ़े में चला गया जिसके कारण डूबने से उसकी मौत हो गई। सुबह में देर तक नदी से नहीं लौटने के कारण परिजन उसे ढूंढने लगे। ढूंढते ढूंढते जब लोग नदी की तरफ गए तो देखा कि नदी के गढ़े में वृद्ध का शव तैर रहा है। फिर लोगों ने उसे बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। मृतक नारदीगंज बाजार में कपड़ा का सिलाई कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसके मृत्यु की खबर सुनते ही परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे। परिजनों के करुण क्रंदन से आस पास के लोगों के आंखों में भी आसू आ गया।कई लोग परिजनों को ढाढस देने में लगे रहे।जानकारी मिलने पर नारदीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जप्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया।मृतक अपने पीछे एक पुत्र और पांच पुत्रीछोड़ गया है।

पति-पत्नी विवाद में पीट-पीटकर पत्नी की हत्या

नवादा (नि.सं.)। जिले में अपराध में कमी आने के बजाय दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। नगर थाना क्षेत्र के शिवनारायण बिगहा गांव में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद पति ने पीट पीटकर हत्या कर दी। मृतका तीन बच्चों की मां थी। सूचना के आलोक में पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। बताया जाता है कि फूलवंती देवी की शादी 17 साल पहले नगर थाना क्षेत्र के शिवनारायण बीगहा गांव निवासी भुवनेश्वर मांझी के पुत्र सुनील कुमार से हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं। मायके के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से अक्सर फूलवंती को प्रताड़ित किया जा रहा था। कई बार पति-पत्नी के बीच समझौता भी कराया गया और आखिरकार ससुराल वालों ने मिलकर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। परिजनों ने बताया कि मृतका का सर फटा था और शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से घटना की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम भी वहां पहुंची और आवश्यक साक्ष्य इकट्ठा किया। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद से पति फरार बताया जा रहा है। घटना के बाद मायके के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बता दें इसके एक दिन पूर्व नगर थाना से कुछ ही दूर यमुना पथ में 28 वर्षीय महिला की हत्या के बाद हत्या को आत्महत्या का रुप देने के लिए शव को फांसी के फंदे से लटका दिया गया था। 'मृतक के परिजन फिलहाल आवेदन नही दिया है। आवेदन के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौखिक रूप से परिवार के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया गया है। फॉरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल पर बारीकी से जांच की गई है।

दुर्गा पूजा के दौरान डीजे बजाने पर रहेगा प्रतिबंध

संझौली (रोहतास) (नि. सं.)। स्थानीय संझौली थाना परिसर में बुधवार को सर्किल इंस्पेक्टर(बिक्रमगंज) शेर सिंह यादव व बीडीओ प्रभा कुमारी के नेतृत्व में बुधवार को आगामी दुर्गा पूजा के त्योहार को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि पूजा के दौरान सरकार के जारी सभी दिशा निर्देशों का पालन करना होगा। इस दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध होगा, और लाइसेंस पर निर्धारित रूटों पर ही ससमय जुलूस का आयोजन करना है। पूजा को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण रूप से सम्पन कराने के लिए लोगों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की भी अपील की। पूजा में किसी तरह का अफवाह फैलाने या शांति भंग करने वालों से कड़ाई से निपटा जाएगा। इसके लिए पुलिस अभी से ही सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को चिन्हित कर रही है। वहीं पूजा को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों ने भी अपना-अपना सुझाव दिया।

आगजनी की घटना में सात आरोपित हुए गिरफ्तार

मुख्य अभियुक्त नन्दू पासवान सहित कुल 15 लोगों को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | नवादा

एसआईटी टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आगजनी की घटना में सम्मिलित चार अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई। साथ ही बीते मंगलवार को ही देर रात तीन अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के साथ तीन वाहनों को भी जप्त किया गया, जिसमें मारूती एसएल-06 एवं 02 स्कॉर्पियो है। ज्ञातव्य हो कि दिनांक 18.09.2024 को नवादा सदर प्रखंड के मुफस्सिल थानान्तर्गत देदौर गांव के कृष्णा नगर नदी तट पर स्थित बस्ती के झोपड़ियों में असामाजिक तत्वों द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष, पुलिस टीम, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, नवादा सदर, अंचल अधिकारी, नवादा सदर, अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवादा सदर-2 द्वारा त्वरित रूप से आवश्यक कार्रवाई की गई थी। अग्निशमन दस्ता दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया गया था। घटना स्थल पर गृह क्षति पाया गया था, कोई मानव क्षति नहीं पाये गए। जिला पदाधिकारी, नवादा एवं पुलिस अधीक्षक,नवादा द्वारा भी घटना स्थल का संयुक्त रूप से जायजा लिया गया एवं पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस प्रशासन, नवादा द्वारा घटना के रात ही विभिन्न स्थलों पर छापामारी कर मुख्य अभियुक्त नन्दू पासवान सहित कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दिनांक 24.09.2024 को पुलिस प्रशासन, नवादा के द्वारा सात अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। अबतक कुल 22 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिला पदाधिकारी, नवादा द्वारा बताया गया कि एसआईटी एवं एफएसएल टीम द्वारा तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान किये जा रहे हैं ताकि अन्य संबंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा सके। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटना में शामिल एक भी अपराधी को बख्सा नहीं जायेगा। उक्त घटना स्थल पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति पालीबार की गयी है एवं सघन गश्ती की जा रही है तथा वरीय स्तर से निगरानी भी रखी जा रही है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रित है एवं सतत् निगरानी रखी जा रही है। जिला पदाधिकारी द्वारा आमजनों से अपील किया गया है कि कृपया शांति व्यवस्था बनाए रखें एवं जिला प्रशासन का सहयोग करें। जिला प्रशासन, नवादा ऐसे घटना को अंजाम देने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई हेतु दृढ़ संकल्पित है। कृपया अफवाहों से बचें एवं घटना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है तो अविलंब जिला प्रशासन/पुलिस प्रशासन, नवादा से सूचना साझा कर सकते हैं।

घटनास्थल पर निरीक्षण करते जिलाधिकारी

- » एसआईटी टीम की बड़ी कार्रवाईः चार और अभियुक्त गिरफ्तार, कुल गिरफ्तारियों की संख्या 22 तक पहुंची
- » अभियुक्तों के साथ तीन वाहन भी जब्त, मारुति एसएल-06 और दो स्कॉर्पियो शामिल
- » 18 सितंबर की आगजनी घटना में प्रशासन की तेजी, अब तक कुल 22 लोगों की गिरफ्तारी
- » जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाईः स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में, लगातार गश्त जारी
- » वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज
- » जिला प्रशासन की जनता से अपीलः शांति बनाए रखें, अफवाहों से बचें, प्रशासन का सहयोग करें
- » घटना से जुड़ी कोई भी जानकारी प्रशासन से साझा करें, अफवाहों पर ध्यान न दें

पुलिस पर एयर गन तानने वाला युवक गिरफ्तार

नवादा (नि.सं.)। पार नवादा क्षेत्र में कार्बाइन नुमा दिखने वाला एयर बंदूक लहरा इलाके में दहशत फैला रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्बाइन नुमा दिखने वाले एयर बंदूक के साथ दोनों युवकों को बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के गया रोड से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक नगर थाना क्षेत्र के हड्डी गोदाम भदौनी मोहल्ले के निवासी रब्बानी अख्तर का बेटा मोहम्मद शोएब अख्तर और इस्लाम नगर मोहल्ले का जुनैल अहमद का बेटा मोहम्मद महताब आलम है। बताया जाता है कि बंदूक लेकर दहशत फैला रहे युवकों की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस पर भी हथियार तान दिया था। मस्तानगंज टीओपी प्रभारी कन्हैया सिंह के मुताबिक वह शाम गश्त के लिए निकले थे, इसी बीच उन्हें रजौली बस स्टैंड के पास दो युवकों द्वारा हथियार दिखाकर दहशत बनाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर डायल 112 बाइक सेवा के तीन जवानों को लेकर हुए वहां पहुंचे। पुलिस को देख दोनों युवक वहां से भागने लगे। जवानों की मदद से उन्हें पकड़ने की कोशिश की गई।

नवादा में डाक प्रदर्शनी, सांसद ने हरी दिखाई झंडी

निज संवाददाता | नवादा।

बिहार डाक सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार के निर्देशन में आगामी एक और दो अक्टूबर को नवादा में डाक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। डाक प्रदर्शनी को लेकर विभाग की ओर से काफी जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। जिले के सभी 14 प्रखंडों के साथ-साथ पड़ोसी जिलों के भी डाकघर से इस प्रदर्शनी में लोगों के भाग लेने की संभावना है। इसके प्रचार प्रचार के लिए डाक विभाग की ओर से प्रचार वाहन निकाला गया है। बुधवार को स्थानीय सांसद विवेक ठाकुर के द्वारा हरी झंडी दिखाकर डाक विभाग के प्रचार वाहन को रवाना किया गया। इस संबंध में डाक विभाग से जुड़े कर्मी व प्रदर्शनी आयोजन समिति के सदस्य जितेंद्र कुमार ने बताया कि बिहार सर्किल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल अनिल कुमार के निर्देशन में दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी, पत्र लेखन और अन्य कई कार्यक्रम प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में जनप्रतिनिधि, सम्मानित लोग के साथ-साथ आम जनों के भाग लेने की संभावना है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर डाक विभाग के सारे कर्मचारी जुट गए हैं तथा सफल बनाने के लिए अपने स्तर से हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि डाक विभाग द्वारा हमेशा से ही अच्छी पहल की जाती है। दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी भी ऐतिहासिक होने की संभावना है।

आईटीआई में एक दिवसीय कैम्प का होगा आयोजन

निज संवाददाता | नवादा।

श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, नवादा द्वारा दिनांक-30.09.2024 को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई0टी0आई0) नवादा के प्रागंण में एक दिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जायेगा। इस कैम्प में ग्रामीण शिक्षा अवाम प्रशिक्षण फॉन्डेशन अहमदाबाद, गुजरात की कम्पनी के द्वारा सी0एन0सी0 मशीन ऑपरेटर के 30 पद के लिए योग्यता दसवीं, वारहवीं, आई0टी0आई0, ग्रजुएशन एवं डिप्लोमा होना चाहिए। वेतन 14720 से 30000 के साथ अन्य सुविधा ई0पी0एफ0, ई0एस0आइ0सी0, बस, कैंटिन, एवं कम दर पर रहने के लिए रूम की सुविधा। क्वालिटि इनचार्ज के 30 पद के लिए योग्यता आई0टी0आई0, ग्रेजुएशन एवं डिप्लोमा होना चाहिए। वेतन-15720 से 30000 के साथ अन्य सुविधा ई0पी0एफ0, ई0एस0आइ0सी0, बस, कैंटिन, एवं कम दर पर रहने के लिए रूम की सुविधा। उम्र-18 से 35 वर्ष। कार्यस्थल-अहमदाबाद (गुजरात)। इच्छुक आवेदक एवं आवेदिकाएं अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं आधार की छायाप्रति रंगीन फोटो एवं बायोडाटा के साथ चयन हेतु कैम्प स्थल संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई0टी0आई0) नवादा के प्रागंण में आकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। रोजगार कैम्प का समय प्रातः 11:00 बजे पूर्वाह्न से आयोजित होगी। जो आवेदक एवं आवेदिकाएं एनसीएस पोर्टल पर निबंधित हैं, वही आवेदक एवं आवेदिकाएं रोजगार कैम्प में भाग ले सकते हैं। जो आवेदक एवं आवेदिकाएं निबंधित नहीं हैं वो आवेदक एवं आवेदिकाएं एनसीएस पोर्टल पर अपना निबंधन कराकर भाग ले सकते हैं। नियोजक निजी क्षेत्र के हैं, नियोजन के शर्तो के लिए वे जिम्मेदार होगें। नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका में होगा।

दुर्गा पूजा में डीजे के साथ नर्तकी व लौंडा डांस रहेगा बंद

निज संवाददाता | नवादा।

जिला प्रशासन के निर्देश पर सिरदला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक बीडीओ दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान सिरदला थानाध्यक्ष संजीत कुमार,परना डावर थानाध्यक्ष संजय कुमार के साथ पंद्रह पंचायतों के सभी मुखिया, सरपंच, विकास् मित्र, एवं क्षेत्र के दर्जनों बिद्धिजीवियों के साथ दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सभी सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में उपस्थित् लोगों से स्थलीय जानकारी प्राप्त किया गया। जिसके बाद जिला प्रशासन से मिली निर्देशों का अनुपालन को लेकर सभी जनप्रतिनिधियों व बिद्धिजीवियों को अवगत कराया गया। बीडीओ ने बताया कि दुर्गा पूजा समिति को अस्थाई बिजली कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग करने, एक अक्टूबर तक सभी पूजा समिति को लाइसेंस लेना अनिवार्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम में नर्तकी व लौंडा का डांस एवं डीजे पर प्रतिबंध, पंडाल के पास अग्नि सुरक्षा को उपयुक्त सामग्री जैसे बालू, आदि सुरक्षा उकरण का ब्यवस्था कराया जाना, पंडाल के अंदर व बहार राजनैतिक, धार्मिक, एवं समाजिक उन्माद फैलाने वाले मूर्ति, कार्टून, एवं बैनर लगाना वर्जित, लोडिस्पीकर अनुमंडल पदाधिकारी की अनुमति के वगैर नहीं बजाये जाने एवं अनुमति मिलने पर रात्रि दस बजे तक ही बजाये जाने, भीड़ नियंत्रण को लेकर माइक का ब्यवस्था, पंडाल के पास सी सी टी वी कैमरा की ब्यवस्था, पेयजल कि ब्यवस्था, एवं पंडाल व आसपास के जगहों पर बेहतर साफ सफाई कराये जाने का निर्देश दिया। मौके पर समाज सेवी सह मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार, पूर्व मुखिया रामलखन प्रसाद यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष दिनेश कुमार, भोला चौधरी, कैलाश स्वर्णकार, बिंदेश्वरी यादव, मो सहाबुद्दीन अंसारी, अंगद राम, धर्मेंद्र कुमार कुशवाहा, भाजपा नेता प्रदीप शर्मा, शंभू तांती, बीरेंद्र कुमार, राजो यादव पैक्स अध्यक्ष के साथ ही सभी पंद्रह विकास मित्र व दर्जनों बुद्धिजीवी एवं पूजा समिति अध्यक्ष सचिव सदस्यगण उपस्थित रहे।

राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को राजभाषा पखवाड़ा-2024 का पुरस्कार वितरण समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मौके पर राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया और वर्ष 2024 में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कई पुरस्कार वितरित किए गए। सर्वोत्तम पुस्तकालय की श्रेणी में मैथिलीशरण गुप्त हिंदी पुस्तकालय (धनबाद) को प्रथम स्थान और हरिवंशराय बच्चन हिंदी पुस्तकालय (डीडीयू) को द्वितीय स्थान पर सम्मानित किया गया। इसी तरह सर्वोत्तम समिति के अंतर्गत हाजीपुर स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति (सोनपुर) को प्रथम और सीतामढ़ी स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीडीयू) को द्वितीय स्थान पर चुना गया। सर्वोत्तम पत्रिका की श्रेणी में डीडीयू मंडल की 'रेलमुक्ता' पत्रिका को पुरस्कृत किया गया। सामूहिक पुरस्कार के अंतर्गत प्रशासन विभाग, पूमरे/हाजीपुर, डीडीयू मंडल की यांत्रिक शाखा और समस्तीपुर यांत्रिक कारखाने को भी सामूहिक पुरस्कार से नवाजा गया। समारोह की शुरुआत मुख्यालय कला समिति द्वारा आयोजित शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई, जिसमें रेलकर्मियों ने गीत और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने राजभाषा विभाग को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और सभी विजेताओं को हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान के लिए सराहा। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग को और गति प्रदान करने के लिए सभी को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। राजभाषा पखवाड़ा-2024 का आयोजन पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में 02 सितंबर से 25 सितंबर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पखवाड़ा का उद्घाटन 02 सितंबर 2024 को हिंदी कार्यशाला के साथ हुआ था, जिसके बाद हिंदी निबंध, टिप्पण और प्रारूप लेखन, हिंदी वाक्, राजभाषा क्विज और विचार गोष्ठी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जैसे भारतीय रेल देश की जीवन-रेखा है, वैसे ही राजभाषा हिंदी भारतीय जनमानस को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने हिंदी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी को राजभाषा बनाने की मांग हिंदीतर भाषियों ने की थी, जो इसके महत्व को स्पष्ट करता है। कार्यक्रम का संचालन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने दिया।

स्वच्छता ही सेवा-2024 के तहत प्रतियोगिता का आयोजन

निज संवाददाता | वैशाली (नि.सं.)

पूर्व मध्य रेल द्वारा 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को इस दिशा में प्रेरित करना भी है। इस कड़ी में, पूर्व मध्य रेल के मुख्यालय में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर सभाकक्ष में पर्यावरण विंग द्वारा एक विशेष क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता मुख्य चल स्टॉक इंजीनियर (फ्रेट) श्री महेश कुमार राय ने की, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता का संचालन उप मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक श्री मंजय कुमार सिंह ने किया, जिन्होंने प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। क्विज प्रतियोगिता में यांत्रिक विभाग के अन्य अधिकारियों और सभी अनुभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब कर्मचारियों द्वारा बखूबी दिया गया, जिससे उनकी ज्ञानवर्धन की दिशा में एक सकारात्मक संकेत मिला। प्रतियोगिता में सफल रहने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया, जिससे अन्य कर्मचारियों में भी प्रतिस्पर्धा और जागरूकता बढ़ी। इसके अलावा, मंडलों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से केंद्रीय विद्यालय, राज्य स्तरीय विद्यालय, और निजी विद्यालय के छात्रों के बीच स्वच्छता विषय पर कविता, निबंध लेखन, और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूली छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, और विजयी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। यह छात्रों के लिए एक अवसर था, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके और स्वच्छता के महत्व को समझ सकें।

युवा नेता रिशांग ने किया शिष्टाचार मुलाकात

नवादा (पकरीबरावां) (नि.सं.)। जिला निवासी भाजपा कला संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता और युवा नेता रिशांग शर्मा ने बुधवार को दिल्ली में पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। बृजभूषण शरण सिंह को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिवादन किया। बातचीत के प्रमुख बिंदु मुलाकात के दौरान रिशांग शर्मा और बृजभूषण शरण सिंह के बीच नवादा जिले, विशेषकर वारसलीगंज क्षेत्र के राजनीतिक, विकासात्मक और सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई। रिशांग शर्मा ने पूर्व सांसद से नवादा के विकास में सहयोग के लिए सुझाव मांगे और क्षेत्र के विकास में उनके अनुभव का लाभ उठाने की इच्छा जताई। नवादा में बृजभूषण का स्वागत रिशांग शर्मा ने पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह से अनुरोध किया।

सुरक्षा शिविर का किया गया आयोजन

नवादा (नि.सं.)। नगर पंचायत द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का संचालन बीते 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इस दौरान बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत पदाधिकारी राजेश एवं लोक स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार के नेतृत्व में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा मंडल में प्राथमिक रखरखाव वाले यात्री ट्रेनों के प्रत्येक कोच में ट्रेन के मिरर, मध्य बर्थ और उपरी बर्थ की बीच की जगह और गेट (भीतरी तरफ) पर विनाइल स्टिकर लगाने हेतु ई-नीलामी आमन्त्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न हैं: **(1) (AA/1) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में प्राथमिक रखरखाव वाले यात्री ट्रेनों के प्रत्येक कोच में ट्रेन के मिरर, मध्य बर्थ और उपरी बर्थ की बीच की जगह और गेट (भीतरी तरफ) पर विनाइल स्टिकर लगाने हेतु 03 वर्षों के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** NFR-HyB-DDU-04 **ई-नीलामी लॉट संख्याः** HyB-OnB-155029-24-1 **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 10:00 बजे शुरू होगी और 10:30 बजे बंद होगी। **(2) वेबसाइट का पता जहाँ ई-नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in (E-auction Leasing)

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)
पू०म०रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय।
पीआर/01193/डीडीयु/सीओएमएल/एन/24-25/28

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित पे एंड यूज़ टॉयलेट के लिए ई-नीलामी आमन्त्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न हैः- **(1) (AA/1) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** गया रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित पे एंड यूज़ शौचालय का ठेका संचालन और रख रखाव के आधार पर 06 महीनों के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** Toi-DDU-12, **ई-नीलामी लॉट संख्याः** PnU-DDU-GAYA-Toi-16-23-1, **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 13:00 बजे शुरू होगी और 13:30 बजे बंद होगी। **(AA/2) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन के बुकिंग ऑफिस के निकट स्थित पे एंड यूज़ शौचालय का ठेका संचालन और रख रखाव के आधार पर 03 वर्षों के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** Toi-DDU-12, **ई-नीलामी लॉट संख्याः** PnU-DDU-DOS-Toi-22-24-1, **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 13:00 बजे शुरू होगी और 13:40 बजे बंद होगी। **(2) वेबसाइट का पता जहाँ ई-नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in (E-auction Leasing)

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल
पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/01197/डीडीयू/सीओएमएल/एन/24-25/36

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल से आरंभिक निम्नवत कोचिंग ट्रेन के एस.एल. आर. कोच में पार्सल स्थान को पट्टे पर देने के लिए ई-नीलामी आमन्त्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न हैः- **(1) (AA/1) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** गाडी संख्या 12389 (गया से चेन्नई) गया-चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस के FSLR के पार्सल स्थान (4 टी) का आवंटन। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** Lease-SLR-DDU-7, **ई-नीलामी लॉट संख्याः** 12389-SLR-FI-GAYA-MAS-24-1, **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 11:00 बजे शुरू होगी और 11:30 बजे बंद होगी। **(AA/2) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** गाडी संख्या 15619 (गया से कामाख्या) गया-कामाख्या एक्सप्रेस के FSLR के पार्सल स्थान (3.9 टी) का आवंटन। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** Lease-SLR-DDU-7, **ई-नीलामी लॉट संख्याः** 15619-SLR-FI-GAYA-KYQ-23-1, **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 11:00 बजे शुरू होगी और 11:40 बजे बंद होगी। **(2) वेबसाइट का पता जहाँ ई-नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in (E-auction Leasing)

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल
पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/01196/डीडीयु/सीओएमएल/एन/24-25/36

पूर्व मध्य रेल

अधिसूचना

पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 02 स्टेशनों 1. कुम्हऊ, गंजख्वाजा के स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट (एसटीबीए) की चयन हेतु अधिसूचना। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, पं. दीन दयाल उपाध्याय कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के एन.एस.जी.-6 श्रेणी के 02 स्टेशनों 1. कुम्हऊ, 2. गंजख्वाजा के लिए कमीशन बेसिस पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट (एसटीबीए) के चयन हेतु 03 (तीन) वर्षों के लिए आवेदन आमंत्रित की जाती है।

अधिसूचना संख्या-काम/एसटीबीए/डी.डी.यू./24, दिनांक : 23.09.2024

1. कार्य का विवरण : पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के एन.एस.जी.-6 श्रेणी के 02 स्टेशनों 1. कुम्हऊ, 2. गंजख्वाजा पर एसटीबीए का चयन। 2. कार्य की अवधि : (03) तीन वर्ष। 3. अग्रधन राशि : एन.एस.जी. -06 श्रेणी के लिए रु. 2000/- प्रति आवदेक। 4. आवेदन पत्र गिराने की तिथि, समय एवं स्थान : आवेदन पत्र बंद लिफाफे में पंजीकृत डाक, कोरियर, साधारण डाक अथवा स्वयं हाथों हाथ दिनांक 24.09.2024 से 03.10.2024 तक कार्यालय अवधि 11:00 बजे से 17.00 बजे तक एवं अंतिम तिथि 04.10.2024 को 12.00 बजे तक मंडल रेल प्रबंधक/वाणिज्य, पूर्व मध्य रेल, पं. दीन दयाल उपाध्याय के कार्यालय के प्राप्ति अनुभाग में दें। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। बंद लिफाफा दिनांक 04.10.2024 को 12.30 बजे खोले जायेंगे। 6. वेबसाईट का पता - जिससे आवेदन का प्रारूप एवं संबंधित अन्य सभी विवरण प्राप्त किया जा सकता : www.ecr.indianrailways.gov.in (Division-DDU, department-commercial) पर उपलब्ध है। नोट : सक्षम अधिकारी किसी भी आवेदन या सभी आवेदनों को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक (वा.)/
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/01198/डी.डी.यू./वा./एन/24-25/48

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के निम्नवत स्टेशनों के दर्शाए गये स्थान पर एटीएम मशीन लगाने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों/अनुसूचित वाणिज्यिक भारतीय बैंकों/भारतीय सहकारी बैंकों/व्हाइट लेबल एटीएम सेवा प्रदाताओं से ई-नीलामी आमन्त्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न हैं: **(1) (AA/1) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** पं दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में एटीएम मशीन लगाने हेतु जगह पाँच वर्षो (1826 दिन) के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** ATM-DDU-24-07 **ई-नीलामी लॉट संख्याः** ATM-DDU-DDU-Gen-3-24-1 **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 14:00 बजे शुरू होगी और 14:30 बजे बंद होगी। **(AA/2) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में बुकिंग कार्यालय (UTS/PRS) के निकट एटीएम मशीन लगाने हेतु जगह पाँच वर्षो (1826 दिन) के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** ATM-DDU-24-07 **ई-नीलामी लॉट संख्याः** ATM-DDU-AUBR-Gen-9-23-1 **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 14:00 बजे शुरू होगी और 14:40 बजे बंद होगी। **(AA/3) कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधिः** डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में बुकिंग कार्यालय कम प्रतीक्षालय के निकट एटीएम मशीन लगाने हेतु जगह पाँच वर्षो (1826 दिन) के लिए। **ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः** ATM-DDU-24-07 **ई-नीलामी लॉट संख्याः** ATM-DDU-DOS-Gen-8-23-1, **ई-नीलामी की तिथि एवं समयः** ई-नीलामी दिनांक 05.10.2024 को 14:00 बजे शुरू होगी और 14:50 बजे बंद होगी। **(2) वेबसाइट का पता जहाँ ई-नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in (E-auction Leasing)

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)
पू०म०रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय।
पीआर/01194/डीडीयु/सीओएमएल/एन/24-25/48

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

न्यूज बाइट्स

छात्र राजद के जिला प्रभारी को पार्टी ने 6 वर्षों के लिये निकाला

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। औरंगाबाद राष्ट्रीय जनता दल के छात्र इकाई में बीते कई दिनों से आपसी मतभेद चल रहा था जिसमें छात्र राजद के नेताओं द्वारा जिला के प्रभारी चंदन कुमार पर लगातार हमलावर थे नेताओ द्वारा बताया गया था कि जिला प्रभारी लगातार छात्रों से एडमिशन के नाम पर पैसा वसूली कर रहे हैं यहां तक कि उनके ऊपर चरित्रहीनता का भी आरोप पूर्व में लग चुका है जिसको लेकर राजद की बदनामी हो रही थी प्रदेश नेतृत्व के पास खबर पहुंचते ही जिला प्रभारी को पहले तो पद मुक्त किया इसके बावजूद भी जिला प्रभारी द्वारा लगातार लोगों को दिगभ्रमित करते हुए अपने गलत कामों में संलिप्त थे जिसको लेकर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें 6 वर्षों के लिए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया बताते चले की पूर्व में भी जिला प्रभारी पर यादव कॉलेज के प्रिंसिपल द्वारा थाने में आवेदन दिया गया था मामला को बिगड़ते देख जन अधिकार पार्टी भी इन्हें अपने पार्टी से निष्कासित किया था। छात्र राजद के नेता व पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, विकास राय यादव, शत्रुघन यादव, बिकाश यादव, गुलशन कुमार, गुंजन कुमार, सोनू कुमार सहित अन्य नेताओं ने प्रदेश नेतृत्व को आभार जताते हुए कहा कि औरंगाबाद का छात्र राजद ऐसे नेतृत्व में फंसा था कि छात्रों को संगठन के कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था अब फिर से छात्र राजद एक ऊंची मुकाम हासिल करेगी और जिले के सभी कॉलेजों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएगी।

श्रद्धांजलि सभा व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज के सरावक स्थित प्राचीन मंदिर के कुटिया महंत नरेश पाठक की निधन पर मंगलवार की रात सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। स्व नरेश पाठक करीब 15 साल पूर्व पूरे परिवार को छोड़कर एवं संन्यास के रूप में सरावक कुटिया का महंत बने थे। 12 सितंबर 2024 को हृदय गति रुकने के कारण मौत हो गई थी। उनके ब्रह्म भोज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।स्थानीय लोगो ने बताया कि कुटिया के नए महंत उनके पुत्र मुन्ना पाठक होंगे।

बाईक चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। गोह पुलिस ने गोह थाना कांड संख्या 263/24 के फरार अभियुक्त को गिरफ्तार कर बुधबार को जेल भेज दिया गया हैं। थानाध्यक्ष कमलेश पासवान ने बताया कि कुछ दिन पूर्व एकौनी गांव निवासी आनंदी यादव के पुत्र लालू यादव पर बाईक चोरी के मामले मे प्राथमिक की दर्ज हुई थी। तब से वह फरार चल रहा था। गुप्त सुचना मिली कि वह अपने घर आया हुआ है इसके बाद एक पुलिस टीम गठित करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर औरंगाबाद में आयोजित कार्यक्रम में फार्मासिस्टों की भूमिका पर हुई चर्चा

पूरी दुनिया में चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण : जिलाधिकारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को, विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर, औरंगाबाद के जी एजुकेशनल फाउंडेशन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शीर्षक 'फार्मासिस्ट मीटिंग : ग्लोबल हेल्थ नीड्स' था, जिसमें फार्मासिस्टों के महत्वपूर्ण योगदान और उनकी वैश्विक स्वास्थ्य जरूरतों के संदर्भ में चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के संस्थापक और पूर्व विधान पार्षद राजन सिंह, निदेशक अंकित कुमार सिंह, प्राचार्य, शिक्षकों, छात्रों, आरएमडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार मिश्रा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में, इंस्टीट्यूट के संस्थापक राजन सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की, जिसने आयोजन में रंगीनता और उल्लास भरा।

जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने अपने भाषण में फार्मासिस्टों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर हम उनके योगदान को याद करते हैं। फार्मासिस्ट केवल दवाएं प्रदान करने वाले नहीं होते, बल्कि वे रोगियों की देखभाल, दवाओं की सुरक्षा, और उपचार की प्रभावशीलता में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।' उन्होंने संस्थान के छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस मौके पर जीपीआई के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. शैलेंद्र सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'फार्मेसी एक ऐसा विषय है जिसमें असीम संभावनाएं हैं। हालांकि, विभाग में रिक्त पदों की संख्या उतनी अधिक नहीं है जितनी संख्या में आज लोग फार्मेसी की ओर उत्सुकता से अग्रसर हो रहे हैं। फार्मेसी के माध्यम से परीक्षा में सफल होने वाले हर एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती, लेकिन विदेशों में इसकी मांग है। डिग्री प्राप्त करने के बाद, किसी भी देश में नौकरी प्राप्त की जा सकती है या फिर अपना मेडिकल स्टोर खोलकर अपने परिवार का भरण-पोषण किया जा सकता है। इस कार्यक्रम ने न केवल फार्मासिस्टों के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी किया कि वे अपने भविष्य के प्रति सजग रहें और चिकित्सा क्षेत्र में अपने योगदान के लिए तत्पर रहें। इस आयोजन के माध्यम से, सभी उपस्थित लोगों ने फार्मासिस्टों की भूमिका और उनके महत्व को समझा और सराहा।

सच्चिदानंद सिन्हा महाविद्यालय में वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे और स्टार्टअप जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में कई छात्र एवं संस्था उन्मुख कार्यक्रम आयोजन का केंद्र रहा जिसमें 25 सितंबर को वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे का आयोजन फैकेल्टी आफ फार्मेसी के द्वारा किया गया जिसके अंतर्गत जागरूकता रैली सच्चिदानन्द सिन्हा कॉलेज मोड तक निकाला गया साथ ही नुक्कड़ नाटक एवं रक्तदान शिविर का भी आयोजन हुआ। रक्तदान में फार्मेसी के छात्र छात्राओं के साथ एनसीसी के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह कार्यक्रम फैकेल्टी आफ फार्मेसी के विभागाध्यक्ष मंजीत कुमार, शिक्षक नीरज कुमार, ओमप्रकाश कुमार, अनुपम कुमार सिंह, रेणु कुमारी, रमाकांत एवं शिक्षकेत्तर कर्मी विकास कुमार, अभिषेक कुमार, रत्नेश कुमार सिंह, मसूद आलम के नेतृत्व में संपन्न हुआ। दूसरी तरफ गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज एवं सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में स्टार्टअप के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जॉब सीकर से जब क्रिएटर बनना है। विकसित भारत का लक्ष्य स्टार्टअप में समाहित है। हमारे महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बहादुर भीम कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में एक स्टार्टअप टीम का निर्माण कर सभी छात्रों को जोड़ेंगे। आज आयोजित हुए स्टार्टअप कार्यक्रम में महाविद्यालय के एमबीए, एमसीए, फिजिक्स के छात्र स्टार्टअप से जुड़े हैं और स्टार्टअप चला रहे हैं। ये सभी छात्र स्टार्टअप एंबेसडर के रूप में कार्य कर रहे सकते हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशन के तहत प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना के माध्यम से स्किल एनहैंसमेंट प्रोग्राम पर चर्चा हुई। जिला उद्योग विभाग से आए उद्योग विस्तार पदाधिकारी अरविंद कुमार ने विस्तार से स्टार्टअप से संबंधित सरकार की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। सीड फंड, जीरो लैब एवं इनक्यूटेशन सेंटर के बारे में जानकारी। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टार्टअप सेल इंचार्ज ने इस महाविद्यालय को संभावनाओं के रूप में स्वीकार किया है। इस कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग के सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार एवं अमित कुमार, अरविंद कुमार (स्टार्टअप कोऑर्डिनेटर), हरीश कुमार गौरव (स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर), शशि कांत कुमार(मीडिया प्रभारी)ने भाग लिया।

शिलान्यास के दस साल बाद भी नहीं बन सका गोह का पुलिस भवन

गोह(औरंगाबाद) (नि.सं.)। निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण गोह थाना भवन के लिए भूमि का आवंटन और शिलान्यास हुए दस साल से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद अब तक निर्माण पूरा नहीं हो सका है। पुराने भवन में चल रहे थाना परिसर जर्जर हो गया है।जिसके कारण भवन के धवस्त होने की आशंका बनी रहती है। पुलिसकर्मी जान हथेली पर रखकर काम कर रहे हैं। कभी भी जर्जर इमारत ध्वस्त हो सकती है और इससे पुलिसकर्मियों की जान जाने से आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। थाना का पुराना जर्जर भवन, जिसमें अभी थाना है, कब ध्वस्त हो जाए और कौन इसमें दब जाए ये किसी को पता नहीं है। ये तो सामान्य दिनों की बात है। लेकिन जब बरसात के मौसम में लगातार मूसलधार बारिश होती हैं तब तो और अधिक कठिनाई होती है। बरसात में छत पर बरसनेवाले पानी की एक बूंद भी पानी बाहर नहीं जाती है।

भाजपाइयों ने धूमधाम से मनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर विधानसभा के क सिरिस गांव में भाजपाईयों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुजीत गुप्ता ने की। सर्वप्रथम उपस्थित लोगों ने पंडित दीनदयाल के तैलचित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर वन्दे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम की शुरू की। लोगो उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर मुख्यरूप से उपस्थित पूर्वजिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने कहा कि आज समाजिक या राजनैतिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति को पंडित दीनदयाल की जीवन से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। राजनीति विशुद्ध सेवा और त्याग का क्षेत्र है।राष्ट्रहित और जनहित में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले दीनदयाल जी हमारे प्रेरणास्त्रोत है जो हमें बताते है कि राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ नही है। उनके द्वारा 'एकात्म मानवतावाद' के चिंतन को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी साकार रूप दे रहे है।समाज के सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक विकास की रोशनी पहुँचाकर समरस समाज बनाने का उनका प्रयास प्रशंसनीय है। अपने संबोधन में कहा कि 1960-70 के दशक में, उन्होंने अपनी विचारधारा के माध्यम से गरीबों के सशक्तिकरण और आर्थिक सुधार पर जोर दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने यह मान्यता दी कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होता, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। इस विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते उनके जन्मदिन को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर महासदस्यता अभियान चला सिरिस व प्रितमपुर में सैकड़ो लोगों को सदस्यता ली।

इस अवसर पर भाजपा नेता युगल किशोर सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, धनंजय शर्मा, दीपक कुमार, अरुण मेहता, पप्पू शर्मा, शत्रुध्न राम, रोहित साव, अर्जुन राम, धर्मेंद्र कुमार, नंदू पासवान, उदित शर्मा, रमेश कुमार, मुन्ना प्रजापति, आलोक पांडेय, राजेश पांडेय, जितेंद्र पांडेय, रामनरेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

28 सितंबर को डीआरसीसी में जॉब कैंप का होगा आयोजन

औरंगाबाद(एसवीवी सं.)। रोजगार की तलाश में युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर आने वाला है। जिला नियोजनालय, औरंगाबाद के तत्वाधान में आगामी 28 सितंबर को एक महत्वपूर्ण जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन शहर के टाउन इंटर स्कूल के पास स्थित जिला निबंधन-सह-परामर्श केन्द्र (डीआरसीसी) में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इस जॉब कैम्प में Viead Staffing Pvt. Ltd., उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनी के द्वारा कुल 50 पदों पर बहाली के लिए भर्ती प्रक्रिया चलाई जाएगी। जिला नियोजन पदाधिकारी दिनेश तिवारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कैम्प के प्रचार-प्रसार के लिए एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है, जिसमें इस अवसर की विस्तार से जानकारी दी गई है। Viead Staffing Pvt. Ltd., यूपी की एक नामचीन कंपनी है, जो विभिन्न उद्योगों में मानव संसाधन की मांग को पूरा करती है।

जॉब के नाम पर 1.48 लाख रुपए की ठगी, साइबर पुलिस ने की कार्रवाई

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

औरंगाबाद साइबर थाना के पुलिस ने मंगलवार की शाम टेलीग्राम पर ऑनलाइन जॉब दिलाने के नाम रफीगंज शहर के बिट्टू कुमार से 1,48,400 ठगी की। साइबर थाना अध्यक्ष सह डीएसपी डॉक्टर अनु कुमारी ने कहा कि 21 अप्रैल 2024 को बिट्टू कुमार से जालसाजी हुई। बिट्टू कुमार ने साइबर थाना में फ्रॉड को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। साइबर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की और 1,48, 400र रुपए खाते में वापस कराए। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद पुलिस लगातार फाइनेंशियल फ्रॉड में पीड़ित लोगों को चेहरे पर मुस्कान लौट रही है। इसी के तहत इनके पैसे खाते में साइबर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वापस दिलाए। औरंगाबाद में इन दिनों लगातार लोग साइबर फ्रॉड के बिछाए जाल में फंस जा रहे हैं। आए दिन साइबर फ्रॉड भोले भाले लोगों को नौकरी, प्रधानमंत्री द्वारा संचालित योजना के नाम पर ठगी, किसान योजना के नाम पर ठगी, बैंक केवाईसी के नाम पर ठगी कर रहा है।

चोरी की बाईक के साथ युवक गिरफ्तार, गया जेल

निज संवाददाता | गोह(औरंगाबाद)

गोह पुलिस ने चोरी के बाईक के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया हैं। थानाध्यक्ष कमलेश पासवान ने बताया कि सूचना मिली कि चोरी के बाइक के साथ नागाइन गांव के एक युवक देवहरा बाजार मे घूम रहा हैं। इसकी सुचना गस्ती पुलिस टीम को दी गईं। पुलिस टीम ने बाइक के साथ नगाइन गांव के रंजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मामले में एसआई रविंद्र कुमार सिंह के बयान पर कांड संख्या 276/ 24 दर्ज किया गया है जिसमें रंजीत कुमार को आरोपी बनाते हुए जेल भेज दी गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि जब्त चोरी का बाइक किसका है यह पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मनी जयंती

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

भारतीय जनता पार्टी मंडल इकाई हसपुरा द्वारा 25 सितंबर को पंडित दिनदयाल उपाध्याय का जयन्ति समारोह प्रखण्ड के डुमरा गाँव में शक्ति केंद्र प्रमुख सतेन्द्र पाण्डेय के अध्यक्षता में मनाया गया। जयन्ति समारोह के अवसर पर पं दीनदयाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भाजपा का सदस्यता अभियान भी चलाया गया। आम ग्रामीणों को डुमरा गांव के बुथ पर डायल नं-8800002024 पर मिस्ड कॉल करा कर सदस्यता अभियान चलाया गया। जयंती समारोह में भाजपा नेता सुभाषचंद्र पाण्डेय, मंडल उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, धन्नजय पाण्डेय, कमलेश कुमार सिंह, राम नरेश पाण्डेय, अमरेश पाण्डेय, नवल किशोर पाठक सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

चोरी के बाइक के साथ 40 हजार बरामद, दो अपराधी गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

नगर थाना की पुलिस ने महिला के साथ हुई छिनतई कांड का खुलासा किया है। कटिहार के कोढ़ा थाना क्षेत्र के नया टोला जुरबाजगंज निवासी स्वर्गीय हुरिया यादव के बेटे रोहित कुमार(30) को गिरफ्तार किया है। इसी गांव के स्वर्गीय हीरा यादव का बेटा पुसु कुमार(19) को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 40 हजार नगद, एक चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल, 2 मास्टर चाबी, फर्जी आधार कार्ड, फर्जी पासबुक बरामद किया है।

नगर थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार ने बताया कि दिनांक 18 सितंबर 2024 को नगर थाना क्षेत्र के ठाकुरबारी रोड निवासी पंकज सोनी की पत्नी नीतू देवी द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसमें उन्होंने उल्लेख किया कि पंजाब नेशनल बैंक औरंगाबाद से पैसे निकाल कर आ रही थी। तभी मछली मार्केट के पास एक बाइक सवार 2 अज्ञात लोगों ने झपट्टा मारकर मेरे पर्स से 40 हजार लेकर भाग गए।

इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या 662/24 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कांड में संकलित 2 अपराधियों को नगर थाना अंतर्गत एचपी पेट्रोल पंप ओल्ड जीटी रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा अपना अपराध स्वीकार कर लिया गया है। इन्हें न्यायिक हिरासत में बुधवार को भेज दिया गया है।

संतानों के दीर्घायु होने की कामना के साथ माताओं ने किया जीवितपुत्रिका व्रत

निज सं. | गोह(औरंगाबाद)

निर्जला उपवास के साथ माताओं ने बुधवार को भगवान जीमूतवाहन की पूजा की और उनकी कथा सुन संतान के सलामती के साथ घर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। इस व्रत में शामिल माताएं अपने बच्चों की लंबी आयु और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करती हुई अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूजन कर रही गीता देवी, नीलम देवी सहित कई माताओ ने बताया की अपने बच्चों की सुरक्षा और सुख के लिए विशेष पूजा-अर्चना भी की गईं। यह वर्त हम माताओं की ममता और अपने बच्चों के प्रति उनके प्रेम का प्रतीक है। वर्तियों ने कहा की हम अपने बच्चों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए यह वर्त रखते हैं। हमें उम्मीद है कि इस व्रत के प्रभाव से हमारे बच्चे स्वस्थ और समृद्ध रहेंगे।

दो युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं के निधन पर पृथ्वीराज ट्रस्ट ने जताया शोक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के दो युवा सामाजिककार्यकर्ताओं-रिशुसिंह और अंजनी सिंह के असामयिक निधन पर पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट ने गहरा शोक जताया है। ट्रस्ट द्वारा पृथ्वीराज सभागार के प्रांगण में शोकसभा आयोजित की गई जिसमें ट्रस्ट के सदस्यों ने दोनों के निधन पर शोक व्यक्त किया। शोकसभा की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने की। शोकसभा में अश्रुपुरित नेत्रों से दोनों ही युवाओं को श्रद्धांजलि देते हुए सदस्यों ने कहा कि उन दोनों के आकस्मिक निधन से सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

आपदा प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षण हेतु

पशु चारा वितरण कार्यक्रम

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

आपदा से प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षा हेतु समय–समय पर पशु चारा वितरण कराने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से जिला पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा सम्पन्न किया जाता है।

चारा मात्रा/अनुमान्यता :

- निर्धारित सहाय्य मानदर के अनुरूप बड़े जानवरों के लिए 80 रूपये तथा छोटे जानवर के लिए 45 रूपये प्रतिदिन अनुमान्य है।
- आपदाग्रस्त पशुओं के जीवन रक्षण के लिये सामान्यतः बड़े जानवरों के लिये 06 कि.ग्रा., छोटे जानवरों के लिए 03 कि.ग्रा. तथा भेड़–बकरियों के लिये 01 कि.ग्रा. चारा की आवश्यकता होती है।
- पशु शिविरों/अस्थायी शिविरों में एक बार में तीन दिन/एक सप्ताह हेतु चारा वितरण कराया जाता है तथा बाढ़ की स्थिति के अनुसार शिविर संचालन तक पुनः वितरण कराया जाता है।

वितरण प्रक्रिया :

- जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से शिविरों/अस्थाई शिविरों में पशुओं की संख्या के अनुसार चारा वितरण किया जायेगा।
- चारा वितरण के पूर्व सभी प्रभावित पशुओं की प्रकार/संख्या के आधार पर गणना कर पशुपालकवार टोकन वितरण किया जाता है तथा उक्त टोकन के आधार पर क्रमानुसार चारा का प्रबंध कर वितरित किया जाता है।
- कोविड–19 की परिस्थितियों के आलोक में आवश्यक सावधानी बरतते हुये चारा वितरण सोशल डिस्टेसिंग के साथ किया जाएगा।

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या 0612-2230942) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या 0612-2226049) से प्राप्त की जा सकती है।

PR No.- 008832 (Animal)D. 2024-25

संक्षिप्त समाचार

नशे की हालत में महिला तीर्थयात्रियों के साथ युवक ने की छेड़खानी, गिरफ्तार

मानपुर। एक तरफ जहां सामान्य प्रशासन और पुलिस गया जी की छवि निखारने में जुटी है। वहीं एक घटना से प्रशासन के किए कराए पर पानी फेर दिया। हालांकि स्थानीय पुलिस ने लोगों की मदद से घटना को अंजाम देने वाले को तत्काल धर दबोचा। हिरासत में लिए गए युवक की शिनाख्त टेकारी थाना अंतर्गत सिमराया निवासी सतेन्द्र यादव के रूप में हुई। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत भदेजी महादलित टोला स्थित अर्जुन गेस्ट हाउस की है। बताया जाता है कि उक्त गेस्ट हाउस में पितृपक्ष शुरू होते ही मध्य प्रदेश के विदिशा के यात्रियों का समूह ठहरा है। सोमवार देर रात लगभग 9.30 बजे यात्रियों के साथ आई महिलाएं खाना बना रही थी। तभी नशे की हालत में आरोपी पहुंच गया और खाना बना रही महिलाओं के साथ छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ सुनील कुमार पाण्डेय दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। नाम नहीं छापने के शर्त पर स्थानीय लोगों ने कहा कि महिलाओं के द्वारा शोर मचाए जाने पर ग्रुप में शामिल अन्य तीर्थयात्रियों ने आरोपी युवक को धर दबोचा। जिसके बाद मौके पर पहुंचे गेस्ट हाउस मालिक दबंगई दिखाते हुए यात्रियों के चंगुल से युवक को मुक्त करा दिया। बस फिर क्या था। यात्रियों ने घटना की सूचना मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय को दे दी। सनद रहे कि 20 सितंबर 2022 में भी तत्कालीन प्रशिक्षु डीएसपी कुंदन कुमार द्वारा मध्यप्रदेश से आए बुजुर्ग तीर्थयात्री के साथ धक्का मुक्की की घटना को अंजाम दिया था। ऐसे में सवाल स्वभाविक है कि शहरी क्षेत्र स्थित होटल, लॉज,आवासन स्थल को छोड़ कर गांव में बने गेस्ट हाउस में यात्रियों को ठहराने की अनुमति क्यों और कैसे दी गई|क्या उक्त गेस्ट हाउस के सुरक्षा का जायजा लिया गया था। इस संबंध में थानाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद ने कहा कि नशे में धुत आरोपी को पकड़ा गया है। पीड़ित द्वारा मामले की लिखित तहरीर नहीं दिया गया। नतीजतन शराब पी कर हंगामा करने के जुर्म में न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पंचानपुर थाना के दफादार के निधन पर जताया शोक

टिकारी। पंचानपुर थाना में पदस्थापित दफादार कन्हाई मिश्र के अकस्मात निधन पर दफादार व चौकीदार ने गहरा शोक प्रकट किया। स्व मिश्र के पुत्र पप्पू मिश्रा ने बताया कि विगत 18 सितंबर को बीमार चल रहे उनके पिता का निधन हो गया है। चौकीदार सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मृदुल स्वभाव के स्व मिश्र का जाना व्यक्तिगत क्षति है। लोगो ने स्व मिश्र के स्वजनों को ढांढस बंधाया। शोक जताने वाले में रंजन सिंह, उद्देश पासवान, सकलदेव यादव, बृजमोहन पासवान, बिंदु पासवान, उपेंद्र पासवान सहित अन्य लोग शामिल थे।

एनओसी मिलने के बाद वेंडिंग जोन निर्माण की प्रक्रिया शुरू

बिहारशरीफ। सीओ स्तर से 5 वेंडिंग जोन के लिए एनओसी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही सोहसराय अड्डा बेलीसराय स्थिति मार्केट को तोड़कर नया मार्केट बनाने की भी कवायद तेज की दी गई है। मेयर अनीता देवी ने स्मार्ट सिटी के अधिकारियों व निगम के अमीन के साथ सोमवार की देर शाम स्थल निरीक्षण किया। जिस जगह पर वेंडिंग जोन का कैसा प्रारूप तैयार किया जा सकता है, इसपर विचार विमर्श किया। मेयर ने कहा कि काफी समय से फुटपाथी दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन निर्माण पर पहल की जा रही है। शहर के कुल 17 जगहों पर वेंडिंग जोन के लिए स्थल का चयन किया गया था। लेकिन मात्र पांच जगहों पर एनओसी प्राप्त हुआ है। इस जगहों पर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने के लिए स्मार्ट सिटी के तकनीकि अधिकारी द्वारा डिजाइन तैयार किया जा रहा है। प्रयास किया जा रहा है कि जितना जल्द हो सके वेंडिंग जोन का निर्माण कर फुटपाथी दुकानदारों को दुकान आवंटित कर दिया जाए। मेयर ने कहा कि सोहसराय अड्डापर स्थिति बेलीसराय में मार्केट का निर्माण काफी पहले किया गया था। लेकिन वर्तमान में मार्केट की स्थिति जर्जर हो गई है। इस कारण निगम को राजस्व नहीं आ रहा है। बोर्ड की सहमति के बाद नए मार्केट का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए डिजाइन तैयार करने का निर्देश पीएमसी एजेंसी को दिया गया है। तकनीकी जानकारी के लिए स्मार्ट सिटी के इंजीनियर भी सुझाव देंगे। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी के तकनीकी पदाधिकारी गुलरेज आलम, अभिषेक कुमार, अमीन कुणाल कुमार, वार्ड पार्षद पप्पू यादव, मेयर प्रतिनिधि अमीत कुमार आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश आज आएंगे गया

गया। आगामी 25 सितंबर को बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह एवं भारतीय कांग्रेस कमिटी के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश गया जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय, राजेंद्र आश्रम में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. गगन कुमार मिश्रा ने बताया कि बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ पदयात्रा जो 19 सितंबर को पटना से शुरू हुआ है। वह मंगलवार को गया पहुंचेगा। इस मौके पर राजेंद्र आश्रम स्थित जिला कार्यालय में पदयात्रियों, उपभोक्ताओं, आमजनों की सभा आयोजित की गई है। इस सभा में जिले के सभी 24 प्रखंडों के पार्टी के नेता-कार्यकर्ता शामिल होंगे। डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर महाघोटाला ऊर्जा विभाग के तत्कालीन प्रधान सचिव संजीव हंस एवं उनके सहयोगियों की अगुआई में हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता जान चुकी है कि बिहार में स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों से कैसे सैकड़ों करोड़ की रिश्वतखोरी हुई है। आज पूरे राज्य के प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ता का दोहन, लूट, गलत बिल से त्राहिमाम कर रहे हैं। डॉ. मिश्रा ने गया जिला के सभी प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि अपनी मांग को बुलंद करने के लिए आयोजित सभा में शामिल हो।

जैतीपुर मोड़ के पास तोड़ा गया अवैध निर्माण

चंडी। सरमेरा बिहटा पथ एसएच 78 पर जैतीपुर मोड़ के पास अवैध रूप से बनाए गए अर्धनिर्मित मकान का एक कमरा सीओ मो. नोमान और नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी की देखरेख में तोड़ा गया। मिनी जेसीबी और खंती से लगभग नौ फीट दीवार तोड़ दी गई। रविन्द्र कुमार, जमीन के मालिक ने बताया कि उनकी 9 डिसमिल जमीन में से 8 डिसमिल एसएच 78 में चली गई थी। उन्होंने बची हुई 6 धुर जमीन पर तीन कमरा और सीढ़ी बना रखे थे। सीओ मो. नोमान ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। इस दौरान पर्याप्त पुलिस बल मौजूद था। यह कार्रवाई अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

सिलाव के 10 एकड़ में होगी बेबी कॉर्न की खेती

बिहारशरीफ। जिले में बेबी कॉर्न की खेती सफल होने के बाद रबी में भी इसकी तैयारी की जा रही है। विभाग बड़े स्तर पर इसकी खेती कराने की तैयारी में है। क्लस्टर के रूप में किसानों से बेबी कार्न की खेती कराने के लिए रकबा चिन्हित किया जा रहा है। ताकि फसल की निगरानी सही से हो सके और किसानों को बाजार की उपलब्धता में भी कोई समस्या न आए। क्लस्टर के लिए सिलाव प्रखंड को चिन्हित किया गया है। यहां भूमि संरक्षण विभाग द्वारा जलछाजन योजना संचालित किया जा रहा है। इससे क्लस्टर में शामिल किसानों को विभागीय योजना मिलने में आसानी होगी। इसके लिए प्रखंड के संबंधित कृषि अधिकारी व कर्मियों को किसान और रकबा चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। डीएओ राजीव कुमार ने बताया कि प्रखंडों के एक राजस्व गांव में 10 एकड़ में बेबी कॉर्न की खेती कराने की योजना तैयार की जा रही है। अगर गांव के बड़े रकबा में खेती की जाती है तो कृषि विशेषज्ञों द्वारा समय-समय पर फसल का निरीक्षण भी किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर प्रबंधन की जानकारी भी देने में कृषि विशेषज्ञों को सुविधा होगी। साथ ही उत्पादन को बाजार उपलब्ध कराने में भी आसानी होगी। अगर एक जगह पर बड़े पैमाने पर बेबी कार्न की खेती होगी तो व्यापारी भी खेत पर पहुंचकर फसल कर लेंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी किसान के 5-7 किलो बेबी कार्न है और कहीं नहीं बिक रहा है तो वे कार्यालय में जमा कर दें, यहीं उनको उसकी कीमत मिल जाएगी।

अवैध रूप से जुआ खेलते वार्ड पार्षद सहित 6 गिरफ्तार

शराब की बोतल के साथ नगद बरामद, गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार शरीफ में स्थित सोहसराय थाना क्षेत्र के आशा नगर स्थित पानी टंकी के ऑपरेटर रूम से पुलिस ने अवैध रूप से जुआ खेलते और शराब का सेवन करते हुए एक वार्ड पार्षद सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से दो बोतल अंग्रेजी शराब, 15,240 रुपए नकद, ताश के पत्ते और आठ मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तारी में बिहार शरीफ नगर निगम के वार्ड संख्या 6 के पार्षद विवेक कुमार विक्की समेत छह लोग रंगे हाथों पकड़ा गया। जिसमें संजीव कुमार, विक्रांत कुमार, सूरज शर्मा, ऋषि कुमार और मोहम्मद तारिकुल का नाम शामिल है।

अवैध गतिविधि की सूचना पर छापेमारी: पूरे मामले की जानकारी देते हुए सोहसराय थाना अध्यक्ष राजमणि ने बताया कि उन्हें कई दिनों से इस अवैध गतिविधि की सूचना मिल रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। जिसमें इन लोगों की गिरफ्तारी

की गई है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नियमित रूप से इस स्थान पर एकत्र होकर जुआ खेलते और शराब का सेवन करते थे। यह खुलासा राज्य में शराबबंदी कानून के बावजूद अवैध शराब की उपलब्धता और उपभोग पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। छापेमारी के दौरान पुलिस दल में थाना अध्यक्ष राजमणि के अलावा दरोगा संजय राम, अलीम अंसारी, अंशु माला, टुनटुन चौधरी, राम इकबाल यादव, जमादार नंदकुमार सिंह, विशेश्वर कुमार और राजकुमार सिंह शामिल थे।

गया में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने किया पिंडदान

निज संवाददाता। गया

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्य सभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने मोक्ष की नगरी गया जी धाम में अपने पूर्वजों का बुधवार को पिंडदान किया। वह पहली बार गया आएं थे। उन्होंने फल्गु, विष्णुपद और अक्षयवट पिंड बेदी पर पिंडदान किया। सबसे पहले सुधांशु त्रिवेदी ने विष्णुपद मंदिर परिसर के हनुमान मंदिर में पूजा शुरू की। इससे पूर्व उन्होंने फल्गु में अर्पण-तर्पण किया, फिर पूजा शुरू की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजनीतिक समले पर जवाब नहीं दूंगा। उन्होंने अक्षयवट बेदी के लिए विष्णुपद मंदिर से पूजा पाठ किया, फिर पिंड अर्पित के लिए भेज दिया। विष्णुपद मंदिर के गर्भ गृह में भगवान विष्णु के चरण पर मत्था टेका और उनसे मंगल कामना की। उनका पिंडदान दामोदर पांडे ने कराया। वहीं, विष्णुपद मन्दिर में विष्णु प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शम्भू लाल बिट्ठल ने पूजा पाठ कराया और भगवान विष्णु का चरण चिह्न भेंट किया।

मूल रूप से यूपी के सीतापुर के रहने वाले हैं: गौरतलब है कि सुधांशु त्रिवेदी मूल रूप से यूपी के सीतापुर के रहने वाले हैं। उन्होंने मीडिया से बात करने के लिए पहले मना किया। कहा कि धर्म के काम से आए हैं। कुछ नहीं बोलेंगे, लेकिन बाद में कहा कि राजनीतिक मसले पर पूछे गए सवाल का आज मैं कोई जवाब नहीं दूंगा। गया जी उस गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जहां प्रकृति के समस्त जीव-जंतु जिनसे आपके जीवन में संबंध रहा है, उनका भी पिंडदान किया जाता है। यह सनातन धर्म के गौरव का प्रतीक है। जब पूछा गया कि अचानक से जो जनेऊधारी हो जाते हैं उनके लिए आप क्या कहेंगे। इस सवाल पर उन्होंने हाथ जोड़ कर कहा कि आज इन सवालों का कोई जवाब नहीं दूंगा। आज पूजा पाठ करने आया हूं। यहीं तक सीमित रहने दीजिए।

सफाई मित्र सीयूएसबी के कैंपस की हैं ताकत

टिकारी । समाज के निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति के श्रम का सम्मान एवं उनके स्वास्थ्य की चिंता शैक्षणिक संस्थानों को भी करनी चाहिए। समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े सफाई मित्र कैंपस परिसर की ताकत हैं। इसलिए उनकी चिंता करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उक्त बातें सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सफाई मित्रों को स्वास्थ्य किट सामग्री वितरण करते हुए कही। जानकारी हो कि इस अवसर पर भारत सरकार के निदेशानुसार स्वच्छता कैम्पेन-4.0 के तहत सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। कुलपति ने कहा कि केंद्र सरकार के सभी कार्यक्रम समाज के निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति और समुदाय को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' का नारा भी दिया जिसे सफाई मित्रों एवं उपस्थित लोगों ने दोहराया। पीआरओ मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. सिंह के साथ कुलसचिव डॉ. नरेन्द्र कुमार राणा, स्वच्छता कैम्पेन-4.0 के नोडल ऑफिसर डॉ. बुधेंद्र कुमार सिंह, प्रो. रविकांत, डॉ. विवेक दवे, सहित अन्य उपस्थित थे।

धनेश्वर घाट में पितृ मोक्ष भागवत कथा का समापन

नालंदा । बिहारशरीफ के धनेश्वर घाट मंदिर परिसर में आठ दिवसीय पितृ मोक्ष भागवत कथा का बुधवार को समापन हुआ। 18 सितंबर से प्रारंभ हुई इस कथा का उद्घाटन नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने किया था। माधव जी महाराज के मुखारविंद से निकला अमृतः प्रमुख कथावाचक श्रीधाम वृंदावन के माधव जी महाराज ने संस्कृत और सरल हिंदी भाषा में भागवत कथा का वाचन किया। उन्होंने बताया कि पितृ पक्ष में पितरों की शांति के लिए भले ही पिंडदान, तर्पण आदि किए जाते हों। लेकिन भागवत कथा का श्रवण सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि इस कथा के श्रवण से न केवल पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है, बल्कि परिवार का कल्याण भी होता है। पितृ पक्ष में भागवत कथा का महत्वः प्रमुख आयोजक डॉ.रंजन आशुतोष शरण ने बताया कि पितृपक्ष में हमारे पितर इस धरती पर पधारते हैं। इस पवित्र पर्व में भागवत कथा का आयोजन करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि यह कथा पिछले 3 सालों से धनेश्वर घाट में आयोजित की जा रही है। हर बार हजारों श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं।

कृष्ण विवाह का भव्य आयोजनः 24 सितंबर को श्री कृष्ण विवाह का भव्य आयोजन किया गया था। रुकमणी-श्री कृष्ण विवाह की झांकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के अंतिम दिन 25 सितंबर को फूलों की होली के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर बिहारशरीफ के विधायक डॉक्टर सुनील कुमार की उपस्थिति ने समारोह में चार चांद लगा दिए। कथा का समापन और भंडाराः कथा का समापन आज फूलों की होली के साथ हुआ।

पूर्व रेलवे

हावड़ा मंडल से यात्रा आरम्भ करने वाली 04 यात्री वाही ट्रेनों में 06 अदद एसएलआर के पार्सल की जगह पट्टे पर प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा आईआरईपीएस वेबसाइट के ई-नीलामी प्रारूप के जरिए दो वर्षों के लिए हावड़ा मंडल से यात्रा आरम्भ करने वाली 04 यात्री वाही ट्रेनों में 06 अदद एसएलआर के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विस्तृत नियम एवं शर्तों के साथ अहस्तांतरणीय नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इस ई-नीलामी के लिए बोली **www.ireps.gov.in** पर ई-निविदा प्रारूप के जरिए जमा की जानी चाहिए। ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी प्रारूप के जरिए मर्चेंटों का एक बार पंजीकरण अनिवार्य है। मर्चेंटों को क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर भी हासिल करना आवश्यक है। **नीलामी सूचीपत्र का विवरण: ● नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीसीएल-एचडब्ल्यूएच-एल-24-Xए; **ट्रेन संख्या:** 02 यात्री वाही ट्रेनों में 04 अदद एसएलआर। **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 07.10.2024 को अपराह्न 01.00 बजे। **● नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीसीएल-एचडब्ल्यूएच-एल-24-Xबी; **ट्रेन संख्या:** 02 यात्री वाही ट्रेनों में 02 अदद एसएलआर। **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 08.10.2024 को अपराह्न 01.00 बजे।

(HWH-305/2024-25) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: सिग_डब्ल्यू_5_पॉलिसी; दिनांक 23.09.2024। वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर झलझलिया, जिला मालदा, पिन-732102 (प.बं.) द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **ई-निविदा सं.: एमएलडीटी_एसएनटी_24-25_14_ओटी, कार्य का नाम:** (क) धौनी-बाराहाट स्टेशनों के बीच पुनसिया हॉल्ट स्टेशन में आईबीएस का प्रावधान, (ख) टिकानी-धौनी स्टेशनों के बीच सांझा हॉल्ट स्टेशन में आईबीएस का प्रावधान, (ग) मन्दारहिल-हँसडीहा स्टेशनों के बीच डाँड़े हॉल्ट स्टेशन में आईबीएस का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 6,86,86,652.46। **बयाना राशि:** रु. 4,93,400। **ई-निविदा जमा करने की तारीख एवं समय:** 03.10.2024 से 17.10.2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक। **वेबसाइट विवरण एवं सूचना पट्ट:** वेबसाइट **www.ireps.gov.in,** सूचना पट्टः सीनियर डीएसटीई कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग, मालदा। (MLD-99/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समान प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/एचक्यू/हावड़ा। ई-निविदा सं. 181_2024-25, दिनांक 24.09.2024. कार्य का विवरण:** एईएन/एचक्यू/एचडब्ल्यूएच के अधीन हावड़ा में (3 अदद) 50000 गैलन क्षमता की आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक का प्रतिस्थापन। **अनुमानित लागत:** रु. 4,68,58,583.91; **बयाना राशि:** रु. 3,84,300। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 8 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.10.2024 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-309/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, हावड़ा, तीसरी मंजिल, न्यू कॉमप्लेक्स बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा **05 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत 'ए' श्रेणी स्टेशनों में 2 अदद बहुउद्देशीय स्टॉलों (एमपीएस), 'बी' श्रेणी स्टेशनों में 2 अदद बहुउद्देशीय स्टॉलों (एमपीएस), 'सी' श्रेणी स्टेशनों में 60 अदद बहुउद्देशीय स्टॉलों (एमपीएस) तथा 'डी' श्रेणी स्टेशनों में 1 अदद बहुउद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) के आवंटन** के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। और अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी पट्टा प्रारूप के जरिए **www.ireps.gov.in** देखें। **नीलामी सूचीपत्र सं.: एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-ओसीटी-24; सिक्वेंस सं., लॉट नं./श्रेणी, आरक्षण, बंद होने की तारीख/समय** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **एए/1;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीपीईई-एमपीएस-8-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, सुबह 10.30 बजे, **एए/2;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जेओएक्स-एमपीएस-14-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, सुबह 10.40 बजे, **एए/3;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-सीडीएई-एमपीएस-26-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, सुबह 10.50 बजे, **एए/4;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एलओके-एमपीएस-37-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.00 बजे, **एए/5;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीएसएई-एमपीएस-44-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.10 बजे, **एए/6;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-आरएसएलआर-एमपीएस-45-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.20 बजे, **एए/7;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीसीजीएम-एमपीएस-57-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.30 बजे, **एए/8;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीकेआर-एमपीएस-83-24-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.40 बजे, **एए/9;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीकेआर-एमपीएस-84-24-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, पूर्वाह्न 11.50 बजे, **एए/10;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीजीएफ-एमपीएस-20-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, दोपहर 12.00 बजे, **एए/11;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीआरपीए-एमपीएस-23-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, दोपहर 12.10 बजे, **एए/12;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जीआरपी-एमपीएस-28-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, दोपहर 12.20 बजे, **एए/13;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एलकेएक्स-एमपीएस-62-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, दोपहर 12.30 बजे, **एए/14;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएमएई-एमपीएस-67-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, दोपहर 12.40 बजे, **एए/15;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएसएई-एमपीएस-7-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, दोपहर 12.50 बजे, **एए/16;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएचएलए-एमपीएस-9-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.00 बजे, **एए/17;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जीबीआरए-एमपीएस-12-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.10 बजे, **एए/18;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एमयूजी-एमपीएस-17-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.20 बजे, **एए/19;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-डीबीपी-एमपीएस-58-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.30 बजे, **एए/20;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-एमपीएस-82-24-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.40 बजे, **एए/21;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएएचडब्ल्यू-एमपीएस-3-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 1.50 बजे, **एए/22;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एचआईएच-एमपीएस-13-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 2.00 बजे, **एए/23;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएमएई-एमपीएस-25-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 2.10 बजे, **एए/24;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एचवाईजी-एमपीएस-31-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 2.20 बजे, **एए/25;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-केएमएई-एमपीएस-36-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 2.30 बजे, **एए/26;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एमवाईपी-एमपीएस-39-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 2.40 बजे, **एए/27;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीआरएई-एमपीएस-42-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 2.50 बजे, **एए/28;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-डीइए-एमपीएस-59-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 3.00 बजे, **एए/29;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएचबीसी-एमपीएस-68-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 3.10 बजे, **एए/30;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीएलएई-एमपीएस-18-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 3.20 बजे, **एए/31;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जेआरएई-एमपीएस-34-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 3.30 बजे, **एए/32;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-केएचएन-एमपीएस-69-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 3.40 बजे, **एए/33;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-केजेयू-एमपीएस-61-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 3.50 बजे, **एए/34;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एनकेएल-एमपीएस-64-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 4.00 बजे, **एए/35;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीक्यूवाई-एमपीएस-10-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 4.10 बजे, **एए/36;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीओआई-एमपीएस-21-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 4.20 बजे, **एए/37;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जेआईटी-एमपीएस-35-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 4.30 बजे, **एए/38;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एमबीआई-एमपीएस-40-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 4.40 बजे, **एए/39;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसकेजी-एमपीएस-55-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 4.50 बजे, **एए/40;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-एमपीएस-77-24-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 5.00 बजे, **एए/41;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएलएई-एमपीएस-5-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 5.10 बजे, **एए/42;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-केकेएई-एमपीएस-15-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, अपराह्न 5.20 बजे, **एए/43;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-डीएमएलई-एमपीएस-27-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 5.30 बजे, **एए/44;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएलजी-एमपीएस-46-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 5.40 बजे, **एए/45;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-टीबीएई-एमपीएस-48-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 07.10.2024, अपराह्न 5.50 बजे, **एए/46;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीएफजेड-एमपीएस-50-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 07.10.2024, सांय 6.00 बजे, **एए/47;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जेपीक्यू-एमपीएस-52-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, सुबह 10.30 बजे, **एए/48;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसओएई-एमपीएस-56-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, सुबह 10.40 बजे, **एए/49;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एमडीएसई-एमपीएस-63-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, सुबह 10.50 बजे, **एए/50;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीबीजेड-एमपीएस-66-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.00 बजे, **एए/51;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एडीएसटी-एमपीएस-2-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.10 बजे, **एए/52;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीजीएई-एमपीएस-4-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.20 बजे, **एए/53;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीजीएनए-एमपीएस-6-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.30 बजे, **एए/54;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जीएफएई-एमपीएस-11-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.40 बजे, **एए/55;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एजीएई-एमपीएस-19-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, पूर्वाह्न 11.50 बजे, **एए/56;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीजेडएल-एमपीएस-24-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.00 बजे, **एए/57;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जीपीएई-एमपीएस-29-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.10 बजे, **एए/58;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-डीटीएई-एमपीएस-32-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.20 बजे, **एए/59;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एनबीएई-एमपीएस-41-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.30 बजे, **एए/60;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-पीटीएई-एमपीएस-43-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.40 बजे, **एए/61;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-टीएलओ-एमपीएस-49-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, दोपहर 12.50 बजे, **एए/62;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-डीएचाई-एमपीएस-51-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, अपराह्न 1.00 बजे, **एए/63;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-बीजीआरए-एमपीएस-53-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, अपराह्न 1.10 बजे, **एए/64;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-जीआरएई-एमपीएस-60-23-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), आरक्षित, 08.10.2024, अपराह्न 1.20 बजे, **एए/65;** एमपीएस-एचडब्ल्यूएच-एसएनटी-एमपीएस-79-24-1 (एमपीएस-बहुउद्देशीय स्टॉल), अनारक्षित-सभी के लिए खुला, 08.10.2024, अपराह्न 1.30 बजे। **दर इकाई:** सभी के लिए वार्षिक लाइसेंस शुल्क। **ट्रिप/दिन:** सभी के लिए 1826। **न्यूनतम वृद्धि (%):** सभी के लिए 0.2। **ईएमडी:** सभी के लिए 5%। **अपेक्षित टर्नओवर:** सभी के लिए शून्य।

(HWH-307/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

जमुहार (रोहतास)। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से विकसित भारत 2047' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह विश्वविद्यालय का दूसरा आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी है, जिसमें पूरे देश के 17 राज्यों से शोधकर्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में चार सत्र होंगे, जिनमें 60 से अधिक शोध पत्र पढ़े जाएंगे। समारोह का आरंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह के आशीर्वाद से हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम. के. सिंह, प्रति कुलपति प्रो. जगदीश सिंह, देवमंगल मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव गोविंद नारायण सिंह, और संस्था के प्रबंधक निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह सहित सभी अधिकारियों ने इस संगोष्ठी के आयोजन की सराहना की। कुलाधिपति ने कहा कि बिहार को इस तरह की संगोष्ठियों की बहुत आवश्यकता है, जहां शिक्षा पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार रखे जा सकें। समारोह के मुख्य अतिथि एवं बिहार लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अरुण भगत ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की उन्नति की आधारशिला होती है। नई शिक्षा नीति से समावेशी विकास होगा और यह नीति विकसित भारत के लिए एक मूल्य बोध है, जो संस्कार की परिपाटी को जोड़ने में सहायक होगी। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के पत्रकारिता विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र मिश्रा ने कहा कि उच्च शिक्षा में इस नीति से नई संभावनाएं और अवसर मिलेंगे, जिससे भारत 2047 का विकसित भारत का सपना पूरा होगा। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार आलोक प्रताप सिंह, वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आशुतोष द्विवेदी, जनसंपर्क पदाधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह, सेमिनार चेयर डॉ. संजय कुमार सिंह, एवं संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अमित कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। परीक्षा नियंत्रक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके केंद्र में विद्यार्थी हैं, जो कल भारत का भविष्य गढ़ेंगे। इस अवसर पर जनसंपर्क पदाधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह ने भी शिक्षा नीति के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम की महत्ता पर विचार व्यक्त करते हुए कला संकाय के संकायाध्यक्ष (इंचार्ज) डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद एक मानक राष्ट्रीय संस्था है, और इसके सहयोग से आयोजित यह सेमिनार शिक्षा क्षेत्र में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय की पहचान को और मजबूत करेगा। पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष और सेमिनार के संयोजक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया कि सेमिनार शिक्षा की महत्वपूर्ण सीढ़ी है, जिसमें ज्ञान का संचरण होता है। विश्वविद्यालय की प्रेरणा और मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का साक्षात्कार किया। विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, विधि एवं कला संकाय के शिक्षक, कर्मचारी, और विद्यार्थी उपस्थित थे। मंच संचालन दीपशिखा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन पत्रकारिता विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संकर्षण परिपूर्णन ने किया।

लापता नाबालिग का मिला शव, गोली मारकर हत्या

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में दो दिन से लापता नाबालिग युवक की लाश गंगा किनारे सब्जी के खेत में लाश मिली है। आंख-मुंह पर गहरे जख्म और पीठ पर गोली के निशान हैं। मृतक कमलेश्वरी मंडल का बेटा मुकेश कुमार (14) है। परिजनों ने पड़ोस के चार युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया जा रहा कि 12 दिन पहले मछली मारने को लेकर नाबालिग का विवाद हुआ था। इसी को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है। सोमवार की सुबह नाबालिग को किसी ने फोन कर घर से बुलाया था। फिर वो घर नहीं लौटा। मृतक के चाचा के अनुसार नाबालिग को शराब भी पिलाई गई। पुलिस ने शक के आधार पर 5 लोगों को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना सबौर थाना क्षेत्र का है।

संदिग्ध युवक के निशानदेही पर मिली लाशः मुकेश के भाई ने बताया कि जिस युवक ने फोन कर बुलाया था उससे पूछताछ की तो गाली-गलौज कर भगा दिया। मंगलवार को इसकी मौखिक शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पूछताछ के लिए गांव के ही एक संदिग्ध युवक को उठाया। उसके निशानदेही पर घाट के किनारे शव मिला। घटना की सूचना के बाद FSL और डॉग स्क्वायड की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची। देर शाम तक सिटी एसपी भी घटना

♦ 12 दिन पहले मछली मारने को लेकर हुआ था विवाद, 2 दिन से था लापता

स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पुलिस जुट गई। सबौर थाना अध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से मछली मारने को लेकर विवाद हुआ था। उसी में उसकी हत्या की गई है। आगे मामले की जांच की जा रही है।

थाने से 500 मीटर दूर थी मिनी गन फैक्ट्री

निज संवाददाता। भागलपुर

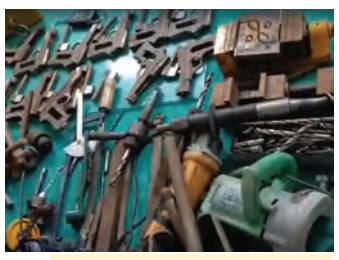

♦ बंगाल और बिहार की STF ने किया खुलासा, अर्धनिर्मित-निर्मित हथियार बरामद, 5 आरोपी अरेस्ट

भागलपुर में मंगलवार को मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। पुलिस ने गन फैक्ट्री को संचालित करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना कहलगांव के चांदपुर गांव की है। गन फैक्ट्री थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर संचालित किया जा रहा था। बंगाल और बिहार STF की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है।

15 अर्ध निर्मित पिस्टल बरामदः SSP आनंद कुमार ने बताया कि अमडंडा थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव में बंगाल और बिहार STF की टीम ने संयुक्त कार्रवाई में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके पर से 15 अर्धनिर्मित पिस्टल, 10 निर्मित बैरल, एक लेथ मशीन, एक ड्रिल मशीन कुल 22 उपकरणों को बरामद किया है।

पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कियाः पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 3 आरोपी मुंगेर, एक-एक आरोपी खगड़िया और कहलगांव के है। गिरफ्तार आरोपी में मुंगेर के करंजीवी यादव, राजेश मंडल और अनूप कुमार है। वहीं, खगड़िया के सोनू कुमार और कहलगांव के शिवनंदन मंडल शामिल है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, नक्सलियों को हथियार सप्लाई करने की योजना थी। लेकिन, भागलपुर के SSP आनंद कुमार ने इस बात से इनकार किया है।

एमबीए व गांधी विचार कैंपस को अतिक्रमणमुक्त कराएं : वीसी

निज संवाददाता। भागलपुर

टीएमबीयू के एमबीए विभाग परिसर में कुलपति ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने निर्देश दिया कि एमबीए विभाग व पीजी गांधी विचार से अतिक्रमण हटाया जाएगा। 80 प्रतिशत अतिक्रमण हटा दिया गया है, 20 प्रतिशत बचा है जिसे हटाया जा रहा है। कुलपति एनएसएस कार्यक्रम के बाद गांधी विचार व एमबीए विभाग का औचक निरीक्षण किये। वहां नवनिर्मित एमबीए भवन के आसपास अर्धनिर्मित भवन में घोड़े सहित अन्य जानवर बंधे थे। भवन के पिछले हिस्से में एक रथ प्लास्टिक से ढंककर रखा था। उन्होंने परिसर की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर सख्ती का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कैंपस साफ-सुथरा के साथ अतिक्रमणमुक्त होना चाहिए। कुलपति ने कहा कि कई लोगों ने फिर से एमबीए परिसर जाने

वाले रास्ते में कब्जा शुरू कर दिया है। इस पर भी प्रॉक्टर सहित सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर को कुलपति ने निर्देशित किया।

अब किसी तरह की अतिक्रमण की स्थिति होती है तो सख्त कार्रवाई करें। इसके बाद परिसर से घोड़े को भगाया गया। रथ हटवाने के लिए थानेदार सुप्रिया को जानकारी दी गई। थानेदार ने रथ हटाने के लिए संबंधित व्यक्ति को जानकारी देने की बात कही है। एमबीए विभाग के शिक्षक व छात्रों ने बताया कि परिसर में पांच जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया गया था। उसे घोड़ों ने रौंद दिया है।

मायके में रह रही महिला के घर में देर रात घुसकर किया हमला

निज संवाददाता। भागलपुर

60 वर्षीय वृद्ध ने गुस्से में पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। छह माह पहले दोनों के बीच तलाक हुआ था। मृतका आंगनबाड़ी सेविका के सीना, पेट व कमर के ऊपर तीन बार चाकू से वार किया गया। परिजन जख्मी महिला को अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में मौत हो गई। मृतका की पहचान कजरैली इलाके के तमौनी निवासी मो. रियाजुद्दीन की पत्नी बीबी समशुन निशा (55) के रूप में हुई है। घटना सोमवार की देर रात एक बजे की है। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी पति फरार है। घटना के बाद मृतका के मायके वालों की तरफ से कजरैली पुलिस को जानकारी दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। मंगलवार की सुबह शव का पंचनामा कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया।, मृतका के भाई मो. अशफाक ने बताया कि मेरा व जीजा का घर आमने-सामने है। सोमवार की देर रात बहन बरामदे में भांजी अरफा के साथ सो रही थी। गर्मी ज्यादा होने की वजह से गेट खुला था। अंधेरे का फायदा उठा कर रियाज मेरे घर में घुस आया। उसने सबसे पहले बहन के सीने पर पहला वार किया। तभी बगल में सो रही भांजी जग गई और शोर मचाने लगी। मैं जगा तो देखा रियाज चाकू लेकर खड़ा

था। मैंने उसको कहा कि यह क्या किया तुमने। तभी उसने बहन के पेट व कमर के ऊपर दो बार काफी गहरा चाकू मारा। उसके बाद वह चाकू लेकर तेजी से भाग गया। बहन के शरीर से काफी खून निकल रहा था। वह बेड पर तड़प रही थी। रात के समय में कोई वाहन भी नहीं था कि उसे तुरंत अस्पताल ले जाता। कुछ देर बाद एक वाहन का जुगाड़ कर उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। मृतका बीबी समशुन निशा के भाई ने बताया कि रियाजुद्दीन कोई काम नहीं करता था। दिनभर घर में ही बैठा रहता था। उसके पास बहुत कम पुश्तैनी जमीन है। बहन आंगनबाड़ी में काम कर किसी तरह परिवार चलाती थी। मुझे पांच भांजी है, जिसमें से दो की शादी हो चुकी है लेकिन तीन कुंवारी है। इन तीनों का जिम्मा बहन के ऊपर ही था। बहन व जीजा के बीच इन्हीं कारणों से विवाद होते रहता था। छह माह पहले दोनों में तलाक हुआ था। तलाक के बाद बहन पति का घर छोड़ मेरे घर में ही रहने लगी थी। उसका पति अनाज तक लेने पर बहन से विवाद करता था।

नारायणपुर में सीएसपी संचालक से 70 हजार लूटे

नारायणपुर। हथियार दिखाकर अपराधियों ने प्रखंड के बलहा में सीएसपी संचालक दिगंबर कुमार सिंह से 70 हजार रुपए लूट ली। घटना सोमवार की देर शाम की है। सीएसपी संचालक दिगंबर कुमार सिंह मोटरसाइकिल की सर्विसिंग करवाने के लिए शोरूम गया था। उसने सीएसपी केंद्र पर अपने भाई हिमांशु कुमार को बैठा दिया था। दिगंबर के जाने के 20 मिनट बाद हथियार से लैस होकर एक अपराधी आया और सेंटर का दरवाजा बंद कर काउंटर से सत्तर हजार रुपए लूट लिया। जाते-जाते धमकी दी कि यदि केस दर्ज कराओगे तो जान से मार देंगे। मामले को लेकर पीड़ित भवानीपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्यों नेबांटी राहत सामग्री

मुंगेर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी शाखा मुंगेर द्वारा बाढ़ पीड़ित के लिए लगातार सेवा कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रेडक्रॉस द्वारा किला परिसर स्थित अशोक क्लब के सामने बाढ़ पीड़ित के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। खाद्य सामग्री में पूरी, सब्जी, बिस्किट एवं अन्य जरूरत के सामान दिये गये। पीड़ित परिवार ने बातचीत के दौरान बताया कि उन लोगों को सूखा सामान खाकर किसी तरह समय व्यतीत करना पड़ रहा था। लेकिन रेडक्रॉस द्वारा लगातार इनकी पीड़ा को देखते हुए खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। पीड़ित परिवार में सीताचारण, जफरनगर, बहादुरपुर, करबला के ग्रामीण शामिल थे। मौके पर सचिव देव प्रकाश, कोषाध्यक्ष हेमंत सिंह, शुभांकर झा, डॉ. पंकज, अंकित जलान, सुनील गुप्ता, प्रेम वर्मा, उमेश राजगढ़िया आदि मौजूद थे।

दो पक्षों के बीच हुई थी गोलीबारी

संग्रामपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत पृथ्वीचक गांव में रविवार को पूर्व के विवाद को लेकर हुई गोलीबारी की घटना में शामिल दोनों पक्ष के एक-एक व्यक्ति को संग्रामपुर पुलिस ने सोमवार की रात गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में मुंगेर भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त पृथ्वीचक गांव निवासी संजीव कुमार पिता अशोक यादव और चंद्रगुप्त हर्षवर्धन उर्फ छोटू पिता पोरस यादव हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की संध्या पूर्व के विवाद को लेकर पृथ्वीचक गांव में दो पक्षों के बीच गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामला को लेकर दोनों पक्षों के द्वारा संग्रामपुर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। दिए गए आवेदन के आधार पर पुलिस ने घटना की जांच के पश्चात दोनों पक्षों के एक-एक लोगों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में मुंगेर भेज दिया। संग्रामपुर थाना एएसआई संजय कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पोरस यादव और अशोक यादव के बीच पूर्व से विवाद था। रविवार को पूर्व के मामले को लेकर दोनों में बहस हुई बहस होते-होते दोनों ओर से गोलीबारी होने लगी जिसमें दो लोग घायल हो गए, दोनों पक्ष से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आलोक पर कार्यवाही करते हुए दोनों पक्ष के एक-एक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जमालपुर-भागलपुर रेल खंड पर ट्रेनों का परिचालन शुरू

मुंगेर। मुंगेर के मालदा डिवीजन में आने वाले भागलपुर-जमालपुर रेल खंड की अप और डाउन दोनों लाइन पर सुल्तानगंज (एसजीजी) और रतनपुर (आरपीयूआर) के बीच ट्रैक को फिट कर दिया गया है। इसके बाद इस रेल खंड पर मंगलवार की शाम जमालपुर से भागलपुर के बीच पैसेंजर ट्रेन को 30 किलोमीटर की रफ्तार से चला कर ट्रेनों के परिचालन को शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार अप लाइन में किमी 335/25 और 350/41 के बीच 30 किमी प्रति घंटा और डाउन लाइन में किमी 350/42 और 335/26 के बीच 30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेन को चलाया जा रहा है। अप दिशा में पहली यात्री ट्रेन गाड़ी संख्या 05415 साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर, साहिबगंज से 15:35 बजे खुली। इसके बाद मिर्जा चोकी से 16:10 बजे, सुल्तानगंज से 18:26 बजे खुली। डाउन दिशा में पहली यात्री ट्रेन गाड़ी संख्या 05408 जमालपुर-साहिबगंज पैसेंजर 16:48 बजे रवाना हुई। इस रेल खंड पर ट्रेनों का परिचालन शुरू होने के बाद रेल यात्रियों को राहत मिलेगी। बता दे कि मालगाड़ी के लिए ट्रैक को 13:45 बजे फिट कर दिया गया थ।

डीएलएड छात्र की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीताकुंड डीह हसनपुर निवासी नेपाली साह का 20 वर्षीय बेटे अंकित कुमार अपने दोस्तों के साथ नौवागढ़ी जाने के क्रम में चीकदह पुल पर आई बाढ़ के पानी में मंगलवार को डूब गया जिससे उसकी मौत हे गई। अंकित को डूबता देख स्थानीय लोगो द्वारा निकाल कर आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि बताया अंकित होनहार छात्र था और भागलपुर मे डाइट सेंटर में शिक्षक का प्रशिक्षण का पढ़ाई करता था, दो दिन पहले वह जीतीया पर्व में गांव हसनपुर आया था। मंगलवार को दो दोस्त घर पर आकर अंकित को नौवागढ़ी जाने को कहा जिसके बाद वह अपने अन्य दोस्तों के साथ चिकदह बहियार होते हुए नौवागढ़ी पैदल जा रहा था। इसी क्रम में सड़क पर अत्यधीक पानी रहने के कारण अंदाजा नहीं लग सका और बाढ़ के पानी में स्नान कराने के लिए ले गया। गहरे पानी में अंकित की डूबने से मौत हो गई। इधर, घटना के बाद मृतक की मां मीनू देवी देवी, भाई साहिल कुमार और अस्मीत कुमार को रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि मृतक के पिता नेपाली साह पंजाब लुधियाना में मजदूरी का काम करता है बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद पिता अपने घर के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। सदर अस्पताल में विधायक प्रणव कुमार हसनपुर और लोहची में डूबे दोनों छात्र के परिजनों से मिलकर सांत्वना देते हुए लोगों से अपने बच्चे पर बाढ़ के पानी में नहीं जाने देने की अपील की।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Very Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No- 9/ RCD/Daltonganj/2024-25/ 918 Dated:- 23.09.2024

1.	Name of Work	**Construction of RCC Drain & Hard Shoulder of Both side In Hilly Area of Chainpur - Ramkanda Road Under Chainage 10.500 to 11.00 km for the year 2024-25.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 59,91,416.00 (Rupees Fifty Nine Lacs Ninety One Thousand Four Hundred Sixteen) Only.**
3.	Bid Security (Amount)	**Rs. 1,20,000.00 (Rupees One Lac Twenty Thousand) Only.**
4.	Time of Completion	**03 Months**
5.	Date of Publication of Tender on Website	**30.09.2024, 10:30 AM**
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	**07.10.2024, 12:00 Noon**
7.	Date and Time of Bid opening	**09.10.2024, 12:30 PM**
8.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	**Cost of bidding document (for a non refundable fee) & Bid security as indicated shall be payable online through http://jharkhandtenders.gov.in**
9.	Name & address of officer Inviting tender	**Executive Engineer, R.CD., Road Division, Daltonganj. 06562&225019**
10.	E-mail Id	**eercdmedini-jhr@nic.in**
11.	Helpline number of e Procurement cell	**0651-2401010**

Note : Estimated amount may vary.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj

PR 336902 Road (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/16/2024-25(2ND CALL)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Gr_3	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड बालूमाथ पंचायत चेताग ग्राम सेमरसोत में चरकी डोकी बांध के पास पुल निर्माण।	9948644	199000	10000	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 25.09.2024 से दिनांक 05.10.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –07.10.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

PR 336947 Rural Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं०–02,गढ़वा

ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDD/SD/GARHWA/05/2024-25/RE(2nd Call)
PR 330575 Rural Development (24-25)D

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लम्बाई (मी0 में)
1	गढ़वा जिला के रमकण्डा प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत–रक्सी, ग्राम–रक्सी में देवी मण्डप से ढुलवा सीमा के पास हड़बडिया नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण	2,70,63,240.00	5,42,000.00	10000.00	18 माह	58.08

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 26.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक–26.09.2024 से दिनांक–02.10.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सं0–02,गढ़वा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय–04.10.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं0–02,गढ़वा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० –8002373581 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02,गढ़वा

PR 336989 Rural Development(24-25).D

7 जिलों में बारिश का अलर्ट:

अगले 2 दिनों तक कई शहरों में हो सकती है बारिश

पटना, एजेंसी। बिहार में अगले 2 दिनों तक बारिश की संभावना हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 7 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान 8 से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। वहीं, अधिकतम तापमान 36 से 38 और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार की शाम नवादा में बारिश के दौरान रजौली थाना क्षेत्र के एकअंबा गांव में आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक शख्स झुलस गया, जिनका इलाज चल रहा है।

बिहार में 70 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार: 303 औद्योगिक इकाइयां जल्द शुरू होंगी

पटना, एजेंसी। बिहार में 303 औद्योगिक इकाइयां (इंडस्ट्रीयल यूनिट) शुरू होने जा रही हैं। जिससे लगभग 70 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। निवेशक बिहार में 3,871 करोड़ रुपए का निवेश कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश इकाई खाद्य एवं प्रसंस्करण की हैं। बिहार राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद ने इन इकाइयों की स्थापना के लिए वित्तीय क्लियरेंस दे दिया है। इनके साथ ही 383 अन्य औद्योगिक इकाइयों को भी प्रथम क्लियरेंस मिला है। ये 5,721 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होंगी।

हालांकि, इनके वित्तीय क्लियरेंस में 6 महीने का समय लग सकता है। बिहार में निर्मित सामग्री देश के कई राज्यों में जाएंगी। साथ ही नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार को भी निर्यात किया जाएगा। इसके लिए 12 औद्योगिक सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। राज्य के कई जिलों में मार्केट्स भी बनाए जा रहे हैं। इससे न केवल निर्यात चेन मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय उत्पादों की पहचान भी बढ़ेगी।

रोजगार के लिए हर जिले में औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा : मंत्री

उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार में रोजगार के लिए हर जिले में औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा। पेप्सी, कोका कोला, जेके लक्ष्मी सीमेंट सहित कई कंपनियां बिहार में निवेश कर रही हैं। देश के सभी बड़े ब्रांड के निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

मोतिहारी, वैशाली, फारबिसगंज व मुंगेर सहित लगभग एक दर्जन जिलों में 110 छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाई चालू हो गई हैं। 19 हजार लोगों को रोजगार मिला है। बेगूसराय में पेप्सी बॉटलिंग प्लांट और नवानगर औद्योगिक क्षेत्र में वरुण बेवरेजेज लिमिटेड का भी काम शुरू हो गया है। फारबिसगंज में मुर्गी के दाने व पशु आहार बनाने वाली कंपनियां स्थापित हो चुकी हैं। जेके लक्ष्मी सीमेंट, चंद्रिका पॉवर लिमिटेड, पिनेक्स स्टील समेत कई अन्य कंपनियां भी चालू हो चुकी हैं।

कपड़ा उद्योग में होगा निवेश

देश की ब्रांडेड कंपनियां बिहार में निवेश के लिए तैयार हैं। मुंबई में 13 सितंबर को निवेशक मीट हुई। इसमें 22 निवेशकों ने बिहार के कपड़ा उद्योग में निवेश करने का फैसला लिया।

संक्षिप्त समाचार

मानवतावाद ही दिनकर की रचनाओं का केंद्र: प्रो. ब्रजेश

गया, एजेंसी।

रामधारी सिंह दिनकर न्याय और मानवतावाद के कवि हैं। युग की प्रतिध्वनि उनकी रचनाओं में झलकती है, इसीलिए उन्हें युग-चारण कहा गया। उक्त बातें मंगलवार को मगध यूनिर्वसिटी के हिन्दी विभाग में दिनकर जयंती-सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रजेश कुमार राय ने कहीं। %राष्ट्रजागरण के उद्गाता : रामधारी सिंह दिनकर विषय पर आयोजित यह संगोष्ठी में वक्ताओं ने दिनकर के जीवनी पर अपने-अपने विचार रखे। डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दिनकर की रचनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सामासिक संस्कृति को दिनकर बखूबी समझते थे। वे धर्म, वीरता, काम और अध्यात्म का संतुलित समन्वय अपनी रचनाओं में की है। डॉ. राकेश कुमार रंजन ने कहा दिनकर की रेणुका, हुंकार, परशुराम की प्रतीक्षा, कुरुक्षेत्र और रश्मिरथी जैसी अनेक रचनाएं विश्व के क्लासिक ग्रंथों में शुमार है।

डॉ. परम प्रकाश राय ने कहा कि जब हिन्दी का पक्ष लेने की बात आई तो दिनकर ने अपने पसंदीदा नेता पंडित नेहरू को भी नहीं बख्शा। डॉ. अनुज कुमार तरुण ने कहा दिनकर ने वर्ग, वर्ण और धर्म की अनेक कृत्रिम सीमाओं से ऊपर होकर रचना की। डॉ. अम्बे कुमारी सहीत अन्य वक्ताओं ने दिनकर के जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रवीन्द्र, अलोक, प्रेमजीत आदि विद्यार्थियों ने दिनकर की कविताओं का पाठ किया। डॉ कुणाल किशोर, सुरभि, मृणालिनी, पूनम, महिमा, बंटी, श्रीकांत समेत कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेना में भर्ती के लिए सड़क पर दौड़ रहे युवकों को पुलिस की गाड़ी ने कुचला

जहानाबाद, एजेंसी। बिहार में रोहतास जिले के बाद अब जहानाबाद में सेना में भर्ती के लिए सड़क पर दौड़ लगा रहे नौजवानों को कुचलने का मामला सामने आया है। इस बार पुलिस की गाड़ी ने तीन युवकों को जबरदस्त टक्कर मारी है। यह तीनों भी सेना में भर्ती के लिए सड़क पर दौड़ लगा रहे थे। इस हादसे में दो युवकों की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, हुलासगंज थाने की पुलिस गाड़ी ने बुधवार की अहले सुबह पांच बजे गया-पटना मेन रोड पर तीन युवकों को ठोकर मारी दी जिससे तीनों घायल हो गये।

तीनों घायलों को हुलासगंज सीएचसी में तुरंत पुलिस कर्मियों द्वारा भर्ती कराया गया है। घायलों में दो युवक विपीन कुमार पिता मनोज दास तथा जगजीवन कुमार पिता शत्रुघ्न दास के गंभीर हालत को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है तथा एक अन्य युवक का इलाज स्थानीय सीएचसी में किया गया है जिसकी हालात सामान्य बताई गई है।

घटना के संबंध में बताया गया कि तीनों सेना में भर्ती को लेकर सड़क पर रोज की भांति दौड़ लगा रहे थे। पीछे से आ रहे पुलिस गाड़ी असंतुलित होकर ठोकर मारी दी।ठोकर लगने से घायल तीनों युवकों को पुलिस कर्मियों द्वारा उसी वाहन से हुलासगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है। तीनों युवक हुलासगंज के ही रहने वाले बताये गये हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग पंहुचा गये तथा चीख पुकार मच गई है। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई गई है।

आपको बता दें कि इससे पहले मंगलवार को रोहतास जिले के संझौली के सोनी गांव में ऐसा ही हादसा हुआ था। यहां तीन नौजवान जब सुबह के वक्त सेना में भर्ती के लिए सड़क पर दौड़ लगा रहे थे तब एक वाहन ने उन्हें कुचल दिया था। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई थी और एक युवक जख्मी हो गया था। इस घटना से नाराज लोगों ने आरा-सासाराम रोड को जाम भी कर दिया था।

मिठनपुरा में शिक्षिका से बाइकर गैंग ने चेन झपटी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मिठनपुरा थाना क्षेत्र में पी एडं टी चौक के समीप बाइकर गैंग के अपराधियों ने शिक्षिका सरिता सोनी से चेन झपट ली। वह मिठनपुरा के वार्ड 36 स्थित अपने घर से निकलकर पैदल ही बाजार जा रही थी। इस बीच बाइक सवार हेलमेट पहने दो युवक पीछे से आए और चेन झपटकर फरार हो गये। शिक्षिका ने मिठनपुरा थाने में लिखित आवेदन देकर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ एफआईआर कराई है। बताया कि वह मूलरूप से अहियापुर थाना क्षेत्र के मिठनसराय की रहने वाली है।

बक्सर में ड्रैगन फ्रूट की खेती, लाखों का मुनाफा: 25 दिनों में 5 क्विंटल फल

बक्सर, एजेंसी। बक्सर जिले के तिवारीपुर के एक किसान ने विदेशों में होने वाली ड्रैगन फ्रूट को बिहार के धरती पर उगाया है। इसकी खेती से वो महीना में लाखों की कमाई कर रहे हैं। किसान ने खेती की शुरूआत तीन साल पहले किया था जो पिछले दो सालों से फल दे रहा है।

ड्रैगन फ्रूट की खेती करने वाले बक्सर जिले के तिवारीपुर के पहले किसान दरोगा तिवारी हैं। उन्होंने बताया कि बहुत ही कम जमीन पर इसकी खेती कर फल को आसानी से लोकल मार्केट में भी बेचकर गाढ़ी कमाई किया जा सकता है। फिलहाल इस फल से साल में ढाई से तीन लाख रुपए का मुनाफा कमा रहे हैं।

25 दिनों में चार से पांच क्विंटल निकलता है फल: फल को बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ये एक सीजन में 3 से 4 बार फल देता है। साल 2021-22 में हमने 16 कट्ठा जमीन में ड्रैगन फ्रूट्स खेती की। शुरुआत के डेढ़ साल के बाद जब पौधा हुआ तो फल देने लगा। फिलहाल 210 पोल पर प्लांट लगाए गए हैं। प्रत्येक फल का वजन लगभग 300 से 800 ग्राम तक होता है। एक पौधे पर 50 से 120 फल लगते हैं। हर 25 दिन पर चार से पांच क्विंटल फ्रुट निकलता है। इस फल को बाहर नहीं बल्कि अपने जिला के मंडियों एवं बाजारों में ही खपाना है। सबसे अच्छी बात ये है कि एक बार प्लॉटिंग के बाद इसमें फिर ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता है। हर साल बस मेंटेनेंस की जरूरत होती है। एक प्लांट की लाइफ 25 साल तक होती है।

कम जमीन में ज्यादा मुनाफा: दरोगा तिवारी ने बताया की पहले बाप दादाओं के पास ज्यादा जमीन थी। उत्पादन कम भी हुआ तो काम चल जाता था। आज जमीन का बंटवारा होते-होते सबके पास काफी कम जमीन बच गया है। सारे किसानों के पास यह समस्या है एक हमारे यहां नहीं है। सभी किसानों के पास अब धीरे-धीरे खेती लायक जमीन को लेकर समस्या होते जा रही है। इस परिवेश में कम खेती में अधिक अधिक मुनाफा कैसे हो उसपर काम चल रहा है। जिसके लिए ड्रैगन फ्रूट्स की खेती अभी बेहतर माना जा रहा है। 16 कट्ठा जमीन में लगाए इस फल से 3 लाख रूपए साल में कमा सकते हैं। वहीं, धान-गेंहू, बाजरा लगाकर 16 से 20 हजार रुपए साल में कमा सकते हैं।

एक प्लांट की लाइफ 25 साल: किसान ने कहा कि इसकी औसत उपज 5 से 6 टन प्रति एकड़ होती है। सबसे अच्छी बात ये है कि एक बार प्लांटिंग के बाद इसमें फिर ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता है। हर साल बस मेंटेनेंस की जरूरत होती है। एक प्लांट की लाइफ 25 साल तक होती है। फल के पौधों को दूसरे पौधों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार रोपण, फूल आने और फल विकास के समय या गर्म व शुष्क मौसम में बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसके लिए सिंचाई की बूंद-बूंद पद्धति का उपयोग करना चाहिए।

जंगली जानवरों से नुकसान का नहीं डर: ड्रैगन फ्रूट के प्लांट लतर वाले होते हैं। इसलिए सहारे के लिए खेत में सीमेंट के खंभे या बांस बल्ला की जरूरत होती है। एक खंभे के साथ 3-4 प्लांट लगाए जा सकते हैं। जैसे-जैसे प्लांट बढ़ता है उसे रस्सी से बांधे जाते हैं। एक-सवा साल बाद प्लांट तैयार हो जाता है। ड्रैगन फ्रूट पहले साल में फल देना शुरू कर देता है।

मई और जून में फूल लगते हैं। जुलाई से दिसंबर तक फल लगते हैं।उसके एक महीने बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। इस अवधि के दौरान इसकी 3 से 4 बार तुड़ाई की जा सकती है। ड्रैगन फ्रूट के कच्चे फल हरे रंग के होते हैं, जो पकने पर लाल रंग में परिवर्तित हो जाते हैं। फलों की तुड़ाई का सही समय रंग परिवर्तित होने के तीन-चार दिनों बाद का होता है।सबसे बड़ी बात है की इसको जंगली जानवर नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।

डायल-112 की पुलिस गाड़ी पर हमला, शीशा टूटा, हिरासत में 2 लोग

नवादा में ई-रिक्शा चालक-पैसेंजर के बीच हुआ था विवाद

नवादा, एजेंसी। नवादा में दो लोगों क विवाद को सुलझाने गई डायल-112 के आपातकालीन सेवा गाड़ी पर हमला किया गया है। गाड़ी का शीशा टूट गया है। पूरा मामला रो प्रखंड के विजयनगर पास का है। जहां ई-रिक्शा चालक व पैसेंजर में किराया को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान पुलिस को घटना की सूचना मिली थी।

सूचना पर पुलिस मौका पर पहुंची थी, तभी गांव के कुछ बदमाश लोगों ने पुलिस की गाड़ी पर पत्थरबाजी कर दी।पुलिस की गाड़ी का शीशा टूट गया है। जहां आपातकालीन सेवा 112 की टीम के पीटीसी अविनाश भारती के लिखित आवेदन की शिकायत पर प्राथमिक दर्ज कर ली गई है। ई-रिक्शा चालक पशु राजवंशी और यात्री अरविंद कुमार को हिरासत में लिया गया है।

आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

पुलिस आगे मामला की जांच कर रही है। बदमाशों पर कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस की गाड़ी पर बदमाशों ने हमला किया है। उन पर कार्रवाई करने की बात भी कही गई है। इस पूरे मामले पर थाना प्रभारी बसंत कुमार से फिलहाल बयान नहीं दिया है। थाना प्रभारी ने हमला करने वाले बदमाशों के खिलाफ छापेमारी की है।

फसल, सड़क सब लील गई गंगा, 12 साल में 5वीं बार उफनाई

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में गंगा की बाढ़ से होने वाली तबाही लोगों की नियति बनते जा रही है। पिछले 12 साल में पांचवीं बार गंगा ने विकराल रूप लिया है। बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। आवागमन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिले की बड़ी आबादी गंगा किनारे बसी हुई है। इसके चलते गंगा में बाढ़ आने से जिले की बड़ी आबादी प्रभावित होती है। 2024 के पहले 2013, 2016 और 2021 में गंगा में आई बाढ़ ने तबाही मचाई थी।

हर साल गंगा की बाढ़ से जिले में जानमाल और फसलों को नुकसान हो रहा है। इसमें नाथनगर, सबौर, इस्माईलपुर, नारायणपुर, रंगरा चौक, गोपालपुर, कहलगांव, पीरपैंती, सुल्तानगंज और शाहकुण्ड प्रखंड के क्षेत्र शामिल हैं। बाढ़ के दौरान जिले में धान, मक्का, केला के अलावा सब्जियों की फसलों को नुकसान हो रहा है। फसल के अलावा सबसे अधिक नुकसान सड़कों को हुआ है। 2024 में भी जिले में फसलों के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पर्यावरणविद् अरविंद मिश्रा ने बताया कि गंगा में दूसरे क्षेत्रों से अधिक पानी आने के चलते बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है।

गंगा में गाद अधिक होने के चलते पानी का फैलाव और नुकसान भी अधिक क्षेत्रों में हो रहा है। गंगा में अगर फरक्का तक गाद निकाल दिया जाए तो बाढ़ की स्थिति इतनी विकराल नहीं होगी। सहायक नदियों के अतिक्रमण के चलते भी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है। अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा फसल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रभावित अंचलों के सीओ प्रतिदिन बाढ़ से प्रभावित लोगों की रिपोर्ट भेज रहे हैं। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि गंगा में पहले से पानी था। सोन नदी से अधिक पानी डिस्चार्ज होने के चलते बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। गंगा का पानी तेजी से नहीं निकलने के कारण फैल रहा है।

मां की डांट से नाराज होकर बेटी ने की आत्महत्या

- किशोरी का बनाया खाना नहीं आया पसंद, फटकार के बाद आम के पेड़ से लटक कर दी जान

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में मां की डांट से नाराज होकर बेटी ने आत्महत्या कर ली। मृतका फूलचंद ऋषि की बेटी सीमा कुमारी (14) है। सीमा को उसकी मां मीरा देवी ने खाना बनाने के लिए कहा था। खाने के टेस्ट में गड़बड़ी होने पर मां ने किशोरी फटकार लगा दी। डांट को किशोरी ने दिल पर ले लिया। नाराज होकर किशोरी ने आम के पेड़ से लटककर अपनी जान दे दी। घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के बघवा गांव की है। हालांकि पुलिस सुसाइड की वजह तलाशने में जुटी है। स्वस्की टीम ने मौके से कई अहम साक्ष्य इकट्ठे किए हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है।

मृतका के मामा घनश्याम ने कहा कि आए दिन उसकी मां उसे खाने में नमक, तेल ज्यादा-कम होने के लिए सुनाती थी। आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। खाने में कोई टेस्ट नहीं रहने की वजह से मां ने उसे डांटा और फिर वो घर के बाहर चली गई। मां के घर से बाहर जाने के बाद किशोरी ने खुदकुशी कर ली।

जब मां घर आई तो बेटी को आम के पेड़ से लटका देखकर चिल्लाने लगी। आसपास के लोग दौड़ कर आए और किशोरी को उतारा गया। मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मीरगंज थाने को दी।

कई अहम साक्ष्य जुटाए

सूचना पाकर मीरगंज थानाअध्यक्ष राजेश कुमार रंजन घटनास्थल पर पहुंचे। कई अहम साक्ष्य जुटाए। किशोरी की मां को इस बात का अफसोस है कि अगर उसे ये पता रहता है उसकी बेटी इतना बड़ा कदम उठाएगी, तो वो उसे कभी नहीं डांटती।

मोबाइल नंबर अपडेट नहीं किया तो नहीं बनेगा पॉल्यूशन सर्टिफिकेट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अबतक जिसने वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं कराया है, वे शीघ्र मोबाइल नंबर अपडेट करा लें। मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रहने पर वाहन का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट नहीं बनवा सकेंगे। इस संबंध में बिहार के परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया है। जिला परिवहन पदाधिकारी कुमार सत्येंद्र यादव ने बताया कि परिवहन सचिव के निर्देश के आलोक में विशेष अभियान चलाकर मोबाइल नंबर अपडेट कराया जा रहा है।

इसके लिए ऑनलाइन एवं जिला परिवहन कार्यालय में भी अपडेट कराने की सुविधा प्रदान की गई है। मोबाइल नंबर अपडेट करने या संशय की स्थिति में परिवहन विभाग के हेल्पडेस्क नंबर 06122547212 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घर बैठे भी अपडेट कर सकते हैं मोबाइल नंबर

वाहन रजिस्ट्रेशन या ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के समय का लिंक्ड मोबाइल नंबर अगर उपयोग में नहीं है या नया नंबर अपडेट करना चाहते हैं तो घर बैठे ही आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं।

गोपालगंज में हेल्पलाइन नंबर पर किया था कॉल

एटीएम मशीन में फंसा कार्ड, 37 हजार रुपए की ठगी, कार्ड लेकर भी भागे बदमाश

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में बैंक से रुपए निकालने गए एक व्यक्ति से 37 हजार रुपए का फ्रॉड हो गया है। एटीएम मशीन में कार्ड फंसने पर पीड़ित ने मशीन के ऊपर लिखे हेल्पलाइन नंबर पर कॉल किया था। इसके बाद ठगी का शिकार हो गए। शातिर मशीन से कार्ड भी लेकर फरार हो गए। मामला नगर थाना क्षेत्र के जादोपुर रोड स्थित एचडीएफसी बैंक का है।

साइबर बदमाशों के शिकार व्यक्ति ने साइबर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई है। साइबर थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित व्यक्ति की पहचान नगर थाना क्षेत्र के मालवीय नगर वार्ड नंबर-4 निवासी रंजित सिंह के रूप में की गई।

बताया जाता है की पीड़ित व्यक्ति जादोपुर रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से पैसा निकालने गया था। लेकिन, कुछ लोगों को देखकर वह वापस लौटने लगा, तभी एटीएम केबिन से एक व्यक्ति निकला और उसे अपने झांसा में ले लिया। शातिर ने पैसा निकालने को कहा। जिसके बाद वह दुबारा पैसा निकालने के लिए एटीएम केबिन में घुसा। कार्ड एटीएम मशीन में लगाते ही फंस गया।

हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने के बाद ठगी

कार्ड फंसने से पीड़ित काफी परेशान हो गया। इस दौरान एटीएम मशीन के ऊपर ही एक हेल्पलाइन लिखा हुआ देखकर कॉल किया। पीड़ित रंजित सिंह ने बताया कि एटीएम के ऊपर एक हेल्पलाइन नंबर 85360 24029 लिखा हुआ था। कॉल करने पर जवाब मिला कि मैं एचडीएफसी बैंक का स्टाफ बोल रहा हूं। आपका एटीएम कार्ड निकाल कर ब्रांच में दे देंगे। आप निश्चिंत रहिए। कुछ ही देर में उनके मोबाइल पर तीन बार में 37,750 रुपए की निकासी का मैसेज आया। एटीएम कार्ड बाहर निकालने पर दुबारा जाने पर एटीएम कार्ड मशीन से गायब था। पीड़ित ने बताया कि मुझे विश्वास है की उन्हीं लोगों ने एटीएम मशीन में कुछ डाल दिया था। जिससे मेरा एटीएम फंस गया। उसने ही हेल्पलाइन नंबर लिख दिया था।

पटना में सड़क हादसे में बच्चे की मौत

पटना, एजेंसी। पटना में सड़क हादसे में तीन साल के बच्चे मो. इबरान की मौत हो गई। घटना पटना के बाढ़ थाना के समीप मसूदबीघा मोहल्ले की है। बताया जा रहा है कि इबरान अपने ननिहाल आया हुआ था।

वह सड़क किनारे खेल रहा था तभी अनियंत्रित ई-रिक्शा ने बच्चे को कुचल दिया, घटनास्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा को क्षतिग्रस्त कर दिया। आक्रोशित परिजनों ने सड़क को घंटों जाम कर मसूदबीघा मोहल्ले में सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा-बूझाकर जाम को हटाया। वहीं चालक को हिरासत में लेकर ई-रिक्शा को जब्त कर लिया गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

ग्रेजुएशन कर चुके युवा डिजिटल मार्केटिंग में बनाएं शानदार कॅरियर

युवाओं के लिए हमेशा से रोजगार एक बड़ा मुद्दा रहा है। एक सर्वे के मुताबिक देश में कॉलेज पास करने वाले हर दो युवाओं में सिर्फ एक युवा ही रोजगार के योग्य है। करीब 48.75 फीसदी युवा रोजगार के योग्य नहीं हैं। ऐसे में युवाओं के पास डिग्री होने के बाद भी अच्छी नौकरी नहीं मिल रही हैं। इसलिए आप डिग्री के अलावा अन्य स्किल्स पर भी काम कर सकते हैं।

एक सर्वे के मुताबिक मौजूदा कर्मचारियों में करीब 50 फीसदी ऐसे कर्मचारी हैं, जिनको डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। क्योंकि आज के समय में तेजी से बढ़ती टेक्नोलॉजी में हर कंपनी में डिजिटली काम होने लगा है। वहीं साल 2026 तक देश को करीब 3 करोड़ से अधिक डिजिटली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी। ऐसे में अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं, तो आप प्रोफेशनल सर्टिफिकेट इन डिजिटल मार्केटिंग और एडवांस सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की सहायता ले सकते हैं। बता दें कि यह दोनों ही प्रोग्राम भविष्य में रोजगार को ध्यान में रखते हुए एक्सपर्ट द्वारा तैयार किए गए हैं। इन कोर्स को घर बैठे कोई भी युवा, प्रोफेशनल, छात्र या गृहिणी कर सकते हैं। जिससे वह बड़े पैकेज की नौकरियां पा सकते हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज के लिए रजिस्टर कर डिजिटल सेक्टर में शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

कोर्स के फायदे

- 100 घंटे की लाइव व रिकॉर्डेड क्लासेज
- 25+ लाइव प्रोजेक्ट्स एवं केस स्टडीज
- 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग
- एक्सपर्ट द्वारा इंटरव्यू प्रिपरेशन
- ई-बुक्स, प्रोग्राम नोट्स और मॉक टेस्ट
- गूगल सर्टिफाइड मेंटर्स द्वारा पढ़ाई
- 10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
- 40+ लर्निंग टूल्स
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा मास्टर क्लास
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन

बनाएं अपना कॅरिअर

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं और करियर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में युवा कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज कर सकते हैं। आप घर बैठे खुद को किसी फील्ड का प्रोफेशनल बनाकर अपने करियर को एक दिशा दे सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शॉर्ट टर्म कोर्स कर पाएं लाखों कमाने के मौके

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्युलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।

राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

जबसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तबसे यह हर एक सेक्टर में काफी डिमांड में आ गया है। आज के समय AI तकनीक से कई सारे काम संभव हो रहे है। अगर आप AI में अपना करियार बनाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। AI से संबंधित जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री है, जिनकी उन्हें तलाश रहती है। आज के डिजिटल युग में नई-नई तकनीक से काफी विकास हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्पट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एंड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

फार्मासिस्ट बनकर कॅरियर को दें नई ऊंचाइयां

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।

अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।

झझन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों के लिए टिप्स

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए) एक महत्वपूर्ण प्रमाणन है जो पेशेवरों को विविध और अत्यधिक मांग वाले कौशल सेट से लैस करता है। यह योग्यता न केवल शैक्षणिक ज्ञान और नौकरी की आवश्यकताओं के बीच अंतर को पाटती है बल्कि वैश्विक स्तर पर करियर के अवसरों को भी बढ़ाती है।

सीपीए परीक्षा, अमेरिकन इंस्टीट्यूटऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स (एआईसीपीए) द्वारा विकसित और नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टेट बोर्ड्स ऑफ अकाउंटेंसी (एनएएसबीए) द्वारा प्रशासित एक व्यापक चार-भागीय परीक्षा, यूएस आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और यूएस आम तौर पर विशेषज्ञता रखती है। स्वीकृत लेखापरीक्षा मानक (जीएएएस)। कई छात्रों के लिए व्यस्त कामकाजी जीवन को संतुलित करना और यूएस सीपीए प्रमाणन प्राप्त करना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, सही रणनीतियों और मानसिकता के साथ, वित्तीय रिपोर्टिंग और ऑडिटिंग में उन्नत पेशेवर स्थिति हासिल करना पूरी तरह से संभव है।

अपनी योग्यता का निर्धारण करें

- किसी प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।
- परीक्षा में बैठने के लिए 120 क्रेडिट घंटे पूरे करें; लाइसेंस के लिए 150 क्रेडिट घंटे आवश्यक हैं।
- अतिरिक्त राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं की समीक्षा करें।

अपना मूल्यांकन करें

- सभी शैक्षणिक प्रतिलेख अपने चुने हुए राज्य लेखा बोर्ड को जमा करें।
- आवश्यक शुल्क का भुगतान करें।

अपना परीक्षा आवेदन और शुल्क जमा करें

- सीपीए परीक्षा के लिए आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेज जमा करें।
- आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

परीक्षण के लिए प्राधिकरण प्राप्त करें (एटीटी)

- राज्य बोर्ड से एटीटी प्राप्त करें और 90 दिनों के भीतर परीक्षा के लिए साइन अप करें।
- परीक्षा अनुभाग शुल्क का भुगतान करें।

शेड्यूल के लिए अपना नोटिस सत्यापित करें (एनटीएस)

एनटीएस प्राप्त करें और सत्यापित करें, जो आपको अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करने की अनुमति देता है।

अपनी परीक्षा शेड्यूल करें

- प्रोमेट्रिक परीक्षण केंद्र पर अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करें।
- अपनी पसंदीदा तिथि, स्थान और परीक्षा अनुभाग चुनें।

यूनिफॉर्म सीपीए परीक्षा उत्तीर्ण करें

- सीपीए परीक्षा के सभी चार अनुभागों को सफलतापूर्वक पूरा करें।

यूएस सीपीए लाइसेंस प्राप्त करें

- आवश्यक 150 क्रेडिट घंटे और प्रासंगिक कार्य अनुभव पूरा करें।
- अपने राज्य के लिए आवश्यक नैतिकता परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कुछ अध्ययन टिप्स

- एक विस्तृत अध्ययन योजना बनाएं
- अपने कार्य शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहार्य अध्ययन दिनचर्या विकसित करें।
- परीक्षा पाठ्यक्रम को प्रबंधनीय भागों में विभाजित करें और यथार्थवादी समय सीमा निर्धारित करें।

गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री चुनें

- विश्वसनीय समीक्षा पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री चुनें।
- तैयारी के लिए अच्छे विशेषज्ञ व्याख्यान, ऑनलाइन संसाधनों और अध्ययन समूहों पर विचार करें।

प्रभावी समय प्रबंधन

- अपने अध्ययन सत्र को प्राथमिकता दें और ध्यान भटकाने से बचें।
- अध्ययन के समय के लिए कार्य अवकाश, सप्ताहांत और सुबह-सुबह का उपयोग करें।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए अध्ययन सत्र के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें।

सीखें और दोहराएं

- पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझें और विशेष रूप से अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान करें।
- बुनियादी अवधारणाओं से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अधिक कठिन विषयों की ओर बढ़ें।
- अपनी शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन रिवीजन करें।

मॉक टेस्ट के साथ अभ्यास करें

- मुख्य परीक्षा के दौरान अच्छी तैयारी के लिए नियमित मॉक टेस्ट शेड्यूल करें।
- अपने प्रदर्शन का स्वयं मूल्यांकन करें और गलतियों की पहचान करें।

अध्ययन समूहों में शामिल हों

- आभासी अध्ययन समूहों के माध्यम से साथी छात्रों से जुड़ें
- दूसरों का दृष्टिकोण जानने के लिए चुनौतीपूर्ण विषयों और प्रश्नों पर चर्चा करें।

प्रेरित रहो

- अपने लक्ष्य को ध्यान में रखें और अपनी तैयारी के दौरान प्रेरित रहें।
- छोटी-छोटी जीतों का जश्न मनाएं और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

संपादकीय

आस्था को लेकर छिड़ी सियासत

मंदिरों में चढ़ावे आदि को लेकर विवाद और उनके प्रबंधन को चुस्त तथा पारदर्शी बनाने की मांग बहुत पहले से उठती रही है। राजनीतिक लाभ के लिए आस्था को भुनाने का चलन नया नहीं है। मगर तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी युक्त मिलावटी घी के उपयोग का मामला मंदिरों की पवित्रता से भी जुड़ा हुआ है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सार्वजनिक मंच से आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में बनने वाले लड्डू के लिए सस्ती दर पर मिलावटी घी खरीदा गया। प्रयोगशाला जांच से पता चला है कि उस घी में पशु चर्बी मिली हुई थी। इसे लेकर स्वाभाविक ही विवाद छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कहना है कि चंद्रबाबू नायडू अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस मामले को भड़का रहे हैं। हालांकि इस पर केंद्र सरकार ने भी गंभीरता दिखाते हुए प्रसाद के नमूने जांच कराने को कहा है। कांग्रेस ने मंदिरों की पवित्रता सुनिश्चित करने की जरूरत रेखांकित की है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय इस मामले में सुनवाई करने को तैयार हो गया है। मंदिरों में चढ़ावे आदि को लेकर विवाद और उनके प्रबंधन को चुस्त तथा पारदर्शी बनाने की मांग बहुत पहले से उठती रही है। मगर तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रबंध समिति यानी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम इस मामले में बहुत व्यवस्थित और पारदर्शी मानी जाती रही है। वहां बनने वाले प्रसाद के मानक तय हैं। घी और अन्य सामग्री की गुणवत्ता और पवित्रता जांचने के लिए आंतरिक प्रयोगशाला है। तीन स्तरों पर इसकी जांच की जाती है। घी आदि की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार हर छह महीने बाद बदल दिए जाते हैं। इसके बावजूद अगर वहां के प्रसाद की पवित्रता पर सवाल उठे हैं, तो स्वाभाविक ही इससे लोगों की आस्था पर चोट पहुंची है। मंदिर और धार्मिक स्थल राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर होने चाहिए, पर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि वास्तव में ऐसा है नहीं। इसीलिए तिरुपति बालाजी के लड्डुओं में पशु चर्बी होने के आरोप पर सियासत शुरू हो गई है। मगर अपेक्षा की जाती है कि इस मामले को दूसरे मामलों की तरह सियासी रंग देकर दरकिनार करने के बजाय मंदिर की पवित्रता सुनिश्चित करने के कठोर उपाय होने चाहिए।

गलत संदेश

पश्चिम बंगाल सरकार ने अचानक जिस तरह से झारखंड के साथ लगती अंतरराज्यीय सीमा को बंद कर दिया और जवाब में झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम वहां से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी दे रही है, वह दो राज्यों के आपसी रिश्तों के लिहाज से बहुत ही खराब प्रसंग माना जाएगा। इस टकराव से दोनों राज्यों के सामान्य लोगों की परेशानियों में इजाफा भले हो जाए, विवाद निपटाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली। दरअसल, दामोदर वैली कॉरपोरेशन की ओर से पानी छोड़ा गया। वहीं, पश्चिम बंगाल के 11 जिले बाढ़ में डूब गए थे। मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी इसे 'मानव निर्मित बाढ़' कह रही हैं। उनका आरोप है कि झारखंड स्थित डीवीसी से पानी छोड़े जाने के कारण यह बाढ़ आई। लेकिन तथ्य यह भी है कि पिछले दो-तीन दिनों से उन इलाकों में तेज बारिश हुई है। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण झारखंड के जलाशय खतरे के निशान के आसपास पहुंच गए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि पानी छोड़ने का फैसला राज्य सरकार का नहीं होता, न ही इसके पीछे तात्कालिक राजनीतिक समीकरणों की कोई भूमिका होती है। इसका पूरा सिस्टम काफी पहले से बना हुआ है। कब कितना पानी छोड़ा जाना है, यह निर्णय एक रेग्युलेशन कमिटी करती है जिसमें दोनों राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। सभी संबंधित पक्षों को सही समय पर फैसले की सूचना देने की भी प्रक्रिया पूरी तरह परिभाषित है। ममता बनर्जी का कहना है कि इस बार उनकी सरकार को समय पर सूचित नहीं किया गया जबकि दामोदर वैली कॉरपोरेशन और केंद्र सरकार का कहना है कि इस बार भी पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है। अगर अमल में किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो इस बात की जांच की जा सकती है कि सूचना देने या संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने में किस स्तर पर और किस वजह से चूक हुई। आरोप-प्रत्यारोप को इस स्तर पर ले जाने से हालात को बेहतर बनाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली। वैसे, ममता बनर्जी ने तकनीकी तौर पर बॉर्डर सील करने की वजह यह बताई है कि झारखंड से आने वाली गाड़ियां बाढ़ के पानी में बह न जाएं। लेकिन अगर बात यही होती तो झारखंड की तरफ से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी नहीं आती। ध्यान रहे, झारखंड में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार है और तृणमूल कांग्रेस भी विपक्षी खेमे का ही हिस्सा मानी जाती है।

एक देश एक चुनाव- लाभ अनेक

चुनावों के लिए एक समान मतदाता सूची तैयार की जाये। इसे अमल में लाने के लिए एक कार्यान्वयन समूह का गठन किया जाये। कोविंद समिति ने 18 संविधान संशोधनों की सिफारिश भी की है जिसमें से अधिकांश में राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की जरूरत नहीं होगी जबकि समान मतदाता सूची और समान मतदाता पहचान पत्र से जुड़े कुछ प्रस्तावित बदलावों के लिए आधे राज्यों द्वारा अनुमोदन की जरूरत होगी।

(मृत्युंजय दीक्षित)

एक देश एक चुनाव की नीति का क्षेत्रीय दलों द्वारा विरोध किए जाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि उन्हें आशंका है कि भारत में यह प्रणाली लागू हो जाने के बाद उनका अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। भारत में कई दलों का अस्तित्व बार बार होने वाले चुनावों के कारण ही संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीसरी पारी में राष्ट्रहित के संकल्पों को पूर्ण करने के लिए लगातार आगे बढ़ रहे हैं, इसी कड़ी के अंतर्गत उन्होंने बहु प्रतीक्षित एक देश-एक चुनाव का संकल्प पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण पहल कर दी है। लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 100 दिन पूर्ण होने के अवसर पर मोदी कैबिनेट ने, एक देश एक चुनाव पर उठ रहे प्रश्नों पर विराम लगा दिया है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से अपना सन्देश देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक देश एक चुनाव पर आगे बढ़ने के संकेत दिये थे और अब कैबिनेट ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समिति की अनुशंसा को मंजूरी प्रदान कर दी है। एक देश एक चुनाव, परिकल्पना को कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त हो जाने के बाद राजनैतिक दलों के बीच सहमति बनाने की जिम्मेदारी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, किरन रिजिजू व कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को दी गई है। एक देश एक चुनाव को लेकर गठित समिति ने इस विषय पर सभी प्रमुख राजनैतिक दलों से विचार विमर्श किया था जिनमें 32 राजनैतिक दल इसके समर्थन में और 15 विरोध में थे। अब इस बात की प्रबल संभावना बन गई है कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में इस हेतु आवश्यक संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किये जाएंगे और ऐसा माना जा रहा है कि सरकार ने इन सभी विधेयको को पारित करवाने के लिए प्रबंध भी लगभग कर लिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में वर्ष 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते रहे हैं उस समय संपूर्ण भरत मे कांग्रेस व उसके समर्थित दलों की सरकारें ही राज्य विधानसभाओं में हुआ करती थीं। चुनाव आयोग ने वर्ष 1982 में फिर उसके बाद जस्टिस बी. बी. जीवन की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने एक देश एक चुनाव की सिफारिश की थी। वर्ष 2018 में जस्टिस बी एस चौहान की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने एक ड्राफ्ट रिपोर्ट में एक साथ चुनाव की बात करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 83, 85,172, 174 और 356 में संशोधन करने होंगे। वर्ष 2015 में संसद की स्थायी समिति ने भी दो चरणों में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव कराने की सिफारिश की थी। राजनैतिक दृष्टिकोण से यह बहुत ही हैरान करने वाली बात है कि कांग्रेस पूर्वज पहले तो एक देश एक चुनाव का समर्थन कर रहे थे किंतु जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाया है और उसे लागू करने के लिए पूर्णता की ओर बढ़ रही है तब से कांग्रेस व उसके सहयोगी दल जिन्होंने इंडी गठबंधन बनाया है एक देश एक चुनाव की व्यवस्था का विरोध करने लगे हैं। सभी राजनैतिक दलों का मानना है कि भारत में एक देश एक चुनाव की व्यवस्था अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक तथा असंभव है। कई नेता इसे प्रधानमंत्री व भाजपा सरकार का मात्र एक शिगूफा कह रहे हैं। एक देश एक चुनाव की नीति का क्षेत्रीय दलों द्वारा विरोध किए जाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि उन्हें आशंका है कि भारत में यह प्रणाली लागू हो जाने के बाद उनका अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। भारत में कई दलों का अस्तित्व बार बार होने वाले चुनावों के कारण ही संभव है। वर्ष 1967 के बाद कतिपय राजनैतिक कारणों से कई विधानसभाओं को भंग करना पड़ा और फिर बीच में लम्बे समय तक केंद्र व राज्यों की राजनीति में अस्थिरता का वातावरण रहा। वर्तमान समय में भारत में दो लोकसभा चुनावों के बीच पांच सालों में कहीं न कहीं विधानसभा चुनाव होते रहते हैं जिसके कारण बार-बार आचार संहिता लगती है और जनहित व विकास के कार्यक्रम प्रभावित होते हैं। भारत में नगर निगम, नगर निकाय और ग्राम पंचायतों के चुनाव भी हर वर्ष, हर माह कहीं न कहीं होते ही रहते हैं और बीच-बीच में उपचुनाव भी आते रहते हैं और विकास कार्यों को बाधित करते हैं। बार-बार चुनाव होने के कारण राजनैतिक दलों व नेताओं का खर्च भी भी बहुत बढ़ा रहता है जिसके कारण आर्थिक भ्रष्टाचार को बल मिल मिलता है। राजनैतिक दलों के नेता व उनके सामर्थक अपने समाज व मतदाताओ को लुभाने के लिए अनाप-शनाप बयानबाजी करते हैं जिसके कारण सामाजिक वातावरण दूषित होता है। धार्मिक वैमनस्यता भी गहराती है। बार-बार चुनाव होने के कारण आदर्श आचार संहिता लागू होती है जिसके कारण सरकार आवश्यक नीतिगत निर्णय नहीं ले पाती और विभिन्न योजनाओं को लागू करने में समस्या आती है। यदि देश में एक ही बार में लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराये जायें तो आदर्श आचार संहिता कुछ ही समय तक लागू रहेगी। एक देश एक चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाने के बाद चुनावों में होने वाले भारी खर्च में कमी आयेगी। इससे काले धन और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी। एक साथ चुनाव कराने से सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षाबलों को बार-बार चुनावी ड्यूटी पर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। देश में एक साथ चुनाव कराये जाने से देश की जीडीपी में लगभग 1.5 प्रतिशत वृद्धि का भी अनुमान लगाया जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मत है कि एक देश एक चुनाव से सरकारें सही मायने में कम से कम साढ़े चार वर्ष विकास कार्य करा पायेंगी। अभी लगातार अलग-अलग होने वाले चुनावों और आचार संहिता के कारण सरकारों के हाथ 12-15 महीने बंधे रहते हैं। एक देश-एक चुनाव पर रामनाथ कोविंद समिति ने कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं जिसके अंतर्गत यह योजना देश में दो चरणों में लागू की जायेगी। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव करायें जायें और दूसरे चरण में नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव कराये जायें लेकिन इन्हें पहले चरण के 100 दिन के भीतर ही कराया जाये। लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होते ही राज्यों की विधानसभा का चुनाव कराया जाये अगर किसी विधानसभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा किंतु कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधानसभा बीच में ही भंग हो जाती है।

कुमारी शैलजा की नाराजगी हरियाणा में कांग्रेस पर पड़ेगी भारी

(अंकित सिंह)

कांग्रेस के लिए दिक्कत ये है कि उसकी वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा नाराज बताई जा रही है। भूपिंदर सिंह हुड्डा को आलाकमान का ज्यादा समर्थन मिला है। यही कारण है कि कुमारी शैलजा हाशिए पर दिख रही हैं। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार से भी दूर हैं। हरियाणा में 10 साल से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस के लिए इस बार उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। हालांकि, पार्टी के सामने अंतरकलह की स्थिति भी देखने को मिल रही है। स्थितियां सत्तारूढ़ भाजपा के लिए भी सहज नहीं है। किसान, जवान और पहलवानों की नाराजगी को कांग्रेस भुनाने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि कांग्रेस के लिए एक मंच तैयार होता दिखाई दे रहा है। लेकिन आंतरिक युद्ध की वजह से पार्टी के लिए स्थितियां मुश्किल होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिए दिक्कत ये है कि उसकी वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा नाराज बताई जा रही है। भूपिंदर सिंह हुड्डा को आलाकमान का ज्यादा समर्थन मिला है। यही कारण है कि कुमारी शैलजा हाशिए पर दिख रही हैं। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार से भी दूर हैं। रणदीप सिंह सुरजेवाला भी नाराज दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, पार्टी कम से कम 10 विद्रोहियों को मनाने में भी कामयाब रही, जो उसके आधिकारिक उम्मीदवारों की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकते थे। पार्टी प्रबंधकों को लगता है कि राज्य इकाई पर दबदबा रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा और वरिष्ठ नेताओं शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के बीच एकता की कमी 5 अक्टूबर के चुनावों के लिए उनकी तैयारियों को प्रभावित कर रही है। दावा किया जा रहा है कि टिकट आवंटन के दौरान हुई अनदेखी और अभद्र टिप्पणियों की वजह से कुमारी सैलजा नाराज हैं। इसी कारण वह कांग्रेस उम्मीदवारों के प्रचार से दूर रह रही हैं। कुमारी सैलजा की नाराजगी की वजह एक यह भी है कि टिकट आवंटन में भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को ज्यादा महत्व दिया गया। उनके करीबियों को टिकट नहीं दी गई है। आरोप लग रहा कि हुड्डा के करीबियों 90 में से 72 सीटों पर टिकट दिया गया है। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि शैलजा ने अपने खेमे के लिए 30 से 35 सीटें मांगी थीं। हालाँकि, कांग्रेस आलाकमान ने भूपिंदर सिंह हुड्डा खेमे को 72 टिकट आवंटित किए। शैलजा नारनौंद विधानसभा सीट से अपने करीबी सहयोगी डॉ. अजय चौधरी के लिए टिकट हासिल करने में भी असफल रहीं। उनकी चुप्पी पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे उसे वोट मजबूत करने से रोका जा सकता है। पार्टी में सबसे वरिष्ठ दलित चेहरों में से एक कुमारी शैलजा राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव रखती हैं। कुमारी शैलजा को लेकर फिलहाल पार्टी कार्यकर्तों में भी भ्रम दिखाई दे रहा है। कुमारी शैलजा के समर्थकों के साथ-साथ दलित समाज में भी आक्रोश फैल रहा है। हालांकि, हरियाणा में तीनों वरिष्ठ नेताओं में से कोई भी विधानसभा चुनाव के लिए एक साथ प्रचार करते नहीं दिख रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी यही स्थिति थी। लोकसभा सदस्य और हुडा के बेटे दीपेंद्र हुडा ने यात्रा निकाली थी। शैलजा भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले एक अलग यात्रा पर निकलीं। हाल ही में बुधवार को, शैलजा और सुरजेवाला ने राज्य के लिए पार्टी की सात गारंटी के उद्घाटन समारोह में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चर्चाओं को बढ़ाते हुए उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस के भीतर शैलजा की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि उनकी भागीदारी में कमी पार्टी में उनके भविष्य पर सवाल उठाती है। करनाल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, खट्टर ने इस बात पर जोर दिया कि शैलजा सम्मान और देखभाल की हकदार हैं, उन्होंने कहा, हम उन्हें भाजपा में शामिल करने के लिए तैयार हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5503

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5502

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

आज का राशिफल

मेष
आज भाग्य का साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। आप अपने सहयोगियों की मदद से हर कार्य को समय से पहले पूरा कर लेंगे और आपकी योजनाएं सफल होंगी। शाम तक आपको करियर के मामले में कोई महत्वपूर्ण खबर मिलेगी। जमीन खरीदने से पहले कोई कागज सोचसमझकर साइन करें।

वृष
आज करियर के मामले में लाभ होने की उम्मीद है और आपका कोई कोई रुका कार्य पूर्ण होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा। ऑफिस में माहौल को जिंदादिल बनाने की आपकी कोशिश कामयाब हो सकती है बशर्ते आपके सहयोगी सपोर्ट करें। आप फालतू बात पर ध्यान न दें और अपने काम पर फोकस करें। आपको जो भी मिलेगा।

मिथुन
आज काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आपको बच्चों के काम से काफी इधर-उधर जाना पड़ सकता है। आपको ऑफिस में सहयोगियों का और घर में अपने छोटों का सहयोग मिलेगा। दूसरों से उपहार का लाभ मिलेगा और इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क
आज करियर और कारोबार के मामले में भाग्य का साथ मिल रहा है। आपको दिन की शुरुआत में थोड़ा अधिक काम करना पड़ेगा और बाद में सब सही हो जाएगा। हर मामले में धैर्य से काम लेने की सलाह है। कोई भी ऐसा काम न करें कि आपको उसमें नुकसान हो। आपने एक ही दिन में ढेर सारे लटके हुए काम निपटा लिए हैं।

सिंह
आज दिन करियर और कारोबार के मामले में मिलाजुला रहेगा और कुछ योजनाएं सफल होंगी। मेहनत से जो कुछ भी करेंगे वह काफी अच्छा रिजल्ट लेकर आएगा। आपकी खुशी दोगुनी हो जाएगी। पिछले दिनों हुए नुकसान की भरपाई हो सकती है। बिजनस में हर फैसले को बेहद सावधानी से करने की जरूरत है। आपको लाभ होगा और योजनाएं पूर्ण होंगी।

कन्या
आज दिन मिलाजुला रहेगा। किसी सौदे या लेन देन की टेंशन न लें। बढ़ते खर्च को काबू में करने की कोशिश करें तो आपको लाभ होगा। इच्छाशक्ति से सब कुछ संभव है। दोस्तों के सपॉर्ट से किसी बड़े प्रॉजेक्ट को पूरा कर लेंगे। उपहार और सम्मान के मामले में लाभ होगा।

तुला
आज करियर के मामले में लाभ होगा और दिन सफलता से भरा होगा। काफी समय से कोई खोई हुई चीज आपको मिल सकती है। किसी को बहुत पहले दिया गया उधार आज वापस मिल जाएगा। ऐसा होने पर आपकी खुशी होगी और हर काम बिना किसी रोकटोक के पूरा हो जाएगा। दिन भर आपको कई सरप्राईज मिलते रहेंगे। उपहार और सम्मान का लाभ मिलेगा और दिन आनंद में बीतेगा।

वृश्चिक
आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा दिन आनंद में बीतेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे और आपकी योजनाएं सफल होंगी। नए काम में कुछ रुकावट आ सकती है। इसलिए कुछ भी करने से पहले एक बार सोच लें। दिन बीतने के साथ साथ काम बनते नजर आएंगे। आपको परिवार के छोटे सदस्यों के करियर की चिंता खत्म हो जाएगी।

धनु
आज दिन शुभ है और आपके घर में आनंद का माहौल रहगा। प्रॉपर्टी के मामले हल हो सकते हैं और किसी मुकदमें में आपकी जीत हो सकती है। कमाई में बढ़ोत्तरी होगी लेकिन खर्च भी इस बीच बढ़े हुए रहेंगे। लेखक और पत्रकार जैसे लोग लोगों के लिए सफलता और प्रसिद्धि पाएंगे और खूब नाम कमाएंगे। लाभ और सम्मान दोनों हासिल होंगे। पॉजिटिव मूड खराब से सही हो सकता है।

मकर
आज दिन सम्मान से भरा होगा और सोसाइटी में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। आप किसी बड़े आयोजन में भाग ले सकते हैं। विरोधियों का सिर नीचा करने में सफलता मिलेगी। आपको अपने काम को आगे बढ़ाने के कई मौके मिलेंगे और किस्मत भी आपका साथ देगी। आपकी कारोबार से जुड़ी सभी योजनाएं सफल होंगी और आप पुराना उधार चुका पाएंगे।

कुंभ
आज करियर के मामले में लाभ से भरा होगा। आपको कुछ सोशल वर्क करने का मौका मिलेगा और ऑफिस का माहौल काम के लिए बिल्कुल ठीक रहेगा। आप अपने करियर में हर कार्य में सफलता पाएंगे और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। किसी बात पर आपकी जूनियर्स से कहासुनी हो सकती है। ऑफिस की बातों को आप घर पर न लाएं। परिवार के किसी सदस्य पर अपना गुस्सा न निकालें।

मीन
आज किस्मत साथ दे रही है और आपका दिन लाभ से भरा होगा। सहयोगी कुछ रिलैक्स मूड में रहेंगे और पहले से ज्यादा मन प्रसन्न रहेगा। आपको हर प्रकार का सहयोग मिलेगा। बदलाव के तौर पर आप अपने अन्दर छिपी प्रतिभा से लाभ पाएंगे और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपकी फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स का हल निकल जाएगा।

वर्ग पहेली 5503

1	2	3		4		■	5
6			■		■	7	
	■	8			9		■
10	11	■	■	12			13
14		■	15		■	16	
■	17			■	18	■	
19		■	20		■	21	
■	22			■	23		■

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2001 को इस भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किा (सिर्फ नाम)(6)
6. माला, मोती, अपनी मर्जी का (3)
7. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जिसका मान आठ रत्ती के बराबर होता है (2)
8. जिसके मन में करूणा का भाव हो (5)
10. सर्पराज, पुराणानुसार पाताल मे रहने वाला एक उपदेवता (2)
12. शास्त्रीय संगीत में उपयोग आने वाला सितार की तरह एक वाद्य (4)
14. बाघ की मांद-दीवार में जोड़ाई की पंक्ति (2)
15. बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
16. जो दिन बीत रहा है (2)
17. जनसमूह (3)
18. आग की लपट (1)
19. एक प्रशंसा सूचक शब्द (2)
20. त्रुटि, दोष (2)
21. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली या सेंकी जाए (2)
22. वायु द्वारा उत्पन्न (3)
23. रंग बिरंगा शीशा (2)

(ऊपर से नीचे
1. हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जहां बर्फ से बने शिवलिंग का दर्शन होता है (5)
2. लगातार घंटे बजने का शब्द (2)
3. ल वर्ण का उद्गार (3)
4. प्राचीनकाल का यमन सरदार (5)
5. उम्मीद (2)
7. घी में तला एक प्रकार का मीठा पकवान (4)
9. दिवस (2)
11. तप्त वायु (5)
13. ताजमहल के निर्माण के प्रयुक्त होने वाला संगमरमर इस प्रदेश से लाया गया था (4)
15. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हों (4)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)

वर्ग पहेली 5502 का हल

क	म्बो	डि	या	■	न	क	ब
म	■	ग्र	म	न	क	र	ना
ला	द	ना	■	■	ली	■	ना
ने	म	■	मा	न	■	प	■
ह	क	त	ल	फी	■	रा	ह
रू	ल	र	■	स	जा	या	पता
■	■	बू	टा	■	ज	■	वा
न	मा	ज	■	ह	म	वा	र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित **संपादक- श्रीराम अम्बष्ट**, स्थानीय संपादक- **साकेत अम्बष्ट**, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, **RNI-BIHHIN/2017/72765**

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर मूंगफली के तेल से भरे टैंकर में लगी आग... मची अफरातफरी; दमकल टीम ने पाया काबू

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार रात 12 बजे मूंगफली के तेल से भरे टैंकर के पहियों में आग लग गई। घटना हाईवे पर आईएसबीटी के पास की है। ट्रक सिकंदरा से वाटर वर्क्स की तरफ जा रहा था। लपटें देखकर चालक ने टैंकर को किनारे लगाकर रोका।

आसपास से गुजरते वाहन भी रुक गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस आ गई। नजदीक स्थित होटल से पाइप लेकर पानी डाला। आग कुछ हद तक काबू में आ गई। 15 मिनट बाद दमकल पहुंच गई। तब आग बुझ सकी।

इंस्पेक्टर न्यू आगरा ने बताया कि टैंकर गुजरात से कानपुर की तरफ जा रहा था। उसके पिछले पहियों में आग लगी थी। उसे काबू कर लिया गया। हाईवे पर कुछ देर के लिए वाहनों को रोका गया, बाद में यातायात शुरू कर दिया गया।

कम छात्र संख्या ने 64 परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों की बढ़ाई चिंता

गजरौला (अमरोहा) , एजेंसी। परिषदीय विद्यालय में छात्रों की कम संख्या ने शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। खंड शिक्षा अधिकारी ने कम छात्र संख्या वाले 64 विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। परिषदीय विद्यालयों में मुफ्त पढ़ाई हो हो रही है। बच्चों को ड्रेस, जूता व मौजे मुफ्त दिए जा रहे हैं। मिडडे-मील दिया जाता है। इसके बावजूद कई स्कूलों में छात्र संख्या पर्याप्त नहीं है। जबकि, विद्यालय स्टाफ रैली निकालकर ग्रामीणों को अपने बच्चों का स्कूल में नामांकन कराने के लिए जागरूक भी करते हैं। मगर, परिणाम सकारात्मक नहीं आ रहे हैं। ब्लॉक क्षेत्र में 151 परिषदीय विद्यालय हैं। इनमें 64 विद्यालय ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनमें छात्र संख्या बहुत कम है। कहीं पर इनकी संख्या दो अंक से भी नीचे है। जिसको लेकर विभाग के आला अफसर खफा हैं। उन्होंने छात्र संख्या कम वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उनसे पूछा है कि संख्या कम क्यों है। उनके क्षेत्र के बच्चे अन्य स्कूलों में पढ़ने क्यों जा रहे हैं। क्या उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। या उन्होंने बच्चों का परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रयास नहीं किया। जिसका जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

कॉलेज के मैदान में घुसा तेंदुआ, वीडियो वायरल

मुरादाबाद , एजेंसी। गांव बादशाहपुर खेतों के पास स्थित किसान इंटर कॉलेज के मैदान में मंगलवार देर शाम तेंदुआ पहुंच गया। वहां से गुजर कार सवार युवकों की नजर तेंदुए पर पड़ी तो उन्होंने वीडियो बना ली। जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कॉलेज के मैदान में तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत है। मंगलवार शाम पौने सात बजे के करीब कार सवार युवक नौगांवा सादात जा रहे थे। इस बीच उन्होंने बादशाहपुर इंटर कॉलेज के मैदान तेंदुआ देखा। जिसकी युवाओं ने वीडियो बना ली। युवक एक दूसरे से तेंदुए से डरने की बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। कार सवार युवकों ने कुछ दूर तक तेंदुए का पीछा तो तेंदुआ जंगल में जाकर छिप गया। शाम के समय तेंदुआ दिखने से लोगों में दहशत है। मामले की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। वीडियो बादशाहपुर इंटर कॉलेज के पास जंगल की बताई जा रही है। बता दें कि बीते शनिवार को तेंदुए का जोड़ा गजरौला के खजूरी स्थित प्राइमरी स्कूल के पास पहुंच गया था। जिसके बाद से वन विभाग सतर्क है। उधर, ग्रामीणों को भी लगातार सजग रहने के लिए कह रहा है।

मोहल्ला दुर्गा प्रसाद में शिफ्ट की जाएगी नई सब्जी मंडी

बरेली , एजेंसी। बारह पत्थर रोड की नई सब्जी मंडी एक सप्ताह बाद मोहल्ला दुर्गा प्रसाद में शिफ्ट की जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को पालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष के प्रतिनिधि अमन जायसवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में बताया गया है कि बारह पत्थर रोड पर नई सब्जी मंडी बिल्कुल सड़क पर चल रही है, जिससे उधर का यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। उधर से आने जाने वालों को काफी ज्यादा दिक्कत होती है। इस संबंध में यह तय किया गया कि बारह पत्थर रोड की नई सब्जी मंडी एक सप्ताह बाद मोहल्ला दुर्गा प्रसाद में पालिका के भूखंड पर शिफ्ट की जाए। मोहल्ला दुर्गा प्रसाद में शिफ्ट होने वाली सब्जी मंडी में पालिका प्रशासन मानक के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि एक सप्ताह बाद बारह पत्थर रोड पर सब्ज़ी की कोई दुकान लगी मिली तो पालिका प्रशासन उस दुकान का सारा सामान जब्त कर लेगा। बैठक में उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष राकेश मित्तल ,केशव अग्रवाल, संदीप जायसवाल ,मोहित अग्रवाल ,नत्थू लाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

वैष्णो देवी और शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंची राममंदिर की सालाना

अयोध्या। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे भक्त रामलला को निधि समर्पण भी करते हैं। जिसके चलते मंदिर निर्माण शुरू होने के कुछ ही वर्षों में राममंदिर की सालाना कमाई देश के प्रतिष्ठित मंदिरों वैष्णोदवी, शिरडी साई मंदिर व स्वर्ण मंदिर के बराबर पहुंच गई है। भक्त रामलला को दिल खोलकर दान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में रामलला को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ है। इस पर मिले ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है।

नौ नवंबर 2019 को रामलला के हक में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी थी। जब से राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हुआ उसी दिन से रामभक्तों ने निधि समर्पित करनी शुरू

दी। पिछले पांच सालों में रामलला को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ। जबकि 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है। रामलला को ऑनलाइन, नगदी, चेक, आरटीजीएस के माध्यम से दान प्राप्त होता है। साथ ही विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त होने लगा है। पिछले एक साल में करीब 15 करोड़ का विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त हुआ है।

रामंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र बताते हैं कि रामलला को भक्त राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान अर्पित करते हैं। इसके अलावा दर्शन पथ पर दान काउंटर बने हैं। राम कचहरी स्थित मंदिर में स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर दान लिए जाते हैं। मंदिर परिसर में रामलला के दान पात्र में भक्त चढ़ावा अर्पित करते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी भक्त श्रद्धा अर्पित करते हैं। राममंदिर में सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं। किसी भी सुविधा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

अक्षरधाम, सोमनाथ व जगन्नाथ मंदिर कमाई में राममंदिर से पीछे

उत्तरप्रदेश-उत्तराखंड एकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर शोध कर रहे अवध विश्वविद्यालय के प्रो विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय की बात करें तो सबसे आगे आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर है। इस मंदिर की सालाना आय करीब 1600 करोड़ है। यह दान के अलावा भी आय के अन्य माध्यम हैं। इसके बाद केरल पद्मनाभस्वामी मंदिर की आय करीब 700 करोड़ सालाना है। फिलहाल राममंदिर की सालाना आय कुछ ही वर्षों में वैष्णो देवी, शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंच गई है। जबकि दशकों पुराने अक्षरधाम, सोमनाथ व जगन्नाथ मंदिर कमाई में पीछे हो गए हैं।

बड़ा बाजार में पकड़ी गई तीन महिलाएं, करतूत जानकर रह जाएंगे हैरान

बरेली, एजेंसी। बरेली के कोतवाली क्षेत्र के बड़ा बाजार में बदायूं की एक महिला के पर्स से रुपये चोरी करते तीन महिलाओं को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। तीनों महिलाएं शहर के सहसवानी टोला की निवासी हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर इन्हें जेल भेजा है।

बदायूं के मम्मन चौक निवासी दानिश ने बताया कि वह बड़ा बाजार में सामान खरीदने आए थे। दानिश और उनकी मां ठेले पर मोमोज खाने लगे तभी तीन महिलाएं आकर उनके पास खड़ी हो गईं। एक ने पर्स की चेन खोलकर 33,500 रुपये निकाल लिए और अपनी साथी महिला को दे दिए।

महिलाओं की करतूत देख दानिश ने शोर मचाया तो उनके चाचा और बहन ने लोगों की मदद से तीनों महिलाओं को मौके पर पकड़ लिया। चोरी के रुपये भी महिलाओं से बरामद हो गए। आरोपी महिलाओं ने अपने नाम सहसवानी टोला निवासी निशा, अलीशा व हिना बताए।

फोन छीनने में नाकाम रहे तो चेन लूटकर भागे

पीलीभीत बाइपास पर मॉल के पास स्कूटी सवार तीन लुटेरों ने गैराज मालिक का फोन छीनने की कोशिश की। फोन जमीन पर गिरा तो लुटेरे गैराज मालिक के गले से सोने की चेन तोड़कर भाग गए। बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना कैंट के भरतौल निवासी कुलदीप पटेल ने बताया कि वह आशियाना कॉलोनी में गैराज चलाते हैं। सोमवार रात पौने नौ बजे करीब वह बाइक से फीनिक्स मॉल की ओर जा रहे थे। वह मोबाइल पर बात कर रहे थे तभी स्कूटी सवार तीन लड़कों ने उनका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल रोड पर गिर गया तो तीनों लड़के उनकी पिटाई करने लगे। उनके गले में पड़ी सोने की चेन लूटकर फरार गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कुलदीप को अस्पताल पहुंचाया। बारादरी पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों का पता लगाने में जुटी है।

यूपी पॉलीटेक्निक : काउंसिलिंग पूरी, खाली रह गई एक लाख सीटें, इच्छुक छात्र इस तरह से ले सकते हैं प्रवेश

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के पॉलीटेक्निक संस्थानों में छह चरणों में आयोजित प्रवेश काउंसिलिंग के बाद भी कुल डेढ़ लाख सीटों के सापेक्ष लगभग एक लाख सीटें अभी खाली हैं। खास यह कि इसमें सरकारी कॉलेजों में भी लगभग छह हजार सीटें खाली हैं। ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट से प्रवेश के लिए अतिरिक्त समय मिलने के बाद राहत मिली है। प्राविधिक शिक्षा विभाग आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) के आदेश का इंतजार कर रहा है। पॉलीटेक्निक संस्थानों में इंजीनियरिंग व अन्य कोर्स (फार्मेसी छोड़कर) में प्रवेश की प्रक्रिया अभी 15 सितंबर तक पूरी हुई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के अनुसार प्रदेश में 150 सरकारी, 19 सहायता प्राप्त, 18 पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप व 270 प्राइवेट पॉलीटेक्निक हैं। इसमें लगभग 1.60 लाख सीटें हैं। प्रवेश काउंसिलिंग के माध्यम से लगभग 60 हजार सीटों पर ही प्रवेश हुआ है। सरकारी कॉलेजों की 42 हजार में से लगभग छह हजार और प्राइवेट की 94 हजार सीटें खाली हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से प्रवेश के लिए लगभग एक महीने की राहत मिलने के बाद सरकारी व प्राइवेट कॉलेजों को सीटें भरने के लिए एक और मौका मिल सकता है। क्योंकि अभी डीफार्मा कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया होनी बाकी है। विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। हालांकि अभी उसे एआईसीटीई द्वारा जारी किए जाने वाले रिवाइज प्रवेश कैलेंडर का इंतजार है।

सत्र शुरू होने से पहले होगी आरटीई के तहत दाखिले की प्रक्रिया

मुरादाबाद , एजेंसी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के लिए दाखिले की प्रक्रिया इस बार दिसंबर से ही शुरू हो जाएगी।

पहले इसके लिए देरी से प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होने के कारण बच्चों को बीच शैक्षिक सत्र में प्रवेश मिल पा रहा था। जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती थी। आरटीई के तहत हर साल जरूरतमंद परिवारों के बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में कराया जाता है। स्कूलों में 25 फीसदी जरूरतमंद बच्चों के लिए आरक्षित होती है। इन पर दाखिले की प्रक्रिया हर साल चार चरणों में पूरी की जाती है। गत वर्ष भी आरटीई के तहत 1194 बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में कराया गया था। पहले दाखिले की प्रक्रिया फरवरी माह में शुरू होती थी।

जिससे बच्चों को शैक्षिक सत्र शुरू होने के बाद दाखिला मिल पाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अगले शैक्षिक सत्र के लिए प्रवेश की प्रक्रिया दिसंबर माह से ही शुरू हो जाएगी। जारी की गई समय सारिणी के अनुसार पहले चरण के लिए एक दिसंबर, दूसरे चरण के लिए एक जनवरी, तीसरे चरण के लिए एक फरवरी व चौथे चरण के लिए एक मार्च से आवेदन शुरू हो जाएंगे।

इसके बाद पहले चरण के लिए 27 दिसंबर, दूसरे चरण के लिए 27 जनवरी, तीसरे चरण के लिए 27 फरवरी और चौथे चरण के लिए 27 मार्च तक विद्यालयों के आवंटन की सूची जारी की जा सकेगी। इसके बाद एक अप्रैल से शुरू होने वाले शैक्षिक सत्र में पहले दिन से ही बच्चों को शिक्षण कार्य शुरू कराना होगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आवेदनों का सत्यापन होने के बाद लॉटरी की प्रक्रिया शुरू होगी। बीएसए डॉ. मोनिका ने बताया कि अबकी बार समय से ही जरूरतमंद परिवार के अभिभावक अपने बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे।

छह हजार छुट्टा पशु गोआश्रय स्थलों में... फिर भी कदम-कदम पर खतरा

पीलीभीत , एजेंसी। कहने तो जिले में संचालित 58 गोआश्रय स्थलों में करीब छह हजार छुट्टा पशु संरक्षित हैं। बावजूद इसके सड़कों से लेकर खेतों तक इनके झुंड देखे जा सकते हैं। ऐसे में हर कदम पर खतरा बना रहता है। कितने छुट्टा गोवंश सड़कों पर हैं इस आशय की जानकारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) जानकारी नहीं दे सके, बोले-जल्द अभियान चलेगा।

छुट्टा पशुओं के कारण हो रही घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री काफी गंभीर हैं। पशुओं को पकड़ने के लिए कड़े निर्देश भी दिए गए हैं। बावजूद इसके इन निर्देशों को लेकर अधिकारी और संबंधित विभाग के जिम्मेदार कितने गंभीर हैं यह आसानी से देखा जा सकता है। जिम्मेदारों का दावा है कि जिले में संचालित 58 गोआश्रय स्थलों में करीब छह हजार पशु संरक्षित हैं तो करीब पांच हजार पशुओं को तीन हजार पशुपालक योजना के तहत पाल रहे हैं, बावजूद इसके हर कदम पर पशुओं के झुंड उनके दावों को झुठलाने के लिए काफी हैं। हालत यह है है कि सूर्य अस्त

होते ही हाईवे और अन्य सड़कों पर हर कदम पर यह पशु घूमते देखे जा सकते हैं। ऐसे में इनके कारण होने वाली घटनाएं आम हैं। जहां कई लोग चोटिल हो चुके हैं तो कई की जान भी जा चुकी है।

इन मार्गों पर हैं सबसे अधिक पशु: असम हाईवे पर गांव बिठौरा, गजरौलाकलां, खाग सराय, असम चौराहा, मंडी समिति मार्ग, पूरनपुर का घुंघचाई चौराहा, बीसलपुर मार्ग पर बरखेड़ा के पास, ज्योहरा कल्याणपुर, जसौली दिवाली, जोगीठेर, बीसलपुर, माधोटांडा मार्ग पर बाइपास, कल्याणपुर, जमुनिया, नवदिया सुखदासपुर के अलावा टनकपुर हाईवे।

बुखार से छात्र की मौत, जिला अस्पताल में 34 भर्ती

मुरादाबाद , एजेंसी। बुखार का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। बुरावली क्षेत्र के गांव गंगवार में कक्षा दो के छात्र एहतेशाम (7) की बुखार से मौत हो गई। उसे तीन दिनों से बुखार आ रहा था। जिले में अब तक बुखार पांच लोगों की जान ले चुका है। उधर, मंगलवार को जिला अस्पताल में भी मरीजों की भीड़ रही। वार्ड में बुखार के 34 मरीज भर्ती है।

बुरावली क्षेत्र के गांव गंगवार निवासी किसान मजाहिर हुसैन का बेटा एहतेशाम गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा दो का छात्र था। उसे तीन दिन से बुखार आ रहा था। जिसका गांव में ही निजी चिकित्सक के यहां इलाज चल रहा था। वहीं, रविवार की रात तबीयत बिगड़ने पर परिजन छात्र को लेकर हापुड़ स्थित अस्पतल में पहुंचे, जहां सोमवार देर रात इलाज के दौरान एहतेशाम की मौत हो गई। मौत की सूचना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक सात भाइयों में छठे नंबर का था।

परिजनों ने बिना कार्रवाई के मंगलवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। रहरा सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शशांक चौधरी ने बताया की बुखार से बालक की मौत के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। आदमपुर क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर भीमा में रविवार 65 वर्षीय किसान की बुखार से मौत हो गई थी। उधर, जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की भीड़ रही। वार्ड में बुखार के 34 मरीज भर्ती रहे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चरन सिंह ने बताया कि मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। सोमवार को 39 मरीज भर्ती थे, मंगलवार को चार की छुट्टी कर दी गई।

1417 की हुई ओपीडी, 58 मलेरिया आशंकित की हुई जांच

सोमवार के बाद मंगलवार को भी जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ रही। चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को 1417 मरीजों की ओपीडी हुई। इनमें 600 से अधिक मरीज बुखार, खांसी और जुकाम के थे। सभी को दवा देकर भेज दिया गया। वहीं, मंगलवार को 58 मलेरिया आशंकित तो डेंगू आशंकित तीन मरीजों की जांच हुई। सभी की जांच निगेटिव आई है।

टैक्स चोरी के शक में लोहे के गोदाम पर एसआईबी का छापा, सील

मुरादाबाद , एजेंसी। झकड़ी अड्डे के पास लोहे और सरिया के गोदाम पर जीएसटी की एसआईबी टीम ने सोमवार देर शाम छापेमार कार्रवाई की। टीम ने माल खरीदने और बेचने से संबंधित दस्तावेज दिखाने को कहा। लेकिन, कुछ जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। बिल बुक से लेकर स्टॉक तक की पड़ताल की गई। इसमें भी कई खामियां मिली। इस पर गोदाम के अंदर लोहे का सामान सील कर दिया गया। मुरादाबाद की जीएसटी कार्यालय की एसआईबी टीम के सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार सोमवार शाम टीम के साथ हसनपुर में बाईपास मार्ग पर चकौरी अड्डे के पास स्थित गौरव ट्रेडर्स के नाम से एक लोहे के गोदाम पर पहुंचे। जहां पर स्टॉक चेक किया गया। जरूरी दस्तावेज दिखाने को कहा गया। इसमें से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं दिखाए जा सके। सहायक आयुक्त ने बताया कि जीएसटी मुख्यालय लखनऊ में की गई शिकायत के आधार पर चेकिंग की गई।

खेलो इंडिया में खेल: मल्टी परपज हॉल का जब पैसा आया तब निकाला टेंडर

CDO के निरीक्षण में खराब कार्यों का खुलासा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में कल्याणपुर के मकसूदाबाद में पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट खेलो इंडिया योजना के तहत मल्टीपरपज हॉल के निर्माण कार्य में कार्यदायी संस्था ने खेल कर दिया। आठ करोड़ की एक परियोजना के निर्माण कार्य के अलग-अलग टेंडर निकाल दिए। जबकि एक कार्य का एक बार ही टेंडर निकाला जा सकता है। संस्था ने जब पैसा आया तब टेंडर निकाला। यही नहीं प्लास्टर, सीसी रोड समेत अन्य कार्यों की भी गुणवत्ता काफी खराब मिली।

जिलास्तर पर मॉनीटरिंग करने वाले अफसर ने कोई ध्यान नहीं दिया। सीडीओ दीक्षा जैन ने मौके पर पहुंचकर जब निरीक्षण किया तो हकीकत सामने आई। उन्होंने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। खेलो इंडिया योजना के तहत कल्याणपुर ब्लॉक के मकसूदाबाद में मल्टीपरपज हॉल का निर्माण 2020 से कराया जा रहा है। इसके निर्माण का लक्ष्य 2022 रखा गया था। योजना के तहत आठ करोड़ रुपये खर्च होने हैं।

छह करोड़ रुपये शासन ने तीन बार में कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल को जारी किए हैं। संस्था को दो साल में निर्माण कार्य पूरा करना था, लेकिन संस्था ने अभी तक मल्टी परपज हॉल, बाउंड्री वाल का कार्य ही पूरा किया। पुताई, बिजली, सेनेटरी, सीसी रोड का कार्य चल रहा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल को दी गई है।

निर्माण कार्य के अलग-अलग कई टेंडर निकाले: सीडीओ दीक्षा जैन निरीक्षण करने पहुंची तो हॉल में कई खामियां सामने आईं। सीडीओ ने निर्माण कार्य में लेटलतीफी का कारण पूछा तो कोई सही जवाब नहीं दे पाया। जानकारी पर पता चला कि एक परियोजना के निर्माण कार्य के अलग-अलग कई टेंडर निकाले गए। हॉल

के सारे लीकेज, होल बंद नहीं किए गए।

कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी: दीवार पर सीलन मिली। बाउंड्रीवाल पर लोहे की ग्रिल एवं प्लास्टर का कार्य, मुख्य गेट का निर्माण, गार्ड रूम, सीसी रोड का कार्य की गुणवत्ता सही नहीं मिली। इसके साथ हैंडपंप, रैन वाटर हारवेस्टिंग यूनिट नहीं लगाया गया। सीडीओ ने कार्यों की गुणवत्ता खराब मिलने पर जांच कराने के निर्देश दिए। इसके साथ अलग-अलग टेंडर निकालने पर कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार जाने का प्लान हुआ कैंसल, गाजियाबाद आकर व्यापारी दोस्त ने मारी गोली

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद की नेहरू नगर कॉलोनी में गोलियों से छलनी लाश मिलने से हड़कंप मच गया। घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया गया तो जांच में पता चला कि मरने वाला शख्स ऋषभ गुप्ता है जो कि एक व्यापारी है। पंचवटी इलाके में रहने वाले ऋषभ को उसे दोस्तों के सामने मार दिया गया। हत्या के बारे में और खुलासा हुआ तो मामला व्यापार से जुड़े लेन-देन का निकलकर सामने आया है। पुलिस उपायुक्त (शहर) राजेश कुमार ने बताया कि मृतक ऋषभ गुप्ता एक व्यापारी था और पंचवटी कॉलोनी में रहता था। उन्होंने बताया कि ऋषभ अपने तीन दोस्तों पुलकित गोयल, अनुज शर्मा और मुकुल गोयल के साथ सोमवार रात को गाजियाबाद से हरिद्वार के लिए निकला था, लेकिन ये लोग रास्ते से ही वापस आ गए और फिर ये घटना घटी। पुलिस ने मुकुल को गिरफ्तार कर लिया है। उसने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि हरिद्वार जाने के बजाय वे लोग मेरठ से वापस गाजियाबाद आ गए और जब वे नेहरू नगर पहुंचे, तो अनुज ने ऋषभ पर गोली चला दी। गोली उसके सिर में लगी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद तीनों दोस्त लाश और देसी पिस्तौल सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि चारो व्यक्ति बिजनेस पार्टनर थे। उन लोगों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर भी विवाद चल रहा था। हो सकता है कि इसी चक्कर में उसके ऊपर गोली चलाई गई हो। पुलिस ने मुकुल को गिरफ्तार कर लिया है बाकी के अन्य दो पुलकित और अनुज फरार हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद से सहमी ओडिशा सरकार, पुरी के जगन्नाथ मंदिर पर बड़ा कदम

पुरी, एजेंसी। तिरुपति लड्डू में जानवर की चर्बी पाए जाने के आरोपों के बीच ओडिशा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को ओडिशा सरकार ने जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करने का निर्णय लिया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में लड्डू बनाने में जानवर की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल के आरोपों के बाद यह फैसला लिया गया है। पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि हालांकि यहां ऐसे किसी आरोप का सामना नहीं करना पड़ा है, लेकिन प्रशासन कोठा भोग (देवताओं के लिए प्रसाद) और बराड़ी भोग (ऑर्डर पर प्रसाद) की तैयारी में उपयोग किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि ओडिशा मिल्क फेडरेशन (ओमफेड) ही पुरी मंदिर के लिए घी का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, हालांकि, किसी भी प्रकार की मिलावट के डर को कम करने के लिए ओमफेड द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले घी की मानक की जांच करने का निर्णय लिया गया है। स्वैन ने कहा कि मंदिर में प्रसाद तैयार करने वाले सेवकों के साथ भी इसकी चर्चा भी की जाएगी।

मुंबई वालों को जल्द मिलेगी नई सौगात; पहली भूमिगत मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी

मुंबई , एजेंसी। मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो या एक्वा लाइन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इसके पहले चरण में ट्रेन का परिचालन सुरक्षा मंजूरी मिलते ही आरे कॉलोनी से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच शुरू हो जागा। सीनियर अधिकारी ने मंगलवार को यह अपडेट दिया। आरे कॉलोनी और बीकेसी के बीच 12.5 किमी लंबा मेट्रो मार्ग 33.5 किमी लंबी कोलाबा-सीप्ज-आरे मेट्रो लाइन-3 का हिस्सा है। इस तरह मुंबई के लोगों को यातायात में सुविधा के लिहाज से जल्द ही बड़ी सौगात मिलने वाली है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने पत्रकार वार्ता में अधिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो लाइन-3 पर जल्द ट्रेन का ऑपरेशन शुरू होगा, क्योंकि अब महज मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त की मंजूरी मिलनी बाकी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 2 मंजूरियों की आवश्यकता थी। इसमें से उन्हें रोलिंग स्टॉक (मेट्रो ट्रेन) के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि रेल लाइन के लिए आवेदन स्वीकृति के लिए लंबित है। इसमें से 12.5 किलोमीटर लंबे आरे कॉलोनी से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मार्ग का उद्घाटन अक्टूबर के पहले सप्ताह में हो सकता है।

गाजियाबाद में चल रहा था धर्मांतरण का खेल, 12 गरीब हिंदू परिवारों को बनाया ईसाई

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के नंदग्राम थानाक्षेत्र के सेवानगर में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का खुलासा होने पर जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ईसाई मिशनरियों द्वारा बीमारी के इलाज, शादी और पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। विदेशी फंडिंग की आशंका के चलते इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान के पीटीआई और उसके साथियों के बैंक खातों की डिटेल खंगाली जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान का पीटीआई जेराल्ड मैथ्यूज मैसी और उसके साथी गरीब और जरूरतमंद लोगों को बीमारी के इलाज, शादी-रोजगार का झांसा देकर जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें ईसाई धर्म के रीति-रिवाज के मुताबिक प्रार्थना सभा में आने के लिए प्रेरित करते थे। वहां कुछ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक

सुविधाएं मुहैया कराकर अन्य लोगों को धर्म अपनाने के लिए कहते थे।

बजरंग दल धर्म जागरण प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक नवीन सिंह का कहना है कि धर्मांतरण कराने वाला गिरोह गाजियाबाद के साथ आसपास के जिलों में भी सक्रिय है। गिरोह अब तक हजारों लोगों को धर्म परिवर्तन करा चुका है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मकान में ईसाई धर्म की पुस्तकें और प्रचार-प्रसार की सामग्री मिली है। अंदेशा है कि बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया है। बजरंग दल धर्म जागरण प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक नवीन सिंह के मुताबिक, गिरोह ने नंदग्राम थानाक्षेत्र के 11 परिवारों का धर्म परिवर्तन कराया। इसके अलावा संजय नगर सेक्टर-23 स्थित एक परिवार के धर्मांतरण करने का भी पता चला है। गाजियाबाद के कई अन्य इलाकों में भी इस गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई है। इस संबंध में संगठन अपने स्तर से खोजबीन कर रहा है। इन्ग्राहम शिक्षण संस्थान के पीटीआई जेराल्ड मैथ्यूज मैसी और उसके साथियों के पकड़े जाने का पता लगते ही कुछ लोग विरोध जताने नंदग्राम थाने पहुंच गए। उन्होंने धर्मांतरण के आरोप को गलत बताते हुए हंगामा किया। बताया जा रहा कि जेराल्ड मैथ्यूज मैसी के समर्थन में पहुंचे लोग गाजियाबाद के अलावा आसपास के जिलों से आए थे। वहीं, बजरंग दल के नवीन सिंह का कहना है कि यह सभी लोग वह हैं, जिनका धर्मांतरण कराया जा चुका है।

नोएडा के पास होगी राफेल और मिराज की मरम्मत, डसॉल्ट बनाएगी एमआरओ हब

नोएडा , एजेंसी। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल और मिराज-2000 की मरम्मत और रखरखाव का कार्य नोएडा के निकट किया जाएगा। फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट इन लड़ाकू विमानों के लिए नोएडा के निकट एमआरओ यानी रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल सुविधा केंद्र स्थापित करेगी। इस केंद्र को छह महीने के अंदर धरातल पर उतारने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा जेवर में एयरपोर्ट के पास भी कॉमर्शियल विमानों के लिए एमआरओ हब प्रस्तावित है। सूत्रों ने बताया कि डसॉल्ट की नई इकाई डसॉल्ट एविएशन मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल इंडिया (डीएएमआरओआई) का परिचालन छह महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। यह धीरे-धीरे अपनी गतिविधियों का विस्तार करेगी। डसॉल्ट में पहले अपनी सेवा दे चुके पोसिना वेंकट राव को नई इकाई का सीईओ नियुक्त किया गया है। बता दें कि भारतीय वायुसेना 36 राफेल और 50 मिराज-2000 विमानों के बेड़े का संचालन करती है। इसके अलावा भारत 26 राफेल समुद्री विमानों के लिए फ्रांस के साथ एक सौदे पर बातचीत कर रहा है, जिन्हें आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाना है। समुद्र में निरंतर युद्ध संचालन के लिए बनाए गए दो इंजन वाले डेक-आधारित फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों का सौदा लगभग 50 हजार करोड़ रुपये में होने का अनुमान है। विकसित किया जाना है। एयरपोर्ट का निर्माण कर रही ज्यूरिख कंपनी ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) निकाली है।

केंद्र की नमस्ते योजना में शामिल होंगे गुरुग्राम के कूड़ा बीनने वाले, स्वास्थ्य बीमा सहित मिलेंगे कई फायदे

गुरुग्राम, एजेंसी। कूड़ा बीनने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में कूड़ा बीनने वाले पांच हजार से अधिक लोगों को अब केंद्र सरकार की 'नमस्ते योजना' में शामिल किया जाएगा। जून में हुई स्थायी वित्त समिति की बैठक में इसे हरी झंडी मिल चुकी है। इसको लेकर शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भी इसका नोटिफिकेशन मिल गया है।योजना को लागू करने और कूड़ा बीनने वालों को इसका लाभ दिलाने के लिए के लिए प्रदेश के सभी नगर निगम को पत्र लिखा गया है। योजना में शामिल होने से कूड़ा बीनने वाले लोगों को सरकार की कई योजनाओं को फायदा तो मिलेगा ही, साथ में उन्हें कूड़ा उठाने के लिए पीपीई किट समेत स्वास्थ्य बीमा का भी लाभ मिलेगा। इसको लेकर उन्हें नगर निगम की तरफ से सही तरीके से कूड़ा बिनने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों के कल्याण के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना, नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन ईकोसिस्टम (नमस्ते) योजना शुरू की गई है। इसमें पूर्ववर्ती मैनुअल स्कैवेंजर्स (एमएस) के पुनर्वास के लिए स्वरोजगार के घटक शामिल हैं। स्थायी वित्त समिति ने 20 जून को आयोजित अपनी बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 से 'नमस्ते योजना' में तीसरे घटक के रूप में कचरा बीनने वालों को शामिल करने को मंजूरी दे दी थी।

योजना में कचरा बीनने वाले घटक का मुख्य उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में कचरा बीनने वालों को एकीकृत करना है। अपशिष्ट संग्रहण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण में उनके योगदान को मान्यता देना और उसे मजबूत करना है, उन्हें मान्यता प्रदान करना, सुरक्षित और टिकाऊ कार्य वातावरण प्रदान करना, सामाजिक सुरक्षा, एबी-पीएमजेएवाई के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान करना और विभिन्न योजनाबद्ध और गैर-योजनाबद्ध हस्तक्षेपों के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाकर सुरक्षित करना योजना का मकसद है। डिजिटल ऐप्लिकेशन के जरिये इन कर्मचारियों की पंजीकृत करना। पीपीई किट, सुरक्षा उपकरण, और स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलेगा। व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें स्वच्छता से जुड़े वाहनों और मशीनों के लिए सब्सिडी मिलेगी। खुद का स्वच्छता उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सुरक्षा और सम्मान के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मानव मल के साथ सीधे संपर्क से बचाया जाएगा। कामकाज के दौरान सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शहरों में कचरे के पहाड़ बढ़ने की वजह से दिक्कत वर्ष 2000 में देश के पहले नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियमों का उद्देश्य सुरक्षित लैंडफिल में कचरे को इकट्ठा करना, परिवहन और निपटान करना था।

भूपेश बघेल ने सीजेआई चंद्रचूड़ को लिखा पत्र

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। उन्होंने सीजेआई से राज्य में केंद्रीय और राज्य जांच एजेंसियों के कामकाज की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच का आदेश दिए जाने की मांग की है। भूपेश बघेल ने प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र में यह भी शिकायत की है कि सूबे में विभिन्न अपराधों से जोड़ने के लिए उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। भूपेश बघेल ने 21 सितंबर को लिखे पत्र में कहा है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी, निष्ठा और गरिमा के साथ पालन किया। छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन में कथित अवैध वसूली के एक प्रकरण की जांच ईडी बीते चार वर्षों से कर रही है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद राज्य की एसीबी/ईओडब्ल्यू की ओर से भी एक केस दर्ज किया गया है। ईडी की ओर से गिरफ्तार किए गए आरोपियों को एसीबी/ईओडब्ल्यू ने भी नए केस में जेल में बंद कर रखा है। इनमें से एक सूर्यकांत तिवारी नाम का व्यापारी भी है।

गुरुग्राम में अब नो पार्किंग से वाहन उठने का मैसेज मोबाइल पर आएगा

गुरुग्राम , एजेंसी। अब नो पार्किंग पर खड़े वाहन को उठाने का मैसेज संबंधित वाहन मालिक के मोबाइल पर आएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने सीआईडी विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर इसका आग्रह किया है। इसमें जीएमडीए ऐप को केंद्र सरकार के वाहन ऐप से लिंक करवाने में मदद करने को कहा है। अब तक यह दोनों ऐप लिंक नहीं होने से नो पार्किंग से वाहन को उठाने के दौरान वाहन मालिक को परेशान होना पड़ता है। उसे पता नहीं चलता है कि अवैध पार्किंग के चलते उसका वाहन उठाया गया है या वाहन चोरी हो गया है। वाहन मालिक को इधर-उधर भटकना पड़ता है।

गुरुग्राम की सड़कों पर भारत के हर प्रदेश में पंजीकृत वाहन दौड़ते हैं। सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को ट्रैफिक पुलिस की तरफ से

जीएमडीए की उपलब्ध क्रेन की मदद से उठवाया जाता है। वाहनों को छोड़ने के एवज में ट्रैफिक पुलिस चालान करती है। क्रेन से वाहन को उठाने की एवज में 1000 रुपये अलग से शुल्क वसूल किया जाता है। इसमें आधी राशि जीएमडीए के खाते में तो आधी क्रेन मालिक के खाते में जाती है। मौजूदा समय में क्रेन के माध्यम से अवैध पार्किंग में खड़ी कार को उठा लिया जाता है। वाहन मालिक के पास किसी तरह का मैसेज नहीं जाता है। वाहन नहीं मिलने के दौरान उसे भटकना पड़ता है। कई बार तो पुलिस कंट्रोल रूम में वाहन चोरी को लेकर शिकायत दी जाती है। जहां से उन्हें क्रेन की तरफ से वाहन उठाकर ले जाई गई, जगह पर भेज दिया जाता है। वाहन को देखकर वाहन मालिक की तरफ से राहत की सांस ली जाती है। जीएमडीए से मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुग्राम की सड़कों से करीब 1.40 लाख वाहनों को क्रेन की मदद से ट्रैफिक पुलिस की तरफ से उठवाया जा चुका है। इन वाहनों का डेटा जीएमडीए की ऐप में फीड हो चुका है। यदि इन वाहनों को क्रेन द्वारा दोबारा उठाया जाता है तो इनके पास नो पार्किंग से वाहन उठने का मैसेज पहुंच जाएगा। इन लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। इससे नियमों का भी पालन होगा। उद्योग विहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव एपी जैन ने बताया कि उद्योग विहार में ट्रैफिक पुलिस और जीएमडीए ने कारोबारियों को परेशान किया हुआ है। पार्किंग का बंदोबस्त किए बिना उद्योगों के बाहर खड़े वाहन उठाए जा रहे हैं। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका है। उद्योग विहार में 10 एकड़ जमीन में पार्किंग बननी थी, जिस जमीन को बिल्डर को एचएसआईआईडीसी ने बेच दिया है।

पत्नी ने नहीं मानी बात, गुरुग्राम में हैवान पति ने कैंची-बर्फ के टुकड़ों से किए वार; मायके के बाहर फेंककर भागा

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर-111 स्थित अपार्टमेंट में 44 साल की महिला पर उसके पति ने कैंची और बर्फ के टुकड़ों से कई बार हमला किया। जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने गुरुवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, मीनाक्षी सरोहा नाम की पीड़िता पर हमला करने के बाद, उसके पति ने उसे कार में बिठाया और 36 किलोमीटर दूर बहादुरगढ़ के सेक्टर 37 में एचएल सिटी स्थित उसके मायके ले गया। फिर उसे वहां फेंककर उसके परिवार को बाहर बुला लिया।

पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर पर घाव और खून बहता दिखने सहित कई गंभीर चोटों को देखकर उसके भाई अमित जून और उसकी पत्नी विक्की देवी ने आरोपी पति को कार से बाहर निकाला। उन्होंने मीनाक्षी को कार में बिठाया और इलाज के लिए तुरंत झज्जर में रोहतक रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। स्टेशन हाउस ऑफिसर (बजघेरा) इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कुमार ने कहा, फिलहाल पति फरार है और पुलिस की एक टीम ने सोमवार शाम सेक्टर-111 स्थित उनके किराए के अपार्टमेंट पर छापा मारा, लेकिन वह वहां नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे संदिग्ध ने मीनाक्षी के भाई अमित जून को फोन किया और कनाडा में शिफ्ट होने की योजना पर चर्चा करने के लिए उनके अपार्टमेंट में आने को कहा। हालांकि, जून दूसरे कमिटमेंट्स की वजह से मिलने नहीं आ सका।

मुख्यमंत्री के सुपुत्र बनेंगे डिप्टी सीएम? तमिलनाडु में बड़े फेरबदल के आसार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम सरकार में बड़े फेरबदल के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर लंबे समय से अटकलों का दौर जारी है और अब मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इसके संकेत दे दिए हैं। फिलहाल, उन्होंने यह साफ नहीं किया है कि किन विभागों में बदलाव होंगे, लेकिन संभावनाएं जताई जा रही हैं कि उनके बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को संकेत दिया कि खेल मंत्री एवं उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाएगा। जब पत्रकारों ने स्टालिन से मंत्रिमंडल में फेरबदल और कुछ समय से उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाओं के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'कोई निराशा नहीं होगी, बदलाव होगा।' एक अन्य सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उत्तरपूर्व मॉनसून से निपटने के लिए तैयार है और राज्य के मुख्य सचिव ने पहले ही शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा की है और वह भी अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

विपक्ष की उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान हासिल

किए निवेश पर श्वेत पत्र लाने की मांग पर स्टालिन ने कहा कि उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने पहले ही एक बयान दिया है और 'वह भी अपने आप में एक श्वेत पत्र है।' स्टालिन की अमेरिकी यात्रा के दौरान राज्य सरकार ने 18 कंपनियों के साथ कुल 7,616 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। उदयनिधि ने 18 सितंबर को कहा था कि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने संबंधी फैसला मुख्यमंत्री स्टालिन लेंगे और अगले ही दिन तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री टी.एम. अंबारासन ने कहा था कि उदयनिधि को जल्द ही उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

हम कंगना रनौत के खिलाफ दर्ज कराएंगे मानहानि का मुकदमा : विक्रमादित्य सिंह

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रमादित्य सिंह ने बीजेपी सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने अभिनेत्री से सोनिया गांधी से माफी की मांग की है। कांग्रेस नेता ने दो टूक कहा कि अगर अभिनेत्री ने सोनिया गांधी से माफी नहीं मांगी तो हम उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। विक्रमादित्य सिंह ने कंगना रनौत के उस बयान पर गुस्सा जाहिर किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी अनुशंसा के दम पर केंद्र से फंड जारी कर सोनिया गांधी के खाते में डलवाते हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने अभिनेत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा कि उनके बारे में अब क्या ही कहा जाए। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि वो ज्यादा पढ़ी लिखी भी नहीं हैं। ऐसे में अब उनके बारे में क्या ही टिप्पणी की जा सकती है। कांग्रेस

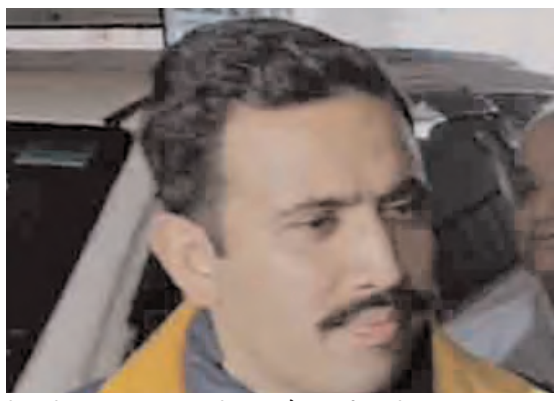

नेता ने कहा, हम सबको पता है कि केंद्र से सहयोग ड्राफ्ट और अन्य माध्यम से आता है। मैं कंगना को चैलेंज करता हूं कि वह एक रुपए का भी ऐसा लेन-देन दिखा दे। कंगना रनौत को अपने बयान से जुड़े हुए तथ्य पेश करने चाहिए। अगर वह इससे जुड़े तथ्य पेश नहीं कर सकती, तो उन्हें सोनिया गांधी से माफी मांग लेनी चाहिए। अगर एक रुपए की भी हेर-फेर का तथ्य उनके पास है, तो पेश करके दिखाएं, नहीं तो उन्होंने जो सोनिया गांधी पर बेकार के लांछन लगाए हैं। उसके खिलाफ उनके ऊपर मानहानि का दावा ठोकेंगे।

उन्होंने कहा, मंडी की सांसद कंगना रनौत वैसे तो हिमाचल आती नहीं है। आज कल सेंसर बोर्ड ने उनकी फिल्म ब्लॉक कर दी है, इसलिए शायद वे गम में इन दिनों हिमाचल आई हैं और अपने घर पर बैठकर बेतुकी बयानबाजी कर रही हैं, जिसका कोई औचित्य और सिर पैर नहीं है। उन्होंने आगे कहा, ये कहना कि केंद्र से जो सहयोग हिमाचल को आ रहा है या जो हिमाचल प्रदेश की सरकार पैसा विकास कार्य में योगदान कर रही है, वो सोनिया गांधी को दिया जा रहा है। इससे बड़ा मूर्खता भरा बयान कोई नहीं हो सकता है, जिससे उनकी शिक्षा के स्तर का भी पता चलता है।

प्रतिभा सिंह ने भी अभिनेत्री कंगना रनौत के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, सांसद कंगना रनौत बिना तथ्य की बयानबाजी कर रही हैं। ऐसा कोई कैसे सोच सकता है कि केंद्र से आ रही सहायता और राज्य के लिए लिया जा रहा कर्ज सोनिया गांधी के खाते में जा रहा होगा। ऐसा बयान उनकी मानसिकता को दर्शाता है। इस तरह का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बता दें कि अभिनेत्री कंगना रनौत ने शिमला के एक गांव में भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सुखविंदर सिंह केंद्र सरकार से फंड लेकर सोनिया गांधी के खाते में पैसे डाल देते हैं।

फ्लैट में घुसकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर को पीटा, तीसरी मंजिल से फेंका; घर में की तोड़फोड़

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की निधिवन सोसाइटी में पड़ोसियों ने फ्लैट में घुसकर मारपीट के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर को तीसरी मंजिल से फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। चाचा ने पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की रीढ़, पैर और आंख के नीचे की हड्डी टूट गई है। चाचा की शिकायत पर पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है।

क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के ग्रींस एन्क्लेव न्यू शांतिनगर निवासी रामानंद का कहना है कि भतीजा ऋषिराज सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह मूलरूप से ग्राम कारी सोवा थाना वजीरगंज जिला गया बिहार का रहने वाला है। ऋषिराज उनके बराबर में निधिवन सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रहता है। रामानंद का कहना है कि 20 सितंबर की रात साढ़े 11 बजे ऋषिराज उनके यहां से खाना खाकर अपने फ्लैट पर गया था। आरोप है कि उसी समय उसके पड़ोस वाले फ्लैट में रहने वाला अंकित कुमार अपने साथ कृष्णवीर, सोनू, आयुषी और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ ऋषिराज के फ्लैट पर पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने हत्या करने के इरादे से तीसरी मंजिल से ऋषिराज को धक्का दे दिया और फरार हो गए। रामानंद का कहना है कि शोर-शराबा सुनकर वह मौके पर पहुंचे तो ऋषिराज गंभीर हालत में जमीन पर पड़ा मिला। इसके बाद वह उसे एमएमजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन गंभीर हालत में ऋषिराज को दिल्ली के इंडियन स्पाइन इंजरी सेंटर बसंतकुंज रेफर कर दिया गया।

सार समाचार

कोहली और पंत रणजी खेल सकते हैं

- 2019 के बाद पहली बार दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की सूची में नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी 2024-24 के कुछ मैच खेल सकते हैं। 2019 के बाद पहली बार इन दोनों खिलाड़ियों को दिल्ली के संभावितों की सूची में शामिल किया गया है। जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को जगह नहीं दी गई है। बुधवार को दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने 84 खिलाड़ियों की सूची जारी की।

विराट कोहली ने आखिरी रणजी मुकाबला 2012-13 के सीजन में खेला था। जबकि ऋषभ पंत ने 2015 में आखिरी रणजी मैच खेला था। रणजी ट्रॉफी का मौजूदा सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। दिल्ली का पहला मुकाबला छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला जाएगा, हालांकि इस मुकाबले का वेन्यू तय नहीं है।

कुछ ही मैच खेल सकेंगे कोहली और पंत कोहली और पंत मौजूदा रणजी के कुछ ही मैच खेल सकेंगे, क्योंकि टीम टीम को अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 मैच खेलने हैं। फिर 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज भी होनी है। इसी बीच, 11 अक्टूबर से दिल्ली का रणजी मैच भी होगा।

ऐसे में विराट कोहली इस मुकाबले का हिस्सा हो सकते हैं, क्योंकि वे टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं, जबकि ऋषभ पंत को टी-20 सीरीज से आराम दिया जा सकता है। ईशांत शर्मा का नाम नहीं; सैनी, बडोनी, रावत और धुल शामिल संभावितों की सूची में तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। इस सूची में कोहली और पंत के अलावा, नवदीप सैनी, आयुष बडोनी, अनुज रावत और यश धुल जैसे बढ़े खिलाड़ियों को मौका दिया गया था।

एम्बाप्पे ने फिर दागा गोल, रियाल मैड्रिड को दिलाई एक और जीत

मैड्रिड, एजेंसी। किलियन एम्बाप्पे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछले पांच मैच में अपना छठा गोल दागा जिससे रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस को 3-2 से हराया। एम्बाप्पे को खेल के 40वें मिनट में बॉक्स के अंदर गेंद मिली और उन्होंने एक डिफेंडर को छकाकर बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में बदल दिया। एम्बाप्पे को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 80वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा था। लुकास वाजक्वेज और रोड्रिगो ने भी मैड्रिड की तरफ से गोल किए। इससे मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में अपने अजेय अभियान को 39 मैच तक पहुंचा दिया है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं।

अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की मदद से वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन अंतिम क्षणों में कुछ अच्छे मौके मिलने के बावजूद वह बराबरी नहीं कर पाया।

ऑस्ट्रेलिया की जीत का सिलसिला खत्म

इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की 14 मैच की जीत का सिलसिला खत्म हो गया। उनकी आखिरी वनडे हार पिछले साल विश्व कप में लखनऊ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई थी। चेस्टर-ले-स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड पर खेले गए इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरे वनडे मैच में कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही।

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने मंगलवार 24 सितंबर 2024 की देर रात (भारतीय समयानुसार 25 सितंबर 2024 को 00:53 बजे) पांच मैच की सीरीज के तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 46 रन (डीएलएस पद्धति) से हरा दिया। इंग्लैंड की जीत में हैरी ब्रूक और विल जैक्स की तेज और जिम्मेदारी भरी पारियों ने अहम भूमिका निभाई। हैरी ब्रुक 13 चौके और 2 छक्के की मदद से 94 गेंद में 110 रन बनाकर नाबाद रहे। विल जैक्स ने 9 चौके और एक छक्के की मदद से 82 गेंद में 84 रन की पारी खेली।

सितंबर 2020 में आखिरी बार जीता था: इंग्लैंड ने इसके साथ ही 4 साल का सूखा खत्म किया। इंग्लैंड की यह ऑस्ट्रेलिया पर लगातार सात हार के बाद पहली वनडे जीत है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की पिछले वनडे जीत 13 सितंबर 2020 को मैनचेस्टर में आई थी। तब इंग्लैंड ने 24 रन से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। उस मैच में इंग्लैंड की कमान इयोन मॉर्गन और ऑस्ट्रेलिया की एरोन फिंच के हाथों में थी।

कैरी, मैक्सवेल, हार्डी की पारियों पर फिर पानी: ऑस्ट्रेलिया ने 34.3 ओवर में 5 विकेट पर 172 रन ही बनाये थे। हालांकि, निचले-मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए आए एलेक्स कैरी (65 गेंद, 77 रन, 7 चौके, एक छक्का), ग्लेन मैक्सवेल (25 गेंद, 30 रन, 5 चौके), एरोन हार्डी (26 गेंद, 44 रन, 3 चौके, 2 छक्का) ने तेजी से रन बनाये।

इसी का नतीजा था ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 ओवर में 7 विकेट पर 304 रन तक पहुंच पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने 37.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 254 रन बना लिये थे। उसके बाद बारिश आ गई। बारिश बहुत ज्यादा नहीं थी, लेकिन लगातार होने के कारण खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा। अंपायर्स को भी काफी परेशानी हुई। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अभी 2-1 से आगे

लगातार बूंदाबांदी जब थोड़ी तेज हुई तो अंपायर्स ने खेल रोक दिया। करीब 45 मिनट तक जब बारिश नहीं रुकी तो डीएलएस पद्धति के आधार पर इंग्लैंड को विजेता घोषित कर दिया गया। हालांकि, श्रृंखला अब भी जीवंत है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे है और दो मैच होने बाकी हैं। मेजबान टीम के लिए यह बहुत जरूरी जीत थी। इससे सीरीज के बाकी मैच के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, टॉस भी एक अहम कारक साबित हुआ। लगातार बारिश के कारण सोमवार को मैदान को कवर किया गया था। इसका मतलब था कि पिच पर इंग्लिश गेंदबाजों के लिए पर्याप्त मसाला था और वे स्कोरिंग दर पर अंकुश लगा सकते थे। अतिरिक्त उछाल, सीम से और हवा में मूवमेंट वे प्रमुख योगदानकर्ता रहे, जिसने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को डिफेंसिव दृष्टिकोण अपनाने के लिए मजबूर किया।

मिचेल स्टार्क ने अपने दूसरे ओवर में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें यहीं खत्म हो गईं। विल जैक्स और हैरी ब्रूक के बीच 156 रन की साझेदारी ने घरेलू टीम के लिए लगभग जीत पक्की कर दी।

हालांकि, जैक्स शतक से चूक गए, लेकिन ब्रुक ने अपना पहला वनडे शतक बनाया। वह अंत तक टिके रहने के लिए दृढ़ संकल्पित दिखे।

348 दिन बाद हारा ऑस्ट्रेलिया, वनडे सीरीज हुई रोमांचक

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने शतक जमाकर रचा इतिहास

चौथी कक्षा के बाद नहीं ली क्लास फिर भी स्कूल ने दी 90 लाख की गाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में कई सालों तक शतरंज का केवल का एक ही चेहरा था, नाम था विश्वनाथन आनंद। कई सालों तक आनंद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल्स जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। कई सालों तक आनंद के अलावा कोई और यह कामयाबी हासिल नहीं कर सका।

हालांकि 2024 में यह स्थिति अलग है। भारत में एक नहीं कई ऐसे नाम हैं जिन्हें आनंद का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इसमें प्रमुख नाम है डी गुकेश। 18 साल का यह खिलाड़ी कई ऐसे कारनामे कर चुका है जो भारत के लिए अब तक केवल आनंद ने ही किए हैं।

17 साल की उम्र में कैंडिडेट्स चैंपियन बने गुकेश

डी गुकेश ने इस साल 17 साल की उम्र में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता। इस टूर्नामेंट को जीतने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी थे। वहीं आनंद के बाद यह कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे। इतनी कम उम्र में गुकेश की यह सफलता आपको हैरान कर सकती है लेकिन इस सफलता के लिए बहुत कुछ त्याग किया है। गुकेश ने भले ही लगातार स्कूल जाना छोड़ दिया हो लेकिन उनका स्कूल उनकी हर कामयाबी का जश्न मनाता है।

गुकेश जब कैंडिडेट्स जीतकर देश लौटे तो वेलामल विघालय अयनामबक्कम ने एक बड़ा कार्यक्रम रखा। इस कार्यक्रम में गुकेश को गिफ्ट के तौर पर 90 लाख रुपए की मर्सिडीज बेंज दी थी। सिर्फ गुकेश नहीं बल्कि वर्ल्ड कप के रनरअप आर प्रज्ञानंद भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं। वहीं विश्वनाथन आनंद भी इसी स्कूल के छात्र हैं।

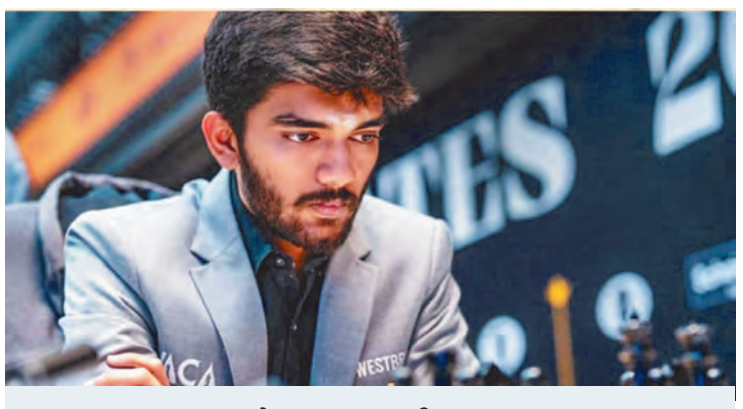

गुकेश लगातार नहीं गए स्कूल

गुकेश ने चेस बेस इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने आम बच्चों की तरह बचपन नहीं जिया। वह चौथी के बाद लगातार स्कूल नहीं गए। हालांकि उन्हें इस बात का अफसोस नहीं है। गुकेश का यह भी कहना है कि वह पढ़ाई में बहुत अच्छे थे और जब तक लगातार स्कूल गए वह टॉपर थे। इसके बाद उन्होंने एक ही चीज पर फोकस करने का फैसला किया और शतरंज को चुना।

7 छक्के, 86 चौके और 498 रन...

द्रोण देसाई ने बल्ले से मचाई तबाही

नईदिल्ली,एजेंसी। 18 साल के द्रोण देसाई ने दीवान बल्लूभाई कप अंडर-19 मल्टीडे टूर्नामेंट के दौरान 498 रन बनाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवाया. उन्होंने अपनी पारी से मैदान में गदर काट दिया. मंगलवार को गांधीनगर के शिवाय क्रिकेट मैदान पर द्रोण ने जेएल इंग्लिश स्कूल के खिलाफ अपने स्कूल सेंट जेवियर्स (लोयोला) के लिए यह प्रचंड पारी खेली.

द्रोण देसाई ने अपनी मैराथन पारी के दौरान 320 गेंदों का सामना किया, इसमें सात छक्के और 86 चौके शामिल थे. रिपोर्ट के मुताबिक- यह वार्षिक टूर्नामेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ क्रिकेट अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया जाता है जो गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत आता है.

देसाई ने मैच के बाद कहा कि वह इस बात से निराश हैं कि वह 500 रन के आंकड़े से चूक गए क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह इस रिकॉर्ड के इतने करीब हैं. देसाई ने कहा- मैदान में कोई स्कोरबोर्ड नहीं था और मेरी टीम ने मुझे नहीं बताया कि मैं 498 रन पर बल्लेबाजी कर रहा हूं, मैंने स्ट्रोक खेला और आउट हो गया लेकिन मुझे खुशी है कि मैं उन रनों को बनाने में कामयाब रहा.

द्रोण ने कहा- मैंने सात साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया और मेरे पिता ने मुझे बहुत पुश किया क्योंकि उन्हें लगा कि मेरे अंदर एक अच्छा क्रिकेटर बनने की क्षमता है. वह मुझे जेपी सर (जयप्रकाश पटेल) के पास ले गए जिन्होंने 40 से ज्यादा क्रिकेटरों को कोचिंग दी थी.

द्रोण देसाई की पारी के बदौलत उनकी टीम ने जेएल इंग्लिश स्कूल पर एक पारी और 712 रन से जीत दर्ज की. अपनी टीम के लिए तीसरे नंबर के बल्लेबाज देसाई गुजरात अंडर 14 टीम के लिए खेल चुके हैं और अब उन्हें राज्य की अंडर 19 टीम में जगह मिलने की उम्मीद है.

प्रणव धनावड़े ने बनाए थे कभी 1009 नॉट आउट

देसाई इतना बड़ा स्कोर बनाने वाले देश के छठे बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले मुंबई के प्रणव धनावड़े (नाबाद 1009), पृथ्वी शॉ (546), डॉ. हवेवाला (515), चमनलाल (नाबाद 506) और अरमान जाफर (498) एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाकिस्तानी टीम का ऐलान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मंगलवार 24 सितंबर की देर रात 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की टीम में वापसी हुई है। अफरीदी को खराब फॉर्म के कारण इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच 7 से 11 अक्टूबर तक मुल्तान में होने वाला है।

पाकिस्तान टीम:

शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, मीर हमज़ा, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), नसीम शाह, नोमान अली, सैम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर) और शाहीन शाह अफरीदी।

सीपीएल 2024:

जॉनसन चार्ल्स ने खेली तूफानी पारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सीपीएल 2024 की पिच पर 24 सितंबर की शाम छक्कों की बारिश देखने को मिली. 35 साल के एक बल्लेबाज ने इस मैच में इतने छक्के मारे कि सीपीएल के इस सीजन में वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला बल्लेबाज बन गया. त्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ सेंट लुसिया किंग्स की ओर से खेल रहे इस बल्लेबाज का नाम जॉनसन चार्ल्स था. 35 साल के चार्ल्स मिजाज से विस्फोटक बैटर हैं. और, इस मैच में उन्होंने खेला भी उसी अंदाज में. उन्होंने छक्कों की बारिश करने के अलावा अपने कप्तान फाफ डु प्लेसी के साथ इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स के लिए पार्टनरशिप का रिकॉर्ड भी तोड़ा.

मुकाबले में टॉस जीतकर त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने सेंट लुसिया किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा. लेकिन, ये दांव उलटा पड़ गया क्योंकि ओपनिंग करने उतरे सेंट लुसिया किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स विकेट पर आकर जम गए. विकेट के दोनों छोर से रनों की बारिश होने लगी. और, जब ऐसा हुआ तो एक रिकॉर्ड पार्टनरशिप की स्क्रिप्ट लिखी गई.

डु प्लेसी और चार्ल्स के बीच रिकॉर्ड पार्टनरशिप

फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स ने मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए हुआ सेंट लुसिया किंग्स का 139 रन का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. डु प्लेसी और चार्ल्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ ओपनिंग विकेट के लिए 145 रन जोड़े. ये जोड़ी तब टूटी जब जॉनसन चार्ल्स की 40 गेंदों वाली दमदार और कमाल की पारी पर ब्रेक लगा.

जॉनसन चार्ल्स ने 40 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ 89 रन बनाए. 222.50 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में जमाए 8 छक्कों के बाद जॉनसन चार्ल्स सीपीएल 2024 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उनके नाम अब 25 छक्के हो गए हैं. इसी के साथ चार्ल्स ने अब तक 24 छक्के लगाने वाले क्विंटन डिकॉक को पीछे छोड़ दिया है.

फाफ डु प्लेसी ने भी अर्धशतक जड़ा और 43 गेंदों पर 59 रन बनाए. इन दोनों के अलावा टिम सिफर्ट ने 30 रन बनाए. इस तरह सेंट लुसिया किंग्स 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 218 रन बनाने में कामयाब रही.

अब त्रिनबागो नाइट राइडर्स के सामने 219 रन का लक्ष्य था. लेकिन, टीम में पोलार्ड, रसेल, पूरन जैसे नाम वाले खिलाड़ी होने के बाद भी ये टीम टारगेट को चेज करने से 80 रन दूर रह गई.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में जर्मनी की मेजबानी करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में दिल्ली में दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगी। भारतीय हॉकी टीम आत्मविश्वास से लबरेज है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बरकरार रखा है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हासिल की। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक शानदार और यादगार प्रदर्शन होगा।

भारत और जर्मनी दोनों का इस खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले का लुत्फ उठाने का मौका देगी। हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा।

पिछली बार भारत का सामना जर्मनी से पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हुआ था, जहां यूरोपीय दिग्गज टीम 3-2 से विजयी हुई थी। जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्ट्रिच ने कहा, भारत का हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए बहुत उत्साहित है।

यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव के लिए तत्पर हैं।

युवराज के बिना हम

2007 टी20 विश्व कप नहीं जीत पाते:श्रीसंत

जोधपुर, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत को लगता है कि तेजतर्रार ऑलराउंडर युवराज सिंह के बिना, भारत 2007 में पहला टी20 विश्व कप नहीं जीत पाता।

17 साल पहले 24 सितंबर को ही खचाखच भरे वांडरर्स स्टेडियम, जोहान्सबर्ग में भारतीय टीम ने उद्घाटन टी20 विश्व कप खिताब जीता था। भारत का मुकाबला पाकिस्तान के साथ था जहां धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की थी।

एक रोमांचक रोमांचक मुकाबले में, खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास ने भारत को जीत दिला दी और खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई। इस महत्वपूर्ण जीत पर विचार करते हुए श्रीसंत ने महसूस किया कि यह एक सामूहिक टीम प्रयास था और किसी एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत नहीं थी जिसने भारत को इतिहास बनाने की अनुमति दी।

हालांकि उन्होंने कहा कि यह सीनियर और जूनियर संयोजन था। धोनी कप्तान थे, लेकिन युवराज के बिना मुझे नहीं लगता कि हम विश्व कप जीत पाते।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

संक्षिप्त समाचार

457 वाहन से वसूला 1 लाख 2 हजार जुर्माना

आरा। भोजपुर पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर कुल 457 वाहन मालिकों से 1 लाख 2 हजार रुपया जुर्माना वसूला है। एसपी मिस्टर राज ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया की शराव,अवैध हथियार और असमाजिक तत्वों की गिरफ्तारी के लिए जिले के सभी थानाध्यक्षों को हिदायत दिया है की सभी अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर वाहन चेकिंग अभियान और छापामारी लगातार करे। उसी के आलोक में पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर कुल 457 वाहनों से हेलमेट गाड़ी का पेपर आदि की जांच में 1 लाख 2 हजार रुपया जुर्माना वसूला है।

विवि के कुलानुशासक के निधन पर शोक

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलानुशासक (प्रॉक्टर) कुमार कौशलेन्द्र के असामयिक निधन पर विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य प्रो.बलिराज ठाकुर व प्रो.विनोद कुमार सिंह ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रो.ठाकुर ने कौशलेन्द्र बाबू को विश्वविद्यालय के लिए 'ऐसेट'बताते हुए कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय के कई पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित करने को लेकर जिला प्रशासन का फूंका पुतला

आरा। बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के आरा सदर, बड़हरा व कोईलवर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग को लेकर मंगलवार को आरा पश्चिमी के जिला पार्षद सह युवा राजद के प्रदेश महासचिव भीम यादव के नेतृत्व में जिला प्रशासन का पुतला दहन अम्बेडकर चौक पर किया गया। इस दौरान जिला पार्षद भीम यादव ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि बाढ़ जैसी आपदा में जिला प्रशासन का व्यवहार ठीक नहीं है। बाढ़ पीड़ितों की समस्या जिला प्रशासन नहीं सुन रहा है और मनमानी तरीके से सरकार के पैसे का दुरूपयोग करते हुए बाढ़ राहत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गयी है। मांग किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को बाढ़ क्षेत्र घोषित कर बाढ़ पीड़ितों को उचित मुआवजा दी जाए। मांग पूरी नहीं होने पर दो दिनों के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्रखंड मुख्यालय पर धरना- प्रदर्शन करते हुए जिला मुख्यालय में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन किया जाएगा। पुतला दहन कार्यक्रम में हरीफन यादव, जिला पार्षद सोनू रजक, युवा राजद उपाध्यक्ष चलू यादव, छात्र राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुप मौर्य, विनोद सिंह, राजू यादव, अंकू, दिनेश व सत्येन्द्र चंद्रवंशी मौजूद रहे।

बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर 30 को प्रदर्शन

आरा। आरा सदर सहित भोजपुर के सभी बाढ़ग्रस्त प्रखंड को बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर आगामी 30 सितंबर को आरा अंचल कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन होगा। इसकी जानकारी देते हुए भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने बताया कि मंगलवार को बरजा गांव मे बाढ़ पीड़ितों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में भाकपा माले सदर प्रखंड कमिटी सदस्य महेश पासवान, सुरेन्द्र पासवान, बनारसी गोंड़, बब्लू कुमार, इंनौस नेता पवन पासवान, सोनी देवी, पार्वती देवी, गरजु पासवान, सचिन कुमार, राजेन्द्र यादव व संतोष यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जाम से ग्रामीणों को हो रही परेशानी

गड़हनी। आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर गड़हनी बनास नदी पुल के पास सुबह से ही रुक रुक कर जाम लगता रहा। जाम लगने से यात्रियों व स्थानीय लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । बता दे कि गड़हनी सब्जी बाज़ार के पास सड़क के किनारे नाला का निर्माण किया जा रहा है, नाला का निर्माण को ले जेसीबी मशीन से खुदाई कर मिट्टी को सड़क पर रख दिया गया है, वही नाली निर्माण को ले सड़क पर ही ढलाई को ले मसाला भी मनाया रहा था जिसको ले जाम लग रहा था। बता दे कि सब्जी बाज़ार के पास सब्जी ख़रीदने व बाजार करने को ले क्षेत्र से काफी लोग आते है। और दूसरी तरफ नाला निर्माण को ले सड़क व सड़क किनारे पर मालवा रख कर जाम कर दिया गया है। जाम करीब रुक रुक कर बार बार लग रही थी लेकिन पुलिस को कोई आता पता नही था। वही दूसरा कारण गड़हनी बनास नदी के पास से लेकर सब्जी बाज़ार तक सड़क के दोनों किनारे अवैध ठेला व दुकान भी लगाना है। यहां की जनता कब से पुलिस व प्रशासन से अवैध ठेला व दुकान को हटाने को बोलते आ रही है लेकिन कोई सुनने को तैयार नही है। अब गड़हनी के ग्रामीणों जाम झेलने की आदत सी हो गई है।व्यवसायी संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास यादव ने कहा कि खुलेआम सड़क पर मिट्टी रखा हुआ है और सड़क पर ही ढलाई को ले मसाला भी तैयार किया जा रहा है। जबकि सड़क के दोनों किनारे बहुत सा स्टेट हाइवे का जमीन है लेकिन अतिक्रमण है।

राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के खिलाड़ियों का सम्मान

आरा। राज्यस्तरीय जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता में पुरे बिहार में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान संभावना आवासीय उच्च विद्यालय में हुआ। संभावना स्कूल के निदेशक डॉ.कुमार द्विजेंद्र, प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह एवं भोजपुर हैंडबॉल के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने खिलाडियों को मेडल देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में टीम के कप्तान सचिन कुमार यादव, सिंटू कुमार, विशाल कुमार, प्रत्युष कुमार, प्रीतम कुमार, अभिषेक कुमार, समीर कुमार, दीपू कुमार, नागेन्द्र कुमार एवं टीम कोच सुग्रीव कुमार हैं। डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि भोजपुर में पहली बार हैंडबॉल की शुरुआत संभावना विद्यालय से हुई थी। विद्यालय के अधिकांश बच्चे हैंडबॉल के माध्यम से आज विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी कर रहे हैं। वर्तमान समय में विद्यालय के 7 से 8 बच्चे हैंडबॉल में जिला एवं राज्यस्तरीय टीम के खिलाड़ी है। डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि हैंडबॉल टीम के बेहतरीन प्रदर्शन से भोजपुर का नाम पूरे बिहार में रौशन हुआ है। मुझे उम्मीद है कि आगे भी हैंडबॉल की टीम अच्छा प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन करेगी।

रेड क्रॉस ब्लड सेंटर का मनाया गया 19वां स्थापना दिवस

आरा। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा स्थापित रेड क्रॉस ब्लड सेंटर का 19वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस ब्लड बैंक की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। इस इस उपलक्ष में रेड क्रॉस के सदस्यों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। कार्यक्रम में चेयरमैन डा वीएन यादव, संरक्षक लाल दास राय, डॉक्टर एसके रूंगटा, मजहर हसनैन, सचिव विभाग कुमारी, हरेंद्र प्रसाद सिंह, दिनेश प्रसाद सिन्हा, नंदकिशोर सिंह, सरफराज अहमद खान, डॉ अर्चना सिंह, अशोक शर्मा,डॉ पी सिंह, डॉ केके सिंह डॉक्टर वीपी सिंह समेत कई लोगों उपस्थित थे। डॉ वीएन यादव ने कहा कि वर्ष 2006 में पूर्व के अधिकारियों के अथक प्रयास से इस ब्लड बैंक की स्थापना हुई ,तब से लेकर आज तक जितने भी अधिकारी रेड क्रॉस में पदस्थापित हुए सबका प्रमुख लक्ष्य रक्तदान को बढ़ाना रहा। रक्तदान करने वालों में जितेंद्र शुक्ला, धर्मेंद्र पांडे,दिव्यांशु मिश्रा, श्लोक दुबे, आकाश कुमार, वकील कुमारराम, सनी प्रसाद, अभिषेक कुमार यादव सुखसागर कुमार सिंह आदि रहे।

जर्जर सड़क मरम्मत कार्य शुरू, गिट्टी के साथ मोरम की जगह डाल रहे मिट्टी

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में गोलंबर से नदांव जासो जगदीशपुर होते हुए डुमरांव के साखाना रोड तक जाने वाली जर्जर सड़क की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। इस काम को लेकर भ्रष्टाचार भी दिखाई देने लगा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। सड़क निर्माण में गिट्टी के साथ मोरम की जगह मिट्टी डाली जा रही है। जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय वार्ड पार्षद द्वारा इसको लेकर सवाल किए जाने पर भी कोई जवाब देने वाला नहीं मिल रहा है।

लोगों ने जताई नाराजगी

मोरम की जगह सड़क निर्माण में डाली जा रही मिट्टीः सड़क पर मोरम की जगह मिट्टी डालने को लेकर स्थानीय निवासियों का कहना है कि अभी बरसात नहीं होने के बावजूद हल्के पानी की वजह से कई जगहों पर कीचड़ हो गई है। जिसकी वजह से फिसलन हो गई है। अगर बरसात हो जाए तो हालत बद से बदतर हो जाएगी।

निर्माण कार्य को अपना बताने की होड़ः बता दें कि इस सड़क निर्माण को लेकर पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि विजय मिश्रा और सदर विधायक संजय कुमार तिवारी के बीच निर्माण कार्य को अपना बताए जाने की होड़ मची हुई थी। जिसका निर्माण शुरू हो गया है। साल 2020 में 14 किलोमीटर की इस सड़क का निर्माण हुआ था। जिसके लिए 1 करोड़ 33 लाख रुपए की राशि निर्धारित की गई थी। वहीं, पांच सालों के देखभाल के लिए 1 करोड़ 62 लाख रुपए निर्धारित किए गए थे। काफी दिनों तक सड़क की बदहाली का दंश झेलने के बाद लोगों की समस्या का समाधान किए जाने का दावा किया जा रहा था। अंतिम वित्तीय वर्ष में मरम्मत का कार्य शुरू भी हुआ तो उसमें व्यापक अनियमितता देखी जा रही है।

नहर में डूबे किसान की दूसरे दिन मिली लाश

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के बनौली गांव में नहर में डूबे युवक का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव बनौली गांव स्थित मुसहर टोली के समीप नहर से मंगलवार को बरामद किया गया। मृतक नारायणपुर थाना क्षेत्र के बनौली गांव निवासी बम सिंह उर्फ बालेश्वर सिंह का 18 वर्षीय पुत्र प्रेम कुमार है और पेशे से किसान था। मृतक के चचेरे भाई सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की रात वह शौच सोच के लिए गांव में ही स्थित पुल के किनारे गया हुआ था। पानी लेने के लिए नहर किनारे गया, तभी वो गिरकर डूब गया। जब वह देर रात घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ नहीं पता चल पाया। जब परिजन दोबारा खोजबीन करने के लिए गए तो शव मिला। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना की पुलिस भी पहुंची। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकल गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व एक बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां मानती देवी व तीन भाई धनजी कुमार, मंजू कुमार, पवन कुमार और एक बहन पार्वती देवी है।

रंगों और रेखाओं के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति उकेरी

निज संवाददाता। आरा

जिले के नरही चांदी में आसरा सेवा केंद्र और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के सहयोग से भोजपुरी पेंटिंग कार्यशाला सह सेमिनार आयोजित है। जिसके दूसरे दिन कलाकारों ने अलग-अलग रंगों और रेखाओं के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति कैनवास पर उकेरा। कुछ लोग कोहबर के फॉर्म में अपने चित्रों में रंग भरे। कुछ पिडिया को सजाया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अधिकारी भी कार्यशाला में शामिल हुए। जिसमें निदेशक राम चरित्र प्रसाद, सचिव कंपनी कार्य निधि राज आनंद, योजना अभियंता अखिलेश कुमार, परियोजना अभियंता राहुल राज, कनीय अभियंता हरे राम मौजूद रहे। कलाकारों के कार्य सराहना करते हुए निदेशक ने कहा कि मैं भोजपुरी चित्रकला इससे पहले नहीं जानता था। मुझे खुशी हो रही है कि भोजपुरी आंचल की अपनी लोक परंपरा इतनी समृद्ध है। आप सब कलाकार इसके लिए कार्य कर रहे । आसरा सेवा केंद्र को ऐसे आयोजन के लिए बधाई। इस कार्य से भोजपुरी लोक कला समृद्ध होगी। अतिथियों का स्वागत चित्रकार कमलेश कुंदन और मंच संचालन चित्रकार संजीव सिंह ने किया।

गर्भवती पत्नी को चाकू-पेचकस से गोदा, 70 टांके लगे

बक्सर में पति बोला- बहुत रोक-टोक करती है, खुद कहीं जाती तो बताती भी नहीं

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में पति ने गर्भवती पत्नी को कमरे में बंद कर चाकू, पेचकस और पिलास से वार कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। घर में सास-ससुर भी थे। महिला की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दरवाजा तोड़कर महिला को बाहर निकाला। महिला 52 हफ्ते की गर्भवती है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन नाजुक हालत देखते हुए उससे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। महिला के परिजनों का कहना है कि उसे 70 टांके लगे हैं। आरोपी पति को पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मैं बाहर जाता हूं तो परेशान करती है, काफी पूछताछ करती और खुद कहीं जाती है तो बताती भी नहीं है।

पिछले साल ही हुई थी शादीः पीड़िता बड़का राजपुर निवासी जवाहर चौधरी की बेटी प्रीति है। जिसके शादी पिछले साल पांडेय पट्टी निवासी राज नारायण चौधरी के बेटे रवि चौधरी से हुई थी। बहन रेखा देवी ने कहा कि शादी के बाद से पति रवि चौधरी के साथ-साथ उनके पिता राज नारायण चौधरी और चाचा जगनारायण चौधरी दहेज के लिए परेशान करते थे। प्रीति जब गर्भवती हुई तो कुछ दिन ससुराल में रहने के बाद वह सिमरी थाना क्षेत्र के नगरपुरा गांव स्थित अपनी मौसी के यहां चली गई थी। जहां से मंगलवार को उसका पति उसे वापस लेकर चला आया। पांडेय पट्टी निवासी और स्थानीय वार्ड पार्षद दिलीप कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी रात तकरीबन 11 हुई। महिला की आवाज सुनकर हमलोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि आरोपी ने महिला को चाकू, पेचकस और पिलास से मार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया है। गंभीर हालत में उसे सदर अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सक उसकी स्थिति गंभीर बता रहे हैं। ससुराल वाले अब आर्थिक मदद भी नहीं कर रहे हैं। घटना के बाद से फरार हैं।

महिला की हालत नाजुकः सदर अस्पताल के डॉक्टर डॉ. एससी मिश्रा ने बताया कि महिला के शरीर पर धारदार हथियार के वार के कई निशान हैं। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घर वालों ने बताया कि पति ने चाकू, पेचकस आदि से मार कर उसे जख्मी कर दिया है। गर्भ में पल रहे शिशु की जान पर भी खतरा बना हुआ है। फिलहाल उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया जा रहा है।

आरोपी सनकी टाइप का लग रहाः मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पति को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पति से पूछताछ की गई है। वो थोड़ा सनकी टाइप का लग रहा है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जीप पलटने से महिला की मौत, एक की हालत, तेज रफ्तार की वजह से अनियंत्रित वाहन

निज संवाददाता। बक्सर

ओवरटेक करने के दौरान हादसा

बक्सर जिले के कथराई बसही मुख्य पथ पर तेज रफ्तार जीप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दौरान जिप में सवार एक महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल महिला को जिप से निकाल पास के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृत महिला के शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान कथराई गांव निवासी अंजोरिया देवी के रूप में हुई है। वहीं घायल महिला गिरिजा पांडेय की पत्नी भागमनी कुंवर हैं।

फिल्मी अंदाज में पलटी गाड़ीः मामले को लेकर बताया गया कि अंजोरिया देवी अपनी बेटी के पास किसी काम से जा रही थी। वहीं, भागमनी कुंवर जिउतिया पर्व को लेकर बाजार करने के लिए कोचस जा रही थी।जैसे ही जीप कथराई गांव से बाहर हुई चालक ने दूसरी गाड़ी को आगे देख तेज रफ्तार से आगे जाने का प्रयास किया। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सीधे चाट में पलट गई। ग्रामीणों ने बताया कि जीप फिल्मी अंदाज में पलटी मारते हुए लगभग तीन बार पलटने के बाद खेत में जाकर खड़ी हो गई। घटना में अंजोरिया देवी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि भागमनी कुंवर पति गिरिजा पांडेय जीप के नीचे दब गए थी। आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर घायल महिला को बाहर निकाला। घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़ फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे धनसोई थाना अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे आसपास के ग्रामीण मृत महिला के परिवार को उचित मुआवजा राशि की मांग कर रहे हैं।

जिले के सरकारी स्कूलों की होगी रैंकिंग, दिए जाएंगे अंक

निज संवाददाता। बक्सर

जिले के सरकारी विद्यालयों में रैंकिंग की जाएगी। विभाग के अनुसार सरकारी योजनाओं व विभागीय निर्देशों के पालन की जांच कर वर्ष में दो बार रैंकिंग की जाएगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने डीईओ को एक पत्र भेजा गया है। विद्यालयों में पढ़ा रहे शिक्षक शिक्षिकाओं के शैक्षणिक गुणवत्ता की भी ग्रेडिंग की जाएगी। सरकारी विद्यालयों में संचालित विभिन्न गतिविधियां, शिक्षण, संसाधन उपयोग, साफ-सफाई, स्वच्छता, शिकायत निवारण, सह शैक्षणिक गतिविधियां आदि के लिए 100 अंक तय किए गए हैं। रैंकिंग की प्रविष्टि सभी शिक्षकों के वार्षिक मूल्यांकन में अनिवार्य रूप से की जाएगी।

साल में दो बार होगी रैंकिंगः शिक्षा विभाग की ओर से इसको लेकर वर्ष में दो बार नवंबर और मार्च माह में विद्यालयों की रैंकिंग की जाएगी। इसके लिए प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए प्रपत्र तैयार किए गए हैं। चेतना सत्र में बच्चों की सक्रिय भागीदारी पर 2, योग, व्यायाम व खेल नियमित रूप से आयोजित करने पर 2, स्वास्थ्य जांच, आयरन की गोलियां व आखों की जांच पर 2 तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल दिवस के लिए वार्षिक दिवस पर 2 अंक मिलेंगे। शिकायत निवारण के लिए 3 अंक निर्धारित किए हैं। इन मानकों पर की जाएगी ग्रेडिंग पिछले 3 माह में छात्रों की औसत उपस्थिति पर 10, छात्रों के क्लासवर्क, होमवर्क व वर्कशीट की नियमित जांच पर 5, विद्यालय अवधि के बाद मिशन दक्ष के तहत कक्षा पर 3 व नियमित रूप से शिक्षक अभिभावक आयोजन पर 2 अंक अर्द्धवार्षिक व वार्षिक परीक्षा में औसत अंक पर 20, मासिक जांच परीक्षा में औसत अंक पर 10 अंक मिलेंगे। इसी तरह कटे नाखून, संवरे बाल व साफ पोशाक युक्त छात्र पर 2.5, रसोईघर की साफ-सफाई, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई व शौचालय की साफ-सफाई प्रत्येक पर 2.5 अंक निर्धारित किए गए हैं। संसाधन उपयोग पर भी मिलेंगे अंक नामांकित छात्रों के अनुपात में कक्षा-कक्ष की उपलब्धता पर 2, रनिंग वाटर, जलापूर्ति की व्यवस्था व ओवरहेड टैंक की कार्यात्मक स्थिति पर 2, आईसीटी लैब के उपयोग पर 2, विज्ञान लैब के उपयोग पर 2 तथा पुस्तकालय के उपयोग पर 2 अंक निर्धारित किए हैं।

25 दिन में तैयार होता है 5 क्विंटल ड्रैगन फ्रूट

किसान बोला-गेहूं की खेती से इसमें ज्यादा कमाई, 25 साल है एक प्लांट की लाइफ

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के एक किसान विदेशों में होने वाले ड्रैगन फ्रूट को बिहार की धरती पर उगा रहे हैं। इसकी खेती से वो सालाना 3 लाख रुपए तक की कमाई कर रहे हैं। इनका कहना है कि इस फल की खेती गेहूं की खेती से ज्यादा फायदेमंद है। खेती की शुरुआत 3 साल पहले की थी। अब पिछले 2 साल से फल बेच रहे हैं। ड्रैगन फ्रूट की खेती करने वाले दरोगा तिवारी बक्सर के पहले किसान हैं। उन्होंने बताया कि बहुत ही कम जमीन पर इसकी खेती कर फल को आसानी से लोकल मार्केट में बेचकर अच्छी कमाई की जा सकती है। दरोगा तिवारी बताते हैं कि यह एक सीजन में 3 से 4 बार फल देता है। साल 2021-22 में हमने 16 कट्ठा जमीन में ड्रैगन फ्रूट्स की खेती शुरू की। शुरुआत के डेढ़ साल के बाद फल देने लगा।

25 दिनों में 4-5 क्विंटल निकलता है फलः दरोगा तिवारी कहते हैं कि फिलहाल 210 पोल पर प्लांट लगाए गए हैं। प्रत्येक फल का वजन लगभग 300 से 800 ग्राम तक होता है। एक पौधे पर 50 से 120 फल लगते हैं। हर 25 दिन पर चार से पांच क्विंटल फ्रूट निकलता है। इस फल को बाहर नहीं, बल्कि अपने जिले के मंडियों एवं बाजारों में ही खपाना है। सबसे अच्छी बात है कि एक बार प्लॉटिंग के बाद इसमें फिर ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता है। हर साल बस मेंटेनेंस की जरूरत होती है। एक प्लांट की लाइफ 25 साल तक होती है। आगे कहते हैं कि पहले बाप-दादाओं के पास ज्यादा जमीन थी। उत्पादन कम भी हुआ तो काम चल जाता था। आज जमीन का बंटवारा होते-होते सबके पास काफी कम जमीन बच गया है। किसानों के पास अब धीरे-धीरे खेती लायक जमीन को लेकर समस्या होते जा रही है। इस परिवेश में कम खेती में अधिक मुनाफा कैसे हो, उसपर काम चल रहा है। इसके लिए ड्रैगन फ्रूट्स की खेती को अभी बेहतर माना जा रहा है।

एक प्लांट की लाइफ 25 सालः किसान ने कहा कि इसकी औसत उपज 5 से 6 टन प्रति एकड़ होती है। सबसे अच्छी बात ये है कि एक बार प्लांटिंग के बाद इसमें फिर ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता है। हर साल बस मेंटेनेंस की जरूरत होती है। फल के पौधों को दूसरे पौधों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार रोपण, फूल आने और फल विकास के समय या गर्म और शुष्क मौसम में बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसके लिए सिंचाई की बूंद-बूंद पद्धति का उपयोग करना चाहिए।

सबसे अच्छी बात-जंगली जानवरों से नुकसान का डर नहींः ड्रैगन फ्रूट के लिए सबसे बड़ी बात है कि इसको जंगली जानवर नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके प्लांट लतरने वाले होते हैं। इसलिए सहारे के लिए खेत में सीमेंट के खंभे या बांस-बल्ला की जरूरत होती है। एक खंभे के साथ 3-4 प्लांट लगाए जा सकते हैं। जैसे-जैसे प्लांट बढ़ता है उसे रस्सी से बांधा जाता है। एक-सवा साल बाद प्लांट तैयार हो जाता है। ड्रैगन फ्रूट पहले साल में फल देना शुरू कर देता है।